रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 11 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 93 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.1	28.7
जमशेदपुर	38.1	27.0
डालटनगंज	37.1	25.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ओवर ऑल झारखंड में कमी

- बारिश होनी थी 285.6 मिमी
- हुई 135.6 मिमी
- कमी 53 प्रतिशत

झारखंड में 10 जुलाई तक महज 135.6 मिमी बारिश

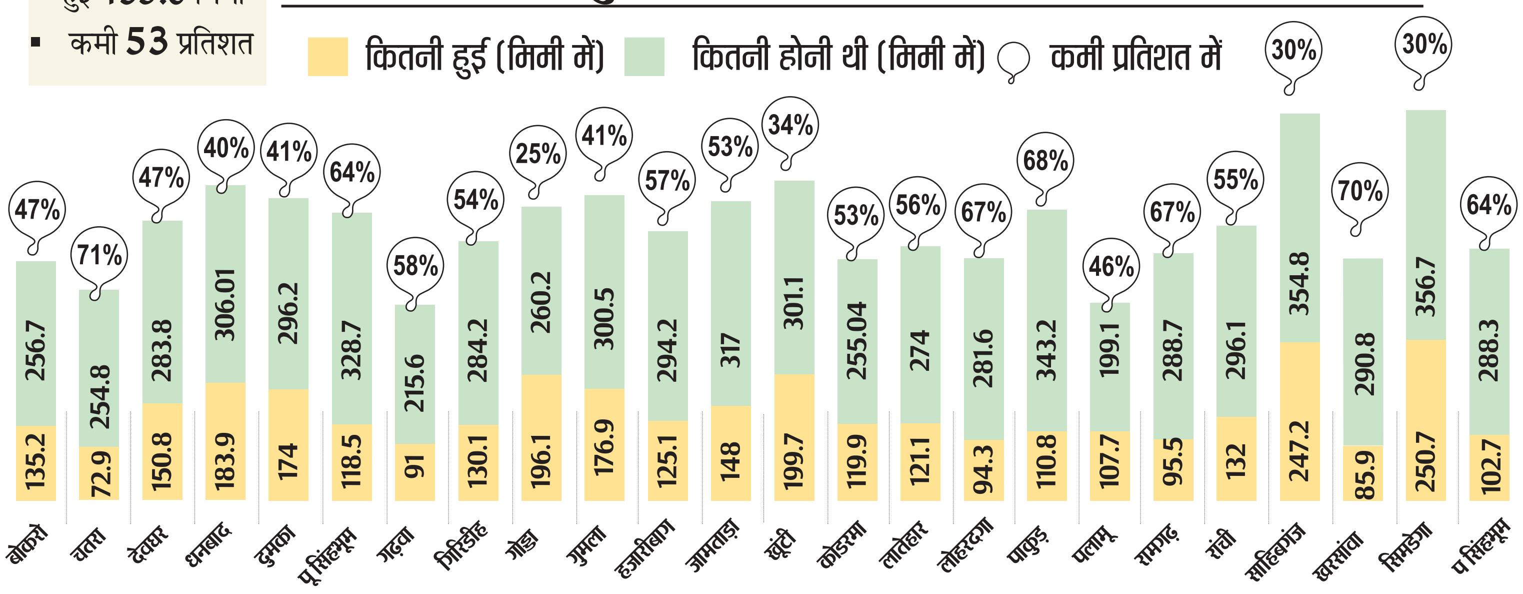

कम बारिश से सहमे किसान, अब तक बिचड़ा भी तैयार नहीं

सूखे की आहट...

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में लगातार तीसरे वर्ष मॉनसून की बेरुखी और सूखे की आहट से किसान सहमे हुए हैं. हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अब अधिकांश जिलों में धान रोपनी तो दूर अब तक बिचड़ा भी तैयार नहीं हो सका है. जुलाई के पहले सप्ताह में जब बारिश हुई, तो किसान बिचड़ा तैयार करने की तैयारी में जुट गए, मगर अचानक बारिश बंद हो जाने के बाद सारी तैयारियां धरी की धरी रह गईं. मौसम विभाग की मानें, तो झारखंड राज्य में मॉनसून कमजोर पड़ चुका है. मौसम विभाग ने जुलाई के तीसरे सप्ताह में फिर से मॉनसून सक्रिय होने का अनुमान लगाया है. ऐसे में किसान कोई तैयारी नहीं कर पा रहे हैं. और इंद्रदेवता से बारिश की मिन्नत कर रहे हैं.

अन्य खरीफ फसल पर भी लगा ब्रेक : मॉनसून की बेरुखी का असर केवल खरीफ की खेती धान पर ही नहीं पड़ा है. इसका असर अन्य खरीफ फसलों की तैयारी पर भी पड़ रहा है. राज्य सराकार ने किसानों तक धान के बीच तो जरूर पहुंचा दिए हैं, मगर अब तक बिचड़ा लगाने का काम भी शुरू नहीं हो पाया है. कई जिलों में जुलाई के पहले सप्ताह में बारिश के बाद खेतों में बिचड़ा तैयार करने के लिए बीज तो डाल दिए गए हैं. मगर बारिश नहीं होने के कारण अब बिचड़ा सूखने के कगार पर पहुंच गए हैं.

जून के बाद जुलाई माह में भी कम बारिश से किसान परेशान

सरकार अलर्ट मोड में

इधर सूखे की आहट को देखते हुए राज्य सरकार भी अलर्ट मोड में आ गई है. नयी कृषि मंत्री दीपिका सिंह पांडेय ने अपने अफसरों को इसके लिए तैयार रहने और वैकल्पिक व्यवस्था का एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया है. उन्होंने अपने अफसरों को निर्देश दिया है कि कम बारिश को देखते हुए रोबुस्ट कंटीनजेंसी प्लान तैयार करें. ताकि सुखाड़ की स्थिति उत्पन्न होने पर उसे क्रियान्वित किया जा सके.

छींटा विधि से केवल 3% ही खेती

मॉनसून की बारिश न होने का असर इससे भी समझा जा सकता है कि लक्ष्य के विपरीत अब तक राज्य में केवल तीन प्रतिशत ही धान की खेती हो पाई है. कृषि विभाग के अनुसार हमारे राज्य में अधिक करीब 18 लाख हेक्टेयर में धान की ही खेती होती है. अब तक राज्य में 18 लाख हेक्टेयर की तुलना में मात्र 58 हजार हेक्टेयर में ही धान लग सका है. इसमें करीब 55 हजार हेक्टेयर में छींटा विधि से धान लगाया गया. कुछ जिलों में छींटा विधि से धान का बिचड़ा तैयार किया जाता है. मगर बारिश नहीं होने की स्थिति में इनके भी सूख जाने के आसार हैं. राज्य के किसानों को बारिश का बेसब्री से इंतजार है.

13 तक येलो अलर्ट, भारी बारिश का अनुमान

इस बीच, मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 10 से 13 जुलाई तक राज्य में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है. जिसमें झारखंड के सभी हिस्सों में थडरिंग के साथ अच्छे बारिश का अनुमान लगाया गया है. 10 जुलाई को राज्य में कहीं-कहीं थडरिंग के साथ बारिश, 11 जुलाई को राज्य में कहीं-कहीं थडरिंग के साथ बारिश, 13 जुलाई को राज्य के उत्तर पूर्व इलाके में भारी बारिश और 13 जुलाई को राज्य के उत्तर पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं पर भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है.

कंपनी प्रबंधन ने माना- कंपनी के नाम नहीं हुआ जमीन का हस्तांतरण, फिर सरकारी जमीन घेरा क्यों

राज्य सरकार गलत या नरसिंह इस्पात दे रहा झूठी जानकारी..?

- कंपनी परिसर की सरकारी जमीन का मापी कराई जाएगी

दिलीप कुमार। चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल प्रखंड अंतर्गत चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी जमीन घेरने के मामले में या तो सरकार झूठ बोल रही है या कंपनी प्रबंधन गलत जानकारी देकर मामले को उलझा रही है.

चांडिल की अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी के द्वारा नरसिंह इस्पात कंपनी को तीन मुख्य बिंदुओं पर भेजे गए नोटिस का जबाव देते हुए कंपनी प्रबंधन ने यह स्वीकार किया है कि कंपनी के नाम पर सरकारी जमीन का हस्तांतरण नहीं हुआ है. कंपनी प्रबंधन की ओर से ये भी कहा गया कि सरकारी जमीन कंपनी के उपयोग में भी नहीं है. अगर ऐसी बात है, तो कंपनी सरकारी जमीन को घेर कर क्यों रखा है. अनुमंडल पदाधिकारी ने जब कंपनी प्रबंधन की ओर से गए प्रतिनिधि से मौखिक रूप से पूछा कि कंपनी के चहारदीवारी के अंदर सरकारी जमीन है या नहीं. अगर है, तो कंपनी ने सरकारी जमीन को बगैर हस्तांतरण के क्यों घेर कर रखा है. जमीन घेरने के पहले इसकी अनुमति क्यों नहीं ली गई है. इस पर कंपनी प्रबंधन की चुप्पी कई सवाल पैदा कर रही है. अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि कंपनी परिसर की सरकारी जमीन का मापी कराई जाएगी. बगैर हस्तांतरण के कंपनी के अंदर सरकारी जमीन घेरा हुआ पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. कंपनी के जमीन संबंधित कागजातों की भी जांच कराई जाएगी.

कंपनी का मुख्य गेट.

मंत्री ने सदन को दी थी जानकारी

जानकारी के अनुसार ईचागढ़ के तत्कालीन विधायक दिवंगत साधुचरण महतो के द्वारा विधानसभा में 19 फरवरी 2016 को विधानसभा सत्र के दौरान पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या रा. 12 के जबाव में सरकार के संयुक्त सचिव के रिपोर्ट पर राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री ने उत्तर देते हुए सदन को बताया था कि नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा मौजा खूंटी, थाना नंबर 175, खाता नंबर 506, प्लॉट नंबर 2642, 2645 और 2668 में रकवा क्रमशः 0.26, 0.23 और 0.06 एकड़ सरकारी भूमि का अतिक्रमण किया है. तो क्या सरकार का यह रिपोर्ट गलत है. सरकार सदन में झूठ बोल रही है. या कंपनी प्रबंधन अनुमंडल पदाधिकारी को झूठा रिपोर्ट दे रही है. यह जांच का विषय है. सरकार के संयुक्त सचिव के द्वारा सदन में यह भी जानकारी दी गई थी कि कंपनी प्रबंधन द्वारा कुरली पीएफ में 0.24 हेक्टेयर, मुसरीबेड़ा पीएफ में 0.08 हेक्टेयर कुल पांच हेक्टेयर में वनभूमि का अतिक्रमण किया गया है. इसके अलावा मुसरीकुदर पीएफ में 9.62 हेक्टयेर खतियान में जंगल-झाड़ दर्ज भूमि पर अतिक्रमण किया गया है. इस प्रकार कंपनी द्वारा कुल 10.12 हेक्टेयर वनभूमि का अतिक्रमण किया गया है. इस संबंध में कंपनी के खिलाफ वनवाद दर्ज किया गया है. हालांकि वन विभाग द्वारा अपनी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की बात कही जा रही है. वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए वनभूमि पर कंपनी द्वारा चहारदीवारी देने के काम को तोड़ कर सामग्री को जब्त भी किया जा चुका है. कंपनी के खिलाफ वन वाद चलने की भी बात बताई जा रही है. सूत्रों के अनुसार कंपनी ने पिछले कई वर्षों से फॉरेस्ट क्लीयरेंस भी नहीं लिया है.

ग्रामीणों की मांग-रास्ते को भी मुक्त कराए प्रशासन

ग्रामीणों ने बताया कि मौजा खूंटी थाना नंबर 175 के खाता नंबर 506 के प्लॉट नंबर 2458, 2465, 2478, 2502, 2503, 2535, 2542, 2555 भी सरकारी प्लॉट है. प्लॉट नंबर 2542 में नाला है. वहीं खाता नंबर 507 के प्लॉट नंबर 2573 सर्व साधारण जमीन है. ग्राम सभा की मांग है कि एसडीओ इन सरकारी प्लॉटों की भी मापी करवाएं और ग्रामीणों को न्याय दिलाने का काम करें. सरकारी नाला के अलावा जंगल जाने वाले रास्ते को भी अतिक्रमण मुक्त करते हुए अतिक्रमणकारी पर उचित कार्रवाई करे.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,200
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

बिहार में एक और छोटा पुल ढह गया

सहरसा। बिहार में बुधवार को एक और छोटा पुल ढह गया. राज्य में पिछले 21 दिनों में इस तरह की यह 13वीं घटना है. जिले के एडीएम बताया, हमें अभी सूचना मिली है कि महिषी गांव में ऐसी घटना घटी है. यह एक छोटा पुल या पुलिया हो सकता है. इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. पिछले कुछ हफ्तों के दौरान कई जिलों में एक दर्जन से अधिक पुलों और पुलियों के ढहने पर राज्य सरकार ने 15 इंजीनियरों को निलंबित कर दिया है.

ग्राहकों की पहचान के लिए ई-केवाईसी सत्यापन

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि फर्जी ग्राहकों को हटाने के लिए रसोई गैस ग्राहकों का आधार के जरिए ई-केवाईसी सत्यापन कर रही हैं. इसकी मदद से ई-केवाईसी की प्रक्रिया उन फर्जी ग्राहकों को अलग करने के लिए की जाती है, जिनके नाम पर बुक कराई गई रसोई गैस का इस्तेमाल वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में किया जाता है.

बस- टैंकर की टक्कर में 18 लोगों की मौत

उन्नाव (यूपी)। यूपी के उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बस और टैंकर की टक्कर में 18 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. मरने वालों में एक ही परिवार के छह सदस्य शामिल हैं. सभी मृतक और घायल बिहार के हैं. -पेज 11 भी देखें

मोदी ने विनिर्माण क्षेत्र को तहस नहस किया: कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी ने अपनी विनाशकारी नीति से देश के विनिर्माण क्षेत्र को तहस-नहस कर दिया है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने सरकार के आर्थिक कदमों को लेकर लगातार आगाह किया, लेकिन सरकार ने अनसुना कर दिया और एमएसएमई और छोटे व्यवसायों पर हमला किया.

रमेश ने कहा, क्रेडिट रेटिंग कंपनी इंडिया रेटिंग्स की एक नई रिपोर्ट ने उस बात की पुष्टि की है जिसे लेकर कांग्रेस आगाह करती रही कि पीएम मोदी द्वारा एमएसएमई और छोटे व्यवसायों पर किया गया सुनियोजित हमला आर्थिक तबाही है. सरकार का नीति निर्माण असंगठित क्षेत्र को नज़रअंदाज़ करने वाला है. रमेश के मुताबिक, नोटबंदी, जीएसटी व लॉकडाउन जैसे तीन झटके विशेष रूप से इसके विनाशकारी नीति निर्धारण की ओर ध्यान दिलाते हैं. इन तीन झटकों से 63 लाख उद्यम बंद हुए, जिससे 1.6 करोड़ नौकरियां चली गईं. यह ऐसे समय हुआ जब रिकॉर्ड संख्या में युवा श्रम बाजारों में प्रवेश कर रहे हैं.

खास बातें

- इंडिया रेटिंग की नई रिपोर्ट ने भी की कांग्रेस के दावों की पुष्टि
- 1.4 अरब भारतीय आर्थिक दुष्परिणामों को भुगतने को विवश

मोदी ने की युद्ध रोकने में मध्यस्थता की पेशकश

कहा- जंग के मैदान में नहीं निकलेगा समाधान, भारत-ऑस्ट्रिया ने संयुक्त रूप से की आतंकवाद की निंदा

एजेंसी। वियना

ऑस्ट्रिया के दौरे पर पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन युद्ध पर बड़ा बयान दिया है. ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने यूक्रेन में शांति की अपील करते हुए कहा- यह युद्ध का युग नहीं है. उन्होंने कहा, आज मेरे और चांसलर नेहमर के बीच सार्थक बातचीत हुई है.

मोदी ने कहा, मैंने और चांसलर नेहमर ने विश्व में चल रहे विवादों, चाहे यूक्रेन में संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, सभी पर विस्तार से बात की है. मैंने पहले भी कहा है कि यह युद्ध का समय नहीं है. उन्होंने कहा कि जंग के मैदान में समाधान नहीं निकल सकता है. पीएम ने कहा, समस्याओं का हल रणभूमि पर नहीं हो सकता. कहीं भी हो, युद्ध में मासूमों की जनहानि स्वीकार्य नहीं है. भारत और ऑस्ट्रिया शांति की बहाली के लिए मध्यस्थता भी करने को भी तैयार हैं. यूक्रेन युद्ध के साथ ही पीएम मोदी और नेहमर ने आतंकवाद की भी कड़ी निंदा की.

नेहमर ने भी किया यूक्रेन युद्ध का जिक्र

ऑस्ट्रिया के चांसलर नेहमर ने कहा, हमने यूक्रेन के खिलाफ रूसी युद्ध पर भी गहन बातचीत की. ऑस्ट्रिया के चांसलर के रूप में, मेरे लिए भारत के आकलन को जानना और समझना तथा भारत को यूरोपीय चिंताओं से परिचित कराना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है. इसके अलावा मध्य पूर्व में संघर्ष एक प्रमुख विषय था. इस चुनौतीपूर्ण भू-राजनीतिक स्थिति के अलावा हमने अपने आपस में सहयोग के सकारात्मक पहलुओं का भी उल्लेख किया.

सीएम नीतीश ने पैर छूने की पेशकश कर शर्मिंदा किया

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने बुधवार को यहां रोडवेज परियोजना का जिम्मा संभाल रही एक निजी कंपनी के एक प्रतिनिधि को पैर छूने की पेशकश कर शर्मिंदा करने की कोशिश की. हुआ यह का समय से काम न होने से नाराज नीतीश उठे और संबंधित अधिकारी से बोले- काम समय से पूरा कीजिए, कहिए तो मैं आप का पैर छू लूं. इतना सुन कर अधिकारी शर्मिंदा हो गया.

सुप्रीम फैसला तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं भी पति से मांग सकती हैं गुजारा भत्ता

सेकुलर देश में ये कोई दान नहीं, हर महिला का अधिकार

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मुस्लिम महिलाओं के हक में एक बड़ा फैसला सुनाया है. शीर्ष कोर्ट ने कहा कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला पति से गुजारे भत्ता मांग सकती है. इसके लिए महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं. कोर्ट ने कहा कि सेकुलर देश में यह धारा सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, चाहें वे किसी भी धर्म की हों.

जस्टिस बीवी नागरत्ना व ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भी भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती है. पीठ ने कहा कि गुजारा भत्ता कोई दान नहीं है, बल्कि शादीशुदा महिलाओं का हक है. जस्टिस नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा, हम अपील को इस निष्कर्ष के साथ खारिज कर रहे हैं कि धारा 125 सभी महिलाओं पर लागू होगी, न कि केवल विवाहित महिलाओं पर. देश की सर्वोच्च अदालत ने साफ-साफ शब्दों में कहा कि देश में सेकुलर कानून ही चलेगा. पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए यह स्पष्ट किया कि यदि सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका लंबित रहने के दौरान कोई भी मुस्लिम महिला तलाकशुदा हो जाती है, तो वह मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 का सहारा ले सकती है. पीठ ने कहा कि इस अधिनियम के तहत किए गए उपाय सीआरपीसी की धारा 125 के तहत उपाय के अतिरिक्त है. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने शाहबानो मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा था कि सीआरपीसी की धारा 125 एक धर्मनिरपेक्ष प्रावधान है, जो मुस्लिम महिलाओं पर भी लागू होता है. हालांकि मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 द्वारा इसे निरस्त कर दिया गया और 2001 में कानून की वैधता को बरकरार रखा गया.

क्या है सीआरपीसी की धारा 125?

सीआरपीसी की धारा 125 में पत्नी, संतान और माता-पिता के भरण-पोषण को लेकर जानकारी दी गयी है. इस धारा के अनुसार ये सभी आश्रित लोग गुजारे-भत्ते का दावा केवल तभी कर सकते हैं, जब उनके पास आजीविका का कोई और साधन उपलब्ध नहीं हो.

क्या है मामला?

अब्दुल समद नाम के शख्स ने पत्नी को गुजारा भत्ता देने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी. उसने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है. महिला को मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 अधिनियम के प्रावधानों के तहत ही चलना होगा. ऐसे में कोर्ट के सामने सवाल था कि इस केस में मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 को प्राथमिकता मिलनी चाहिए या सीआरपीसी की धारा 125 को. जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल समद की याचिका खारिज कर दी और मुस्लिम महिलाओं के हक में फैसला सुनाया.

बाबा रामदेव को अब हाईकोर्ट ने भी फटकारा

50 लाख का जुर्माना भी ठोका

एजेंसी। मुंबई

पतंजलि की लगातार मुश्किलें जारी हैं. अब कपूर उत्पादों से जुड़े एक मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने 50 लाख का जुर्माना ठोका है. कोर्ट ने आदेश का उल्लंघन करने के चलते ये ऐक्शन लिया है. दरअसल, कोर्ट में पतंजलि पर ट्रेडमार्क उल्लंघन का केस दर्ज हुआ था.

यह केस भी कपूर प्रोडक्ट्स से जुड़ा हुआ. 30 अगस्त 2023 को अदालत ने पतंजलि के कपूर उत्पाद बेचने पर रोक लगा दी थी. अब कोर्ट को बताया गया कि पतंजलि ने आदेश को नहीं माना है. मामले की सुनवाई जस्टिस आरआई छागला कर रहे हैं. उन्होंने पाया कि पतंजलि ने खुद अगस्त में आदेश जारी होने के बाद कपूर उत्पादों की सप्लाई की थी. कोर्ट ने कहा, प्रतिवादी नंबर 1 की तरफ से 30 अगस्त 2023 के निषेधाज्ञा आदेश के बार-बार उल्लंघन को कोर्ट बर्दाश्त नहीं करेगी. अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद को आदेश जारी होने के एक सप्ताह के अंदर 50 लाख रुपए जमा करने के लिए कहा है. पतंजलि को 50 लाख रुपए जमा करने के अलावा कोर्ट ने मंगलम ऑर्गेनिक्स को भी हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा है. इस मामले पर आगे की सुनवाई 19 जुलाई को होगी.

अदालत ने आदेश का उल्लंघन करने के चलते ये ऐक्शन लिया है

▼ ब्रीफ खबरें

खाद्य आपूर्ति मंत्री का पदभार ग्रहण किया

रांची। बन्ना गुप्ता ने बुधवार को खाद्य आपूर्ति मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया. इस दौरान विभाग के सचिव डॉ. अमिताभ कौशल ने मंत्री का स्वागत किया. पदभार ग्रहण करने के बाद बन्ना गुप्ता ने कहा कि यह विभाग सीधे जनता से जुड़ा है. उन्होंने वितरण प्रणाली को दुरुस्त करने की बात कही. साथ ही अनाज के वितरण में आ रही परेशानियों को त्वरित समाधान करने का भी आश्वासन दिया. मंत्री ने विभागीय योजनाओं की बिंदुवार जानकारी ली. इससे पहले 9 जुलाई मंगलवार को बन्ना गुप्ता ने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया था.

हसन ने नगर विकास मंत्री का पदभार संभाला

रांची। गठबंधन सरकार में तीसरी बार मंत्री बने हफीजुलहसन अंसारी ने बुधवार को नगर विकास विभाग का पदभार ग्रहण किया. पदभार ग्रहण करने के बाद नगर विकास मंत्री ने विभाग के अधिकारियों से सभी योजनाओं की जानकारी ली. साथ योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का भी निर्देश दिया. मीडिया से बातचीत में कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने जो जिम्मेवारी दी है, उसे निष्ठापूर्वक पूरा करूंगा. इसके बाद मॉब लीचिंग को लेकर इदार-ए-सरिया के प्रतिनिधमंडल ने मंत्री हफीजुल से मुलाकात की. मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी. सरकार पीड़ित परिवार के साथ है. दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा.

रास में भाजपा के सचेतक बने दीपक

रांची। झारखंड से भाजपा के राज्यसभा सांसद और पूर्व प्रदेश

अध्यक्ष दीपक प्रकाश राज्यसभा में भाजपा के सचेतक बनाये गये हैं. नई जिम्मेदारी दिये जाने पर दीपक प्रकाश ने पार्टी नेतृत्व का आभार प्रकट किया है. उन्होंने कहा कि नये दायित्व का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे.

भारत निर्वाचन आयोग की टीम पहुंची रांची

रांची। भारत निर्वाचन आयोग की टीम बुधवार को रांची पहुंची. गुरुवार को पतरातू पर्यटन विहार स्थित सभागार में राज्य में मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रय 2024 के तहत चल रहे कार्यों को लेकर सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा की जाएगी. निर्वाचन आयोग की टीम में वरीय उप निर्वाचन आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा, वरीय उप निर्वाचन आयुक्त नितेश कुमार व्यास, प्रधान सचिव अरविंद आनंद शामिल हैं. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर आगमन पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार, एसपीएनओ अमोल वी होमकर, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा के साथ रांची जिला के वरीय पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया.

सिर्फ गुमला के प्रखंड नर्सरी से आम-लीची बेचने पर मिले 5000 रुपये

सरकार के उद्यान निदेशालय के 145 बगान 10 साल से पड़े हैं वीरान

23 जिलों में 528 एकड़ जमीन पर है 145 उद्यान

10 साल पहले से उद्यानों में नहीं हुआ पौधों का उत्पादन

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार के उद्यान निदेशालय के सभी बगान वीरान हो गये हैं. इनमें से सिर्फ गुमला के प्रखंड नर्सरी से आम-लीची बेच कर मात्र 5000 रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई है. शेष सभी उद्यान कार्यशील नहीं हैं. उद्यान निदेशालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि इन उद्यानों की अद्यतन स्थिति ठीक नहीं हैं. वहीं पांच एकड़ में फैले दुमका के हंसडीहा उद्यान की जमीन रेलवे और हॉस्पिटल के लिए दे दी गई है. 23 जिलों में स्थापित 145 उद्यान 528 एकड़ जमीन में फैले हुए हैं.

145 उद्यान की देखरेख के लिए सिर्फ10 कर्मचारी : उद्यानों की स्थिति ऐसी है कि इन 145 उद्यानों की देखरेख में सिर्फ नौ कर्मचारी ही कार्यरत हैं. इनमें दुमका के कड़हरबिल उद्यान में एक और सिलांदा में एक कर्माचारी ही कार्यरत है. वहीं पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में एक, जमशेदपुर नर्सरी में एक, चाकुलिया में एक और पोटका में एक कर्मचारी कार्यरत है. बोकारो के चास उद्यान में एक, गुमला के प्रखंड नर्सरी में एक, धनबाद के तोपचांची उद्यान में एक और पलामू के विश्रामपुर में एक कर्मचारी कार्यरत है.

पौधों का उत्पादन भी नहीं : राज्य के सभी 145 उद्यान में पिछले 10 साल से एक भी पौधे का उत्पादन नहीं हुआ है. रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि कोई आधारभूत संरचना नहीं है. नर्सरी से संबंधित कोई कागजात कार्यालय में उपलब्ध नहीं है और वह स्थानीय लोगों के कब्जे में है. उन्होंने अपने नाम से रसीद भी कटवा लिया है. तार की फेनसिंग टूटी पड़ी है. माली शेड की मरम्मत की आवश्यकता है. चहारदीवारी, साफ-सफाई की आवश्यकता है.

किस जिले में कौन सा उद्यान कार्यशील नहीं

दुमका : प्रखंड नर्सरी कड़हरबिल, दुमका, प्रोजनी नर्सरी सिलांदा, जामा, प्रोजनीबाग नर्सरी हंसडीहा, सरैयाहाट, प्रखंड नर्सरी मसलिया, प्रखंड नर्सरी शिकारीपाड़ा, प्रखंड नर्सरी रानेश्वर
गिरिडीह : बगोदर, प्रखंड नर्सरी गिरिडीह, बेंगाबाद, गांडेय, देवरी, जमुआ, राजधनवार, गांवा, बिरनी, बगोदर, डुमरी और पीरटांड़
पूर्वी सिंहभूम : बहरागोड़ा, जमशेदपुर जिला नर्सरी, चाकुलिया, मुसाबनी, पोटका और पटमदा
बोकारो : चास, चंदनक्यारी, जरीडीह, कसमार, पेटरवार, गोमिया,बेरमो और नवाडीह
कोडरमा : प्रखंड नर्सरी कोडरमा, सतगांवा, जयनगर और मरकच्चो
जामताड़ा : जामताड़ा, नारायणपुर, नाला और कुंडहित
पलामू : विश्रामपुर, पाटन और छत्तरपुर
लोहरदगा : प्रखंड नर्सरी लोहरदगा, भंडरा, सेन्हा, कुडू, किस्को
गोड्डा : प्रखंड नर्सरी गोड्डा, मेहरामा, सुंदरपहाड़ी, बोआरीजोर, पोड़ैयाहाट, पत्थरगामा, प्रोजनीबाग गोड्डा और महगामा
हजारीबाग : केरेडारी, बड़कागांव, चौपारण, बरकट्ठा, ईचाक,स बरही, चुरचू और कटकमसांडी
पश्चिमी सिंहभूम : प्रखंड नर्सरी तांतनगर, मंझारी, जगनाथपुर, कुमारडुंगी, मझगांव,नोवामुंडी, मनोहरपुर, सोनुआ, सब्जी प्रक्षेत्र चाईबासा
सरायकेला-खरसांवा : गम्हरिया, राजनगर, खरसांवा, सरायकेला, कुचाई, नीमडीह और प्रोजनीबाग सरायकेला
देवघर : सारवां, सारठ, पालाजोरी, मधुपुर,करौ और प्रोजनीबाग पालाजोरी
साहेबगंज : राजगांव, बोरियो, बरहरवा, राजमहल और तालझारी
रांची : कांके, मांडर, रातू, ओरमांझी, नामकुम, अनगड़ा, सिल्ली, चान्हो, बुंडू, खूंटी, सोनाहातू, बुड़मू,तोरपा, मुरहू, अड़की और कर्रा
धनबाद : तोपचांची, सरायढ़ेला, मिश्रित भवन धनबाद, गोविंदपुर, टूंडी, निरसा, बलियापुर और बाघमारा
गुमला : चंदाली, प्रखंड नर्सरी गुमला, विशुनपुर, घाघरा, पालकोट, चैनपुर, बसिया और रायडीह
चतरा : इटखोरी, हंटरगंज, सिमरिया, टंडवा और प्रखंड नर्सरी चतरा
गढ़वा : प्रखंड नर्सरी गढ़वा, भंडरिया और नगर उंटारी
सिमडेगा : प्रखंड नर्सरी सिमडेगा, कोलेबिरा, बानो, ठेठईटांगर और जलडेगा
पाकुड़ : प्रखंड नर्सरी पाकुड़, लिट्टीपाड़ा, करियोडीह, आम्रापाड़ा और महेशपुर
लातेहार : बालूमाथ

गठबंधन सरकार की विदाई निश्चित है : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

- आदिवासी विद्यार्थियों का नहीं बन रहा जातीय और आवासीय प्रमाण पत्र
- एक्स पर लिखा है कि पूरे प्रदेश में चोरों का आतंक फैला हुआ है

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि चोरों को संरक्षण देने वाली गठबंधन सरकार की विदाई अबकी तय है. उन्होंने एक्स पर लिखा है कि पूरे प्रदेश में चोरों का आतंक फैला हुआ है, प्रदेश का ऐसा एक भी कोना नहीं बचा है. जहां राज्य सरकार के सरंक्षण में झपट्टामार गैंग काम न कर रहा हो. प्रदेश के किसी भी जिले का आंकड़ा निकाल कर देखा जा सकता है कि कैसे ऐसे गैंग को संरक्षण देकर झामुमो और कांग्रेस की सरकार जनता में भय को बढ़ावा दे रही है. हर दिन अखबार के पन्ने चोरी और डकैती से भरे होते हैं, इसके बावजूद जेएमएम-कांग्रेस सरकार ऐसे अपराधियों और चोरों पर कोई भी कार्रवाई नहीं कर रही है. एक दो जगह प्राथमिकी दर्ज भी हुई, तो वो भी फाइलों में सिमट कर रह गयी. बेईमान सरकार की बेईमान पुलिस गिरोह के एक भी सदस्य को गिरफ्तार नहीं कर पायी.

नाकामी को छिपाने में लगे हैं हेमंत : बाबूलाल मरांडी ने कहा कि साढ़े चार साल की नाकामी को छुपाने की कोशिश में लगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब आपके बदले लिबास और ओढ़े हुए किरदार को जनता समझ चुकी है. इंतजार कीजिए, जनता अपने ऊपर हुए हर एक जुल्म का हिसाब आपसे लेगी. बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि आदिवासी समाज के हितैषी होने का ढोंग करने वाली जेएमएम-कांग्रेस की गठबंधन सरकार में आदिवासी छात्र छात्राओं के जातीय और आवासीय प्रमाण पत्र भी नहीं बन रहे हैं. छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में आवेदन तक नहीं कर पा रहे हैं. लगातार शिकायत करने और ज्ञापन देने के बावजूद भी उनकी समस्याओं का कोई भी समाधान नहीं किया जा रहा है. मरांडी ने हजारीबाग और चतरा के डीसी से मांग की कि वह छात्रों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करें.

झारखंड हाईकोर्ट ने कनहर परियोजना में विलंब पर जतायी नाराजगी, मुख्य सचिव को किया तलब

संवाददाता। रांची

खास बातें
- सभी अधिकारी द्वितीय पाली में कोर्ट में सशरीर हाजिर हुए
- गढ़वा, पलामू के लोगों पेयजल उपलब्ध कराने का निर्देश

पलामू और गढ़वा में सिंचाई के लिए प्रस्तावित कनहर बराज परियोजना में विलंब पर झारखंड हाईकोर्ट ने नाराजगी जताते हुए बुधवार को प्रथम पाली में मुख्य सचिव, जल संसाधन सचिव, वन सचिव और वित्त सचिव को कोर्ट में तलब किया. सभी अधिकारी द्वितीय पाली में कोर्ट में सशरीर हाजिर हुए. मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक कहा कि वर्ष 2020 में राज्य सरकार ने पांच साल में परियोजना पूरा होने का टाइमलाइन दिया था, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा. कोर्ट ने मुख्य सचिव को कनहर बराज परियोजना पूरा करने को लेकर टाइमलाइन प्रस्तुत करने के साथ ही साथ बराज पूरा नहीं होने तक गढ़वा, पलामू के लोगों पेयजल उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए शपथ पत्र दाखिल करने को कहा है. मामले के अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी.

कोर्ट ने सरकार द्वारा कनहर बराज पूरा करने के लिए आठ साल का समय मांगे जाने को गंभीरता से लिया. कोर्ट ने सरकार के इस शपथ पत्र को स्वीकार नहीं किया. कोर्ट ने मौखिक कहां कि वर्ष 2009 से कनहर परियोजना को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई वर्ष 2024 तक चल रही है, लेकिन राज्य सरकार परियोजना को लेकर उदासीन है. झारखंड के पलामू, गढ़वा क्षेत्र में सुखाड़ की स्थिति वर्षों से देखी जा रही है, लेकिन वहां सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए कोई सकारात्मक कदम राज्य सरकार ने अब तक नहीं उठाया है. इससे पहले राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर कनहर बराज परियोजना को पूरा करने को लेकर आठ साल का समय मांगा गया, जिस पर कोर्ट ने मौखिक कहा कि राज्य सरकार की ओर से बार-बार शपथ पत्र दाखिल किया जा रहा है, लेकिन अब तक कनहर बराज परियोजना को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया है. कनहर परियोजना को पूरा करने को लेकर हाईकोर्ट गंभीर है. सरकार द्वारा वर्ष 2020 में इस परियोजना को पांच साल में पूरा करने का दावा किया गया था, लेकिन यह दावा पूरा नहीं हुआ, जो इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कैसा काम कर रही है.

सरयू और कुणाल की मुलाकात की है अजीब दास्तां

कुणाल के जेएमएम के जाने की चर्चा के साथ कहीं पे निगाहें कहीं पे निशाना

प्रमुख संवाददाता। रांची

पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी के बीजेपी से किनारा करने के बाद कयासों का बाजार भी गर्म है. जेएमएम में जाने की चर्चा के साथ कहीं पे निगाहें कहीं पे निशाना वाली बात भी सामने आ रही है. एक नया कोण डेवलप हो रहा है. निर्दलीय विधायक सरयू और कुणाल षाडंगी की मुलाकात की अजीब दास्तां भी झारखंड की राजनीति में नया रंग ला सकती है. इस मुलाकात के बाद चर्चा यह भी हो रही है कि कुणाल षाडंगी सरयू राय की पार्टी भारतीय जनतंत्र मोरचा का भी दामन थाम सकते हैं.

झामुमो से की थी राजनीतिक सफर की शुरुआत : कुणाल षाडंगी ने झामुमो से अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत की थी. 2014 में बहरागोड़ा सीट से झामुमो के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद 2019 में भाजपा का दामन थाम लिया था. भाजपा से 2019 में टिकट भी मिला लेकिन वे हार गए.

कुणाल के बैक टू बैक ट्वीट : कुणाल षाड़ंगी ने अपने ट्वीट में लिखा- कई सालों बाद आज असहजता, दांव पेंच, आपसी ईर्ष्या, बेहद निम्न स्तर की गुटबाज़ी, युवाओं के लिए नकारात्मकता और लगातार उनके खिलाफ साज़िशें, चापलूसी, जरूरतमंदो से जुड़े मुद्दों पर काम करने और मेहनत की जगह चंद जनाधार विहीन नेताओं का महिमामंडन, परिक्रमा कर आगे बढ़ने और मंच पर कुर्सी पकड़ने की मानसिकता जैसे बंधनों से मुक्त पहली सुबह की बात ही कुछ और है.

कुणाल ने भाजपा पर लगाए थे गंभीर आरोप

कुणाल ने अपने इस्तीफे में लिखा था कि जब मैंने प्रदेश के प्रवक्ता के पद से त्यागपत्र दिया था तो मुझे उम्मीद थी कि मेरे द्वारा रखे गए विषयों पर पार्टी संज्ञान लेगी लेकिन दुखद है कि स्थिति आज भी जस की तस है. मैं ऐसी कार्यप्रणाली से सहमत नहीं हूं और राजनीति में आने के मेरे मुख्य उद्देश्य के प्रति न्याय करने में असमर्थ हूं. पूर्वी सिंहभूम जिले की जनता के हित में यह आवश्यक है कि उनकी आवाज को जोरदार तरीके से बुलंद किया जाए, ताकि उनके समस्याओं का उचित समाधान हो सके जो कि वर्तमान की परिस्थिति में भाजपा में रह कर मुझे संभव प्रतीत नहीं होता है.

एदार-ए- शरिया का प्रतिनिधिमंडल मंत्री से मिला,न्याय की गुहार लगाई

कुतुबुद्दीन रिजवी के नेतृत्व में मिला मंत्री से, दिया ज्ञापन

संवाददाता। रांची

एदारे ए शरिया, झारखंड के नाजिमे आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन अंसारी से उनके आवास पर बुधवार को मिल कर झारखंड में बढ़ रही मॉबलिंचिंग को लेकर बातचीत की. मौके पर मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा कि सरकार कोडरमा और काटम कुली मामले पर नजर बनाए हुए हैं और लगातार कोडरमा एसपी और रांची एसपी से बात हो रही है. उन्होंने कहा कि इस मामले पर जल्द ही एक एसआईटी का गठन कर मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाएगा. झारखंड सरकार यह मामला सीआईडी को दे सकती है. मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी ने मंत्री से मांग की कि मॉब लिंचिंग के शिकार हुए मौलाना शहाबुद्दीन और अख्तर अंसारी के परिवार वालों को एक करोड़ की सहायता राशि दी जाए एवं उनके परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, साथ ही साथ पूरे राज्य में अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान किये जाए. मौके पर अकीलुररहमान, मो इस्लाम, अधिवक्ता मुमताज खान, आफताब आलम, डॉ मौलाना ताजुद्दीन, मौलाना मो फारुक मिसबाही, मौलाना आबिद फैजी, हाफिज अब्दुल्लाह खान, कारी अयूब, मो शमशाद, मौलाना जमील, शहर काजी मौलाना मसूद फरीदी, मजहर सिद्दीकी, नौशाद आलम आदि मौजूद थे.

अनुसंधानकर्ता से सरयू राय ने मांगी जानकारी, पूछा...

मेरा मोबाइल सेट लेकर क्या जानकारी हासिल करना चाहते हैं

संवाददाता। रांची

- अनुसंधानकर्ता भेजे गए नोटिस को स्पष्ट करें

कोविड प्रोत्साहन राशि घोटाला मामले में सरयू राय ने अनुसंधानकर्ता से यह जानकारी मांगी है कि आप मेरे मोबाइल सेट को प्राप्त करके क्या जानकारी हासिल करना चाहते हैं. मेरे तत्कालीन मोबाइल सेट से इस कांड के अनुसंधान में आपको क्या मदद मिलेगी. सरयू राय ने कहा कि अनुसंधानकर्ता द्वारा उन्हें दी गई नोटिस अस्पष्ट है और अनुसंधानकर्ता को इसे स्पष्ट करना चाहिए.

क्या है मामला : कोविड प्रोत्साहन राशि घोटाला के मामले में स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की भूमिका की जांच करने के लिए विधायक सरयू राय द्वारा की गई मांग के संबंध में झारखण्ड सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा डोरण्डा थाना कांड संख्या- 105/2022 के अनुसंधान के संदर्भ में मामला दर्ज कराया था. अनुसंधानकर्ता ने विधायक सरयू राय से उनके द्वारा मार्च-अप्रैल-2022 में उपयोग में लाये गए मोबाइल सेट को उपलब्ध कराने के बारे में भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-91 के अधीन अनुसंधानकर्ता ने नोटिस जारी किया है.

नई शुरुआत सबसे पहले स्कूल स्तर पर 16 जुलाई से होगी प्रतियोगिता

सीबीएसई स्कूलों में होगी स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता

पियूष गौतम। रांची

वीडियो अपलोड करने से पहले माता-पिता से लेनी होगी अनुमति

मूल्यांकन मानदंड रचनात्मकता, प्रवाह, कंटेंट डिलीवरी और अभिव्यक्ति के आधार पर होंगे. आखिर में प्रतियेगिता के विजेताओं को ऑनलाइन मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा. स्कूल अपने छात्रों के वीडियो सीबीएसई स्टोरी टेलिंग ऐप के माध्यम से अपलोड कर सकते हैं. स्टोरी टेलिंग वीडियो अपलोड करने से पहले स्कूलों को उन छात्रों के माता-पिता या अभिभावकों से सहमति पत्र प्राप्त करना होगा, जिनके वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं.

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) देशभर के स्कूलों में स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है. इस प्रतियोगिता में छात्रों को दो से चार मिनट का वीडियो बनाकर कहानी सुनानी होगी. सीबीएसई द्वारा निर्धारित लगभग 20 विषयों के किसी भी टॉपिक को छात्र अपनी रुचि के अनुसान चुन कर उस टॉपिक पर वीडियो बना सकते हैं. प्रतियोगिता तीन चरणों में होगी, हर चरण के लिए चार अलग-अलग कैटेगरी से विजेता चुने जाएंगे. प्रतियोगिता के लिए कक्षा 3 से 12वीं कक्षा को चार कैटेगरी में बांटा गया है. पहली कैटेगरी में तीसरी से पांचवीं कक्षा, दूसरी कैटेगरी में छठी से आठवीं कक्षा, तीसरी कैटेगरी में कक्षा 9 व 10 और चौथी कैटेगरी में ग्यारहवीं व बारहवीं के विद्यार्थी प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे.

तीन स्तर पर होगा प्रतियोगिता का आयोजन : प्रतियोगिता का आयोजन तीन स्तर पर, स्कूल, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय लेवल पर किया जाएगा. इन तीनों स्तर की परीक्षा में सफल होनेवाले विद्यार्थी विजेता बनेंगे. सबसे पहले स्कूल स्तर पर 16 जुलाई से 13 अगस्त तक प्रतियोगिता होगी, सभी चार श्रेणियों के लिए प्रतियोगिता होगी और क्षेत्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए हर श्रेणी में एक सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टि का चयन किया जाएगा. वहीं क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता 13 अगस्त से 27 अगस्त तक सीबीएसई की स्टोरीटेलिंग ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से आयोजित की जाएगी. क्षेत्रीय स्तर पर हर श्रेणी की एक सर्वश्रेष्ठ कहानी का चयन हर सीबीएसई क्षेत्र से किया जाएगा. इसके बाद चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों का राष्ट्रीय स्तर पर विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा डिजिटली मूल्यांकन किया जाएगा.

क्लासिफाइड

तापमान
32.2° अधिकतम | 25.0° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 11 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 06 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 93 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कचरे से तैयार हो रहा खाद और आरडीएफ

झिरी से 7.20 लाख मीट्रिक टन कचरा किया गया साफ

आकर्ष अनिकेत। रांची

शहर के लगभग 2.40 लाख घरों से निकलनेवाले 515 मीट्रिक टन कचरे को नगर निगम द्वारा झिरी में डंप किया जाता है. लगातार 25 वर्षों से झिरी में कचरा डंप किये जाने के कारण 33 एकड़ भूखंड पर 18 लाख मीट्रिक टन कचरा पहाड़ के रूप में जमा हो चुका था. निगम ने 24 महीने के अंदर कचरे के पहाड़ को ग्रीन लैंड में तब्दील करने का लक्ष्य तय किया था और कचरा निस्तारण की जिम्मेवारी गुरु रामदास कंस्ट्रक्शन कंपनी को सौंपी थी. कंपनी द्वारा झिरी में प्लांट लगा कर बायोरेमेडिएशन तकनीक से कचरे की सफाई इस साल फरवरी में शुरू की गयी थी. अब तक 40% (7,20,000 मीट्रिक टन) कचरे का निस्तारण किया जा चुका है. बता दें कि कचरे के पहाड़ को साफ करने के लिए निगम 93 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है.

- 25 वर्षों से 33 एकड़ भूखंड पर 18 लाख मीट्रिक टन कचरा पहाड़ के रूप में जमा था
- बायोरेमेडिएशन तकनीक से शुरू हुई सफाई, फरवरी से अबतक 40% कचरे का निष्पादन

कचरे से खाद व रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल तैयार किया जा रहा : कंपनी द्वारा कचरे के पहाड़ को खत्म कर खाद व रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) में बदला जा रहा है. पहले जमा कचरे के ढेर को पोकलेन से निकाल कर इकट्ठा किया जाता है, फिर कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से इसे अलग-अलग किया जाता है. इसमें जो खाद बननेवाली सामग्री निकलती है, उससे खाद बनाया जा रहा है. वहीं सूखा व ठोस कचरा को प्रोसेस्ड कर आरडीएफ में बदला जा रहा है. रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल का उपयोग सीमेंट कंपनियों में किया जाता है.

झीरी में कचरा निस्तारण प्लांट की शुरूआत के समय निरीक्षण करते नगर प्रशासक अमित कुमार (फाइल फोटो).

गेल का एक प्लांट शुरू हुआ, दूसरा प्लांट भी शीघ्र चालू होगा

राजधानी से शहरी क्षेत्र से निकलनेवाले कचरे से गैस का उत्पादन भी किया जाना है. कचरे से गैस उत्पादन के लिए गेल ने एक प्लांट की स्थापना कर दी है और ट्रायल के तौर पर इसे शुरू भी कर दिया गया है. गेल द्वारा झिरी में एक और प्लांट लगाया जा रहा है, जिसका काम लगभग अंतिम चरण में है. कचरे से गैस उत्पादन के लिए गेल को हर दिन 150 टन गीला कचरा की जरूरत है. हालांकि गेल ने अपना एक प्लांट शुरू तो कर दिया है, लेकिन उसे क्षमता के अनुसार 150 गीला कचरा फिलहाल नहीं मिल पा रहा है. दोनों प्लांट पूरा तरह से चालू होने पर 300 टीन गीला कचरा की जरूरत होगी.

गीले कचरे से तैयार गैस घरों की रसोई तक पहुंचेगी

गेल द्वारा लगाये प्लांट से उत्पादित गैस की सप्लाई गेल कंपनी की ओर से पाइपलाइन के जरिए घरों तक की जाएगी. गेल द्वारा गैस पाइपलाइन बिछाने का काम शहरी क्षेत्र में चल रहा है. जैसे ही झिरी के दोनों प्लांट से गैस का उत्पादन पूरी तरह से शुरू होगा, वैसे ही गैस की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी. वैसे फिलहाल जिस् एक प्लांट से गैस का उत्पादन शुरू हुआ है, उसे सप्लाई नहीं किया जा रहा है. प्लांट को ट्रायल के तौर पर चालू किया गया है,

कचरा अलग करने के लिए किया जा रहा है जागरूक

नगर निगम गीला व सूखा कचरा अलग करने के लिए लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है. गीला व सूखा अलग-अलग डस्टबिन में डालने की अपील की जा रही है. घरों से कचरा उठाने जा रहे सफाई कर्मी भी गीला-सूखा कचरा अलग रखने के लिए लोगों से कह रहे हैं.

2025 के अंत तक कचरे के पहाड़ को हटाने का लक्ष्य

झिरी से कचरे के पहाड़ को समाप्त करने में दो साल का समय लगेगा. 2025 के अंत तक कचरे के पहाड़ को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया. हालांकि पांच महीनों में लगभग 40 प्रतिशत कचरे को हटा दिया गया है. बाकी को डेढ़ साल के दौरान 60 % कचरे का निस्तारण किया जाना है.

आसपास रहने वाले लोगों को होती थी काफी परेशानी

झिरी में फैले कचरे के पहाड़ के कारण आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था. आसपास के पांच किलोमीटर केदायरे में कचरे से उठनेवाली बदबू और मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया था. लोग बिस्तर के साथ-साथ खिड़की-दरवाजे पर भी मच्छदानी टांगने के लिए मजबूर थे. बारिश के मौसम में कचरे का पहाड़ गीला होने पर दुर्गंध दूर-दूर तक फैल जाता था. झिरी में रहने वाले लोगों ने बताया कि पहले से काफी राहत मिली है. पहले हमें दिन में ही मच्छरदानी लगा कर बैठना पड़ता था. खाना तक मच्छरदानी के अंदर ही खाना पड़ता था] पर अब थोड़ी राहत है. तेज उठती दुर्गंध से भी काफी हद तक राहत मिली है.

ब्रीफ खबरें

सीएम कल पीजीटी टीचर को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

रांची। सीएम हेमंत सोरेन 12 जुलाई को पीजीटी टीचरों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. नियुक्ति पत्र वितरण समारोह दोपहर 12-30 बजे धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में शुरू होगा. इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रामेश्वर उरांव और सत्यानंद भोक्ता भी मौजूद रहेंगे. बताते चलें कि नियुक्ति पत्र वितरण समारोह तीन जुलाई को होना था, लेकिन तीन जुलाई को पूर्व सीएम चंपाई सोरेन से इस्तीफा दे दिया था. नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में गणित, इतिहास, हिंदी, अर्थशास्त्र, संस्कृत, अंग्रेजी और वाणिज्य के टीचरों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा.

सदर अस्पताल के कैंसर वार्ड में 500 कीमोथेरेपी

रांची। सदर अस्पताल, रांची के कैंसर वार्ड में बुधवार को 500 कीमोथेरेपी पूरा हो गए. इस उपलब्धि पर कैंसर वार्ड के चिकित्सकों व नर्सिंग स्टाफ ने केक काटा. बता दें कि करीब आठ महीने पहले सदर अस्पताल, रांची में कैंसर विभाग शुरू हुआ था. यहां इलाजरत मरीजों में मुख्य रूप से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर, माउथ कैंसर, बच्चों और वृद्धों में ब्लड कैंसर, पेट का कैंसर और ब्लड कैंसर के मरीजों को कीमोथेरेपी दी जा रही है. इन सभी मरीजों आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क कीमोथेरेपी की सुविधा दी जा रही है. सदर अस्पताल, रांची में अभी तक ओपीडी के माध्यम से करीब 1000 मरीजों को देखा जा चुका है. यहां झारखंड के अलग-अलग जिलों से और दूसरे राज्यों से भी एक दिन में 15 से 20 कैंसर के मरीज ओपीडी में आ रहे हैं.

छात्रवृत्ति भुगतान को लेकर शिकायत पर एक्शन में सीएम हेमंत सोरेन

छात्रवृत्ति का जल्द करें भुगतान

प्रमुख संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन पूरी तरह से एक्शन में हैं. बुधवार को बीएड के छात्र संजय कुमार महतो ने 'एक्स' पर सीएम को टैग करते हुए लिखा कि दो साल से छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं हुआ है, जबकि भुगतान के लिए वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है. सरायकेला का रहने वाला संजय बीएड के शैक्षणिक सत्र 2019-21 का छात्र था. संजय ने आगे लिखा कि इसी सरायकेला कॉलेज में पढ़ाई करने वाले रांची जिले के छात्रों को दोनों सत्र के लिए छात्रवृत्ति के रूप में 20 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है.

संजय के पोस्ट पर सीएम ने तुरंत लिया संज्ञान : संजय के इस पोस्ट के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने तुरंत संज्ञान लिया. उन्होंने विभागीय मंत्री दीपक बिरूआ को कहा कि इस मामले की निपटारा शीघ्र करें. इसके बाद दीपक बिरूआ ने शिकायतकर्ता से तुरंत आवेदन नंबर शेयर करने को कहा. साथ ही सरयकेला के जिला कल्याण पदाधिकारी से 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा. साथ ही यह भी बताने को कहा कि किस कारण से छात्रवृत्ति का भुगतान लंबित रहा. ट्राइबल वेलफेयर कमिश्नर अजय नाथ झा को इसकी मॉनिटरिंग कर 24 घंटे के अंदर वस्तुस्थिति से अवगत कराने को कहा है. बताते चलें कि सीएंम हेमंत सोरेन एक बार फिर से एक्स पर पूरी तरह से एक्टिव हैं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले फरियादी, मिला भरोसा

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को उनके कांके रोड स्थित आवासीय कार्यालय में विभिन्न स्थानों से आए लोगों ने मुलाकात की. लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को कराया. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आपकी सरकार है. हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ जनता के हित में लगातार कार्य करती आ रही है. उन्होंने लोगों को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं का यथोचित एवं त्वरित समाधान होगा. इस दौरान हेमंत सोरेन को पुनः मुख्यमंत्री का दायित्व संभालने पर लोगों ने बधाई भी दी.

सीएम हेमंत सोरेन से मिलतीं महिला फरियादी.

काम शुरू

- विभागीय मंत्री रेस अफसरों से 24 घंटे के अंदर मांगा जवाब
- अफसरों से पूछा- किस कारण छात्रवृत्ति भुगतान लंबित रहा
- सरायकेला के छात्र ने 'एक्स' पर सीएम को टैग कर की थी शिकायत

एक जुलाई से ही 200 यूनिट फ्री बिजली की सौगात

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार की अति महत्वाकांक्षी स्कीम 200 यूनिट फ्री बिजली की गणना एक जुलाई से होगी. यानी कि एक जुलाई से उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलना शुरू हो गया है. इसको लेकर ऊर्जा विभाग ने संकल्प जारी कर दिया है.

जारी संकल्प में कहा गया है कि राज्य में 45,77,616 है. इनमें 41,44,634 उपभोक्ता ऐसे हैं, जो 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली के दायरे में आएंगे. इसके कारण राज्य सरकार पर हर महीने 344.36 करोड़ का वित्तीय बोझ पढ़ेगा. सरकार यह राशि जेबीवीएनएल को सब्सिडी के तौर पर देगी. बता दें कि बीते 28 जून को तत्कालीन चंपाई सरकार ने कैबिनेट की बैठक में यह फैसला हुआ था, जिसे हेमंत सरकार ने तत्काल प्रभाव से लागू किया है.

200 से 400 यूनिट तक मिलती रहेगी सब्सिडी

राज्य सरकार द्वारा पूर्व से जारी 200 से 400 यूनिट तक बिजली का उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं को पूर्व से मिलने वाली सब्सिडी मिलती रहेगी. 400 यूनिट से ऊपर बिजली उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं को कोई छूट नहीं मिलेगी. वर्तमान में 201 से 400 यूनिट बिजली उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं को 2.05 रुपये प्रति यूनिट की दर से सब्सिडी दी जा रही है, जो आगे भी जारी रहेगी.

ग्रामीण व शहरी उपभोक्ता दोनों उठा सकेंगे लाभ : शहरी या ग्रामीण क्षेत्र के वैसे सभी उपभोक्ता जो 200 यूनिट तक बिजली खपत करते हैं, उन्हें मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा. रांची जिले में ऐसे पांच लाख 36 हजार 564 घरेलू उपभोक्ता हैं. इनमें 4.33 लाख उपभोक्ता हर माह लगभग 200 यूनिट तक बिजली का इस्तेमाल करते हैं. इन्हें फ्री बिजली का लाभ मिलेगा.

जमीन कारोबारी कमलेश पर ईडी का शिकंजा

ईडी की टीम ने कांके रिसोर्ट और ब्लॉक में छापेमारी की

कांके रिसोर्ट के बाहर ईडी टीम की कार और ब्लॉक में जांच करते अधिकारी.

संवाददाता। रांची

जमीन कारोबारी कमलेश से जुड़े मामले में ईडी की टीम जांच के लिए बुधवार को कांके अंचल के चामा गांव पहुंची. यहां ग्रामीणों से पूछताछ की. इसके बाद ईडी की टीम ने 10 गाड़ियों पर सवार होकर कांके रिसॉर्ट और कांके ब्लॉक पहुंची. दरअसल, ईडी को जमीन का नेचर बदल कर बेचे जाने की शिकायत मिली है, जिसके बाद छापेमारी की गयी है.

गौरतलब है कि 21 जून को ईडी ने कमलेश के ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस दौरान कांके रोड में चांदनी चौक स्थित फ्लैट से एक करोड़ रुपये नकद और 100 कारतूस बरामद हुए थे. इस मामले में ईडी ने डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा था, जिसके बाद रांची के कांके थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला भी दर्ज हुआ था. जमीन खरीद-बिक्री में फर्जीवाड़ा के मामले में ईडी ने कमलेश को समन भेज कर 28 जून को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुआ. इसके बाद ईडी ने दोबारा समन भेज कर उसे 12 जुलाई को पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा है.

खास बातें

- कमलेश से जुड़े मामले में चामा गांव भी पहुंची थी टीम
- ग्रामीणों से पूछताछ के बाद ब्लॉक व रिसॉर्ट में की जांच

शेखर कुशवाहा के बयान पर शुरू हुई थी कार्रवाई

फर्जी दस्तावेज बना कर जमीन हड़पने वाले सिंडिकेट से जुड़े शेखर कुशवाहा ने बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कांके इलाके में कई जगहों पर कमलेश कुमार द्वारा जमीन के फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन हड़पने की जानकारी दी थी. मामला सामने आने के बाद ईडी ने समन कर कमलेश कुमार को रांची जोनल ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन, ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं होकर कमलेश फरार हो गया था. इसी के बाद ईडी ने उसके चांदनी चौक स्थित फ्लैट और चेशायर होम स्थित ठिकाने पर छापेमारी की थी. यहां से एजेंसी ने जमीन से जुड़े दस्तावेज व कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किये थे.

मां की मौत के बाद डिप्रेशन में रह रही बेटी ने की आत्महत्या

संवाददाता। रांची

जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के रिवर साइड हटिया में एक 34 साल की युवती ने फांसी लगा कर बुधवार को आत्महत्या कर ली. मृतक युवती का नाम भूमि बोरा है. उसके पिता जीतन बोरा ने बताया कि छह माह पहले ही उसकी मां को मौत हुई थी. मां कैंसर से पीड़ित थी. उसका मां से काफी लगाव था. मां की मौत के बाद भूमि डिप्रेशन में रहने लगी थी. मंगलवार की रात वह खाना खाकर अपने कमरे में गई. सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं आई, तो वे उसके कमरे में गए तो देखा कि भूमि फंदे से लटक रही है. इनके बाद आसपास के लोग भी उनके घर पहुंच गए. भूमि को फंदे से उतारा गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी. घटना की जानकारी जगन्नाथपुर थाना को भी दी गई. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया. भूमि के पिता के बयान पर पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया है.

भूमि बोरा (फाइल फोटो).

रेलवे टिकट की कालाबाजारी करते एक गिरफ्तार

रांची। आरपीएफ ने डोरंडा के काजल स्टूडियो में छापेमारी कर दुकान के संचालक मो इस्तेशाम अंसारी को बुधवार को गिरफ्तार किया. इसके पास से नौ ई-टिकट बरामद किए गए हैं. बरामद टिकट का मूल्य 9,600 रुपये है. आरपीएफ रांची के निरीक्षक दिगंजय शर्मा ने बताया कि रांची मंडल ने आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर रेलवे टिकटों की कालाबाजारी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इस क्रम में पर डोरंडा के काजल स्टूडियो में छापेमारी की गयी. इस दौरान ई-टिकट बरामद किया गया. उपनिरीक्षक अश्विनी कुमार ने सभी टिकटों को ज़ब्त कर लिया.

सब्जियों पर महंगाई की मार, लोगों की थाली से दूर हुई

टमाटर हुआ लाल, रुलाने लगा है प्याज, अब आलू भी रसोई घर से दूर होता जा रहा

रेहान अहमद। रांची

राजधानी के बाजार में इन दिनों सब्जी के भाव की बेतहाशा वृद्धि हुई है. इसका मुख्य सब्जियों की आवक कम होना और बारिश का मौसम बताया जा रहा है. आम हो या खास आलू व प्याज रसोई घर की जान होती है. घर में सबसे अधिक खपत होने वाली सब्जियों में दोनों प्रमुख है. लेकिन, आलू व प्यास पर भी महंगाई की मार पड़ी है. सब्जियों पर महंगाई की मार इस कदर पड़ी हैं कि फ्रेंच बीच तिहरा शतक पार कर चुकी है. वहीं शिमला मिर्च सेंचुरी और फूल गोभी व टमाटर हॉफ सेंचुरी पार कर चुकी है. फ्रेंचबीन 260 से 320 रुपये प्रति किलो, शिमला मिर्च 120, फूल गोभी 80 और टमाटर 60 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही हैं.

टमाटर बंगलुरु से और फ्रेंचबीन दिल्ली से आ रहा है : मेन रोड डेली मार्केट के सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि टमाटर बंगलुरु से और फूल गोभी व फ्रेंचबीन दिल्ली से आ रहा है. अभी स्थानीय स्तर पर इन सब्जियों की आवक बहुत कम है, इसलिए इनके भाव बढ़ गए हैं. जब झारखंड में पैदावार बढ़ेगी, तभी जाकर सब्जियों के भाव में गिरावट आएगी. अभी तो हमलोग ही बाहर से महंगा ला रहे हैं, इसलिए महंगा बेचना पड़ रहा है.

- फ्रेंचबीन 320 और शिमला मिर्च 120 रुपये प्रति किलो बिक रहा
- फूल गोभी का भाव 80 और टमाटर 60 रुपये प्रति किलो पहुंचा

कई राज्यों में बारिश से सब्जी की आवक कम

सब्जी दुकानदार दीपक साव ने बताया कि कई राज्यों में भीषण बारिश के कारण सब्जी की आवक कम हो गई है. लोकल सब्जियां भी ज्यादा नहीं आ रही हैं, जिसके कारण सब्जियों के दामों में बढ़ोतरी हुई है. महंगाई के कारण ग्राहक भी कम सब्जी खरीद रहे हैं. एक अन्य सब्जी दुकानदार मनोज ने बताया कि कई लोग आते हैं और दाम पूछ कर सब्जी खरीदे बगैर चले जाते हैं.

डेली मार्केट सब्जी बाजार

सब्जी	प्रति किलो दर (रुपये में)	एक माह पूर्व का दर (रुपये में)
फ्रेंच बीन	260	100
शिमला मिर्च	120	60
बोदी	50	30
टमाटर	60	50
फूल गोभी	80	50
मूली	40	15
भिंडी	50	20
बंधा गोभी	30	20
खीरा	40	20
गाजर	40	20
लाल साग	20	15
पालक साग	40	20
पोय साग	10	05
कद्दू	15	10
प्याज	38	35
सफेद आलू	30	25
लाल आलू	35	30
लहसुन	170	100
अदरक	180	160
परवल	50	40
कच्चु	50	30
करेला	50	40
कच्चा केला	50	40

लालपुर सब्जी बाजार

सब्जी	प्रति किलो दर (रुपये में)	एक माह पूर्व का दर (रुपये में)
फ्रेंचबीन	320	100
फूल गोभी	70	50
टमाटर	50	45
बोदी	40	30
भिंडी	40	40
करेला	40	40
परवल	40	40
नेनुवा	30	25
कद्दू	15	10
आलू सफेद	35	30
लाल बड़ा आलू	40	35
प्याज	45	35
बंधा गोभी	30	20
झिंगी	30	20

गृहणियों के रसोई का बजट बिगड़ा : टमाटर हो या धनियां, इनके दाम दहाई के आंकड़े को पार कर गये हैं. गृहणियों की रसोई का बजट बिगड़ गया है. पहले जहां थैले में सब्जी आती थी, अब पॉलीथीन में आ रही है. एक गृहिणी बाजार से धनिया पत्ता और टमाटर खरीदने गई थी. दोनों सब्जियों के दाम सुनते ही कान खड़े हो गए.

मोरहाबादी सब्जी बाजार

सब्जी	प्रति किलो दर (रुपये में)	एक माह पूर्व का दर (रुपये में)
कद्दू	30	20
नेनुवा	30	25
भिंडी	30	20
लाल आलू	35	20
सफेद आलू	30	15
प्याज	40	30
बंधा गोभी	40	20
करेला	40	20
धनिया पत्ता	200	80
बड़ा टमाटर	60	40
बोदी	60	40
फ्रेंच बीन	260	120
बैगन	60	20
फूल गोभी	100	40
कोहड़ा	30	30
शिमला मिर्च	120	80
बैगन	40	25
गाजर	35	20
लहसुन	200	140
परवल	40	25
पालक साग	50	20
मूली	30	15
झिंगी	60	30

शहर में आज

1. रथ मेला, जगन्नाथपुर में सुबह से शाम तक
2. आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम, कई प्रखंडों में दिन के 10 बजे से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

संत अन्ना प्रोविंशियल हाउस में हुई चोरी

रांची। लालपुर थाना क्षेत्र के प्रोविंशियल हाउस से मंगलवार की रात चोर एक मोबाइल चोरी कर फरार हो गये. इस घटना को लेकर पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की ने कहा, इन दिनों चोरों ने लालपुर और बर्दवान कंपाउंड इलाके में आतंक मचा रखा है. उन्होंने वरीय पुलिस अधिकारियों से इस ओर ध्यान देने का आग्रह किया है. कहा कि इन इलाकों में आये दिन चोरी की वारदातें हो रही हैं, जिससे लोगों में भय व्याप्त है. डर का कारण ये है कि आजकल चोर घातक हथियारों से लैस रहते हैं. रतन तिर्की ने मांग की कि रात के समय इन इलाकों में गश्त बढ़ायी जाए.

हमले के आरोपित की जमानत हुई खारिज

रांची। न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने बुधवार को डायन कहकर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपित महिला करुणा देवी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी. आरोपित महिला सोनाहातू थाना क्षेत्र अंतर्गत लान्दुपडीह गांव निवासी फणिभूषण महतो की पत्नी है. पैरवीकार अधिवक्ता मृत्युंजय प्रसाद ने बताया कि पिछले 27 मई को लान्दुपडीह गांव की एक विधवा वृद्ध महिला करुणा देवी, पति चित्तरंजन महतो को घर के पीछे गोबर लीपने के दौरान गांव की ही करुणा देवी ने गाली गलौज करते हुए पत्थर से सिर और चेहरा में कुचल कर बुरी तरह से घायल कर दिया था.

मनरेगा कर्मियों ने दिया एकदिनी धरना

रांची। झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के बैनर तले रांची जिला के मनरेगा कर्मियों ने बुधवार को राजभवन के समीप एक दिवसीय धरना दिया. इस दौरान मृत मनरेगा साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित की. संघ के जिलाध्यक्ष संजय प्रमाणिक ने कहा कि 18 जुलाई से 20 जुलाई तक राज्य के सभी मनरेगा कर्मी सांकेतिक हड़ताल करेंगे. अगर साकारात्मक पहल नहीं की गयी तो 22 जुलाई से बेमियादी हड़ताल की जाएगी.16 साल से प्रखंड में काम कर रहे हैं. लेकिन अबतक स्थायीकरण नहीं किया गया है, जबकि ये गांवों में ग्रामीणों को सरकार की योजना से जोड़ते हैं.

देवघर बाबाधाम में श्रावणी मेला 21 से

रांची। देवघर में 21 जुलाई से बाबाधाम में मेला शुरू हो जाएगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से हो रही है. इसके मद्देनजर ऊर्जा विभाग ने भी तैयारी शुरू कर दी है. ऊर्जा विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है, जिसमें ऊर्जा विभाग की ओर से अभियंताओं की एक टीम श्रावणी मेला में नियुक्त की गयी है. ऊर्जा विभाग की ओर से बहाल ये टीम मेला से पूर्व विद्युत उपकरणों का जायजा लेगी. साथ ही मेला के दौरान विद्युत सज्जा और उपकरणों की निगरानी करेगी. इसके लिए उर्जा विभाग की ओर से वासुकीनाथ में भी अभियंताओं की बहाली की गयी है.

अरवा राजकमल ने स्मार्ट सिटी में अपोलो अस्पताल का शिलान्यास जल्द कराने का निर्देश

कांटाटोली फ्लाई ओवर को अगस्त के तीसरे हफ्ते तक चालू करें: सचिव

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर मुख्यमंत्री के सचिव तथा नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने विभाग के अधिकारियों, जुडको और स्मार्ट सिटी के महाप्रबंधक के साथ बैठक की. बैठक बुधवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित सचिव कक्ष में आयोजित की गयी. बैठक के बाद सचिव राजकमल ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जुडको के वरीय पदाधिकारियों को आगामी अगस्त माह के तीसरे सप्ताह तक उद्घाटन करा कर आम जनता के आवागमन के लिए खोल देने का आदेश दिया गया है.

प्रोजेक्ट भवन स्थित सचिव कक्ष में आयोजित की गयी बैठक.

फाइव स्टार होटल ताज के लिए शीघ्र एमओयू करने का आदेश

फ्लाई ओवर पर ट्रैफिक सिग्नल के लिए शुरू करें सीमांकन कार्य

कांटाटोली फ्लाई ओवर में बस एक ही स्पैन का काम बाकी रह गया है. यह फ्लाई ओवर प्रीकास्ट सेगमेंटल प्रणाली से बन रहा है. 486 सेगमेंट में 471 सेगमेंट चढ गया है. शेष 15 सेगमेंट भी जल्द चढ जाएगा. 15 सेगमेंट का एक स्पैन होता है. 43 में से 42 स्पैन का काम पूरा हो गया है. सचिव ने फ्लाई ओवर पर ट्रैफिक सिग्नल के लिए सीमांकन का काम शुरू करने का भी निर्देश दिया.

स्मार्ट सिटी में शेष बची जमीनों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाए

सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री सोरेन के निर्देश पर स्मार्ट सिटी के महाप्रबंधक राकेश नंदकुलियार को अपोलो अस्पताल का शिलान्यास जल्द कराने का निर्देश दिया गया है. यह अस्पताल सुपर हास्पिलियटी होगा. इसके अलावा स्मार्ट सिटी में फाइव स्टार होटल ताज ग्रुप के लिए आवंटित भूमि पर निर्माण एवं अन्य प्रक्रिया शुरू करने के लिए जल्द एमओयू करने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी में जितनी भी योग्य जमीन खाली है, उसकी नीलामी की प्रक्रिया जल्द शुरू कर आवंटन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा गया. साथ ही स्मार्ट सिटी के अंतर्गत आने वाली भूमि से संबंधित एचईसी के साथ जो भी समस्या है उसका समाधान भी जल्द किया जाए. अगर जरूरत हो, तो भूमि के आकार में बदलाव भी किया जा सकता है.

रिक्त पदों को भरने और पद सृजन का निर्देश

बैठक में नगर निकायों में रिक्त पदों को भरने और पद सृजन करने का भी निर्देश दिया गया. कई नगर निकायों मं नगर आयुक्त का पद नहीं है, वहां नगर आयुक्त का पद सृजित किया जाए. अपर नगर आयुक्त और टाउन प्लानर के रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए. बैठक में अपर सचिव ज्ञानेंद्र कुमार, अपर सचिव मनोहर मरांडी, उप सचिव ज्योत्सना सिंह, स्मार्ट सिटी के महाप्रबंधक राकेश नंदकुलियार आदि उपस्थित थे.

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत खास तौर से लेंगे हिस्सा

संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक कल से

संवाददाता। रांची

सरला बिरला विश्वविद्यालय में 11 जुलाई से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक शुरू होगी. इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत खास तौर से हिस्सा लेंगे. संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि मई-जून में हुए आरएसएस के प्रशिक्षण शिविरों के बाद प्रांत प्रचारकों की वार्षिक बैठक हो रही है. इसमें प्रशिक्षण शिविरों की रिपोर्ट और समीक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया जायेगा. समाज के सभी वर्गो को साथ लेकर देश हित की कार्ययोजना बनायी जायेगी. संगठन के विस्तार और शताब्दी वर्ष समारोह सहित कई मुद्दों पर भी चर्चा होगी.

उन्होंने बताया कि संघ की 73,000 शाखाएं संचालित हो रही है, इसे देश के सभी मंडलों में एक लाख तक ले जाने का लक्ष्य है. सामाजिक और धार्मिक संगठनों को साथ लेकर नगरों में बस्ती तक संघ की सेवा पहुंचायी जायेगी. उन्होंने बताया कि नए खेलों का निर्माण किया गया है, इसे सभी शाखाओं में प्रारंभ किया जायेगा. प्रांत प्रचारक पूर्ण रूप से आरएसएस कार्यकर्ता होते हैं, जो इसके 46 'प्रांतों' या संगठनात्मक प्रांतों के प्रभारी होते हैं. बैठक में देशभर से आये प्रचारक अन्य विषयों के अलावा आने वाले वर्ष के लिए योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा करेंगे. 2024-25 के लिए सरसंघचालक की प्रवास और यात्रा योजना की रूपरेखा तय की जाएगी. साथ ही आरएसएस के शताब्दी वर्ष (2025-26) को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया जायेगा. आम्बेकर ने बताया कि शताब्दी वर्ष के कार्य विस्तार की योजना को पूरा करने के लिए 3000 कार्यकर्ता दो वर्षो तक समय देंगे. दिल्ली से सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र कुमार ठाकुर, चंडीगढ़ से प्रदीप जोशी और उत्तर पूर्व क्षेत्र के संघ चालक देवव्रत पाहन भी मौके पर मौजूद थे.

आरएसएस के विस्तार, शताब्दी वर्ष सहित कई मुद्दों पर होगी चर्चा

पत्रकारों से बातचीत करते संघ पदाधिकारी सुनील आम्बेकर व अन्य.

बैठक में सभी पदाधिकारी निभायेंगे भागीदारी

अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल, सीआर मुकुंदा, अरुण कुमार, राम दत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये सहित अखिल भारतीय कार्यसमिति के सभी सदस्य, प्रचारक प्रमुख, क्षेत्र प्रचारक और सभी प्रांत प्रचारक भी मुख्य रूप से भागीदारी निभाएंगे.

18 तक रांची में प्रवास करेंगे संघ प्रमुख भागवत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत रांची में 18 जुलाई तक प्रवास करेंगे. इस बीच संघ की विचारधारा वाले संगठनों के लगभग 250 सदस्यों के साथ वे बैठक करेंगे.सुनील आम्बेकर ने बताया कि बुधवार को संघ की प्रांत प्रचारक बैठक से पहले बुधवार को अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक हुई. 11 जुलाई को भी बैठक होगी, इसमें अखिल भारतीय कार्यकारिणी के साथ क्षेत्र के प्रचारक भी हिस्सा लेंगे.

चैंबर और लघु उद्योग भारती की संयुक्त बैठक में संगठन मंत्री ने कहा

भारत में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं, धरातल पर दिख रहा असर

खास बातें

- बैठक में विभिन्न समस्याओं व चुनौतियों को रखा गया
- मूल रूप से झारखंड से जुड़े मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ

चैंबर भवन में आयोजित बैठक में मौजूद पदाधिकारी.

संवाददाता। रांची

लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद के रांची आगमन पर बुधवार को चैंबर भवन में लघु उद्योग भारती और झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की संयुक्त बैठक हुई. बैठक में शामिल उद्यमी प्रतिनिधियों ने विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों को सभा के समक्ष रखा. मूल रूप से झारखंड से जुड़े मुद्दों की चर्चा हुई यथा- उद्योग व्यापार के लिये भूमि की अनुपलब्धता, एसटी-एससी भूमि के औद्योगिक उपयोग में आनेवाली बाधा, बैंकों द्वारा वित्तिय पोषण में उदासीनता एवं कानून व्यवस्था की लचर स्थिति पर विशेष जोर दिया गया. उद्यमियों ने उद्योग से जुडे. कानून और नियमों को सरल बनाने, सूक्ष्म उद्यमियों के वित्तिय पोषण को सरल बनाने जैसे विषयों की चर्चा की. इसके अलावा ईज ऑफ डूईंग बिजनेस को सरलीकृत करने, साइबर क्राइम के अनुसंधान के लिये झारखंड में बने फॉरेंसिक लैब को जीवंत बनाने, महिला उद्यमी के लिये स्टॉल आवंटन में लिये जानेवाले शुल्क को व्यवहारिक बनाने तथा विद्युत की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिष्चित करने के लिये सरकार से अनुरोध करने का आग्रह किया. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाने का आग्रह किया. महासचिव परेश गट्टानी ने मोटर पार्ट्स पर जीएसटी दर को कम करने को जरुरी बताया. संगठन मंत्री प्रकाश चंद ने भारत में सूक्ष्म एवं लघु उद्योग के प्राचीन काल से लेकर अद्यतन स्थिति पर प्रकाश डाला एवं वर्तमान व्यवस्था को अंग्रेजी शासन व्यवस्था से प्रभावित बताया, जिसके कारण भारत में सूक्ष्म एवं लघु उद्योग के विकास में संस्थागत बाधा बनी हुई है. उन्होंने विश्वास दिलाया कि आज भारत में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं और इसका असर धीरे धीरे धरातल पर भी दिख रहा है. उन्होंने झारखंड के स्थानीय उद्यमियों से आहवान किया कि वे आपस में मिलकर स्थानीय समस्याओं का समाधान करें तथा केंद्र सरकार से जुडे. मामलों को लघु उद्योग भारती के द्वारा संज्ञान में लायें. मौके पर चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, महासचिव परेश गट्टानी, सह सचिव शैलेष अग्रवाल, लघु उद्योग भारती के प्रांतीय अध्यक्ष विजय छापडिया, ललित केडिया, प्रकाश हेतमसरिया, सत्यदेव पांडे, अखिलेश्वर नारायण राय एवं महिला इकाई से सरिता पांडे, नीतू, सदस्य मनोज मिश्रा, संतोष अग्रवाल, अल्तमस आलम, किशन अग्रवाल, शषांक भारद्वाज आदि शामिल थे.

अबुआ आवास के लाभुकों को बालू उपलब्ध कराएगा विभाग : इरफान

मुख्य संवाददाता। रांची

ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने विभागीय अधिकारियों के साथ बुधवार को बैठक की. बैठक में ग्रामीणों को सरकारी योजना का सीधा लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया. मंत्री इरफान अंसारी ने विभागीय के अधिकारियों से कहा कि विकास की गति तेज करने में आपका अहम रोल है. ऐसे में विभाग इस बात का विशेष ख्याल रखे कि योजनाएं तय समय सीमा में पूरी हों. इसलिए हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए कि लोगों को योजनाओं का लाभ ससमय मिले.

मंत्री ने अबुआ आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इस योजना के लाभुक गरीब और जरूरतमंद होते हैं . ऐसे में न्यूनतम दर पर उन्हें आवास निर्माण के लिए बालू जैसी निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने की पहल करें. उन्होंने अबुआ आवास योजना के तहत पहले चरण में स्वीकृत किए गए 2 लाख आवास और इसकी पहली क़िस्त की राशि जारी होने के उपरांत आवास निर्माण के प्रगति की जानकारी ली और इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि लाभुकों के चयन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखें. बैठक में पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव विनय चौबे, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन, मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी, सीईओ जेएसएलपीएस संदीप सिंह, अपर सचिव शैलप्रभा कुजूर, संयुक्त सचिव अवध प्रसाद, अरुण कुमार सिंह सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

बैठक के दौरान ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्री डॉ. इरफान अंसारी व अन्य.

15वें वित्त आयोग की राशि का व्यय शत प्रतिशत सुनिश्चित करें : मंत्री इरफ़ान अंसारी ने पंचायती राज विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि राज्य के सभी पंचायत सचिवालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं. राज्य के सभी पंचायतों में अपना पंचायत भवन होनी चाहिए. सभी पंचायत सचिवालयों तक पहुंच पथ हो यह भी सुनिश्चित करें. सभी पंचायत सचिवालय पूर्णतः क्रियाशील हों, यह सुनिश्चित करें.15वें वित्त आयोग की राशि का व्यय शत प्रतिशत हो, इस निमित्त 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत सभी योजनाओं का संचालन ससमय पूरा करें. 15वें वित्त आयोग के तहत होने वाले कार्यों में तेजी लाएं.

ओपीएस में शामिल होने के लिए कर्मियों को दिया गया एक और अवसर

रांची। ओल्ड पेंशन स्कीम में शामिल होने के लिए सरकारी कर्मियों को सरकार ने एक और अवसर प्रदान किया है. सरकार ने वैसे कर्मी जो एनपीएस खाते से पैसा निकाल चुके हैं और सरकार के तय तिथि 31.12.2023 तक जमा नहीं कर सके, उसकी बाध्यता समाप्त कर दी और छूट प्रदान कर दी है. सरकार ने ऐसा करके वैसे कर्मियों को बड़ी राहत दी है जो एनपीएस से पैसा निकाल चुके मगर तय तिथि तक पैसा जमा नहीं कर सके. मिली जानकारी के अनुसार ऐसे कर्मियों की संख्या करीब डेढ़ लाख तक है. जो एनपीएस खाते से निकाले गए पैसे को सरकार के खाते में जमा नहीं कर पाए. यानि की अब वह किसी भी वक्त यह राशि जमा कराके ओल्ड पेंशन स्कीम का लाभ उठा सकते हैं. सरकार ने यह निर्णय 19 जुलाई को कैबिनेट में लिया था. इसको लेकर वित्त विभाग ने संकल्प जारी कर दिया है. मालूम हो कि पेंशन स्कीम के तहत दस प्रतिशत कर्मी और दस प्रतिशत सरकार वहन करती है. जो एनपीएस खाते में जमा होती है. जब ओल्ड और न्यू पेंशन स्कीम के बीच लेकर मसला चल रहा था तब कई कर्मी एनपीएस खाते से राशि निकाल चुके थे.

टी-शर्ट व टॉफी बांटने के मामले में पीई और ऑडिट रिपोर्ट मांगी

संवाददाता। रांची

खास बातें

- झारखंड हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार को दिया निर्देश
- सुनवाई के दौरान सरकार बोली-आर्थिक नुकसान नहीं

झारखंड हाई कोर्ट में राज्य की तत्कालीन रघुवर सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2016 में राज्य स्थापना दिवस पर टी-शर्ट और टॉफी बांटने से संबंधित पंकज कुमार की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई. मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से एंटी करप्शन ब्यूरो में दर्ज पीई (प्रारंभिक जांच) की रिपोर्ट और झारखंड के प्रधान महालेखाकार की ऑडिट रिपोर्ट मांगी है. सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि इस मामले में फाइनेंशियल लॉस नहीं हुआ है. इससे पूर्व याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने फरवरी 2022 में पीई दर्ज की थी. सरकार कहती है कि पीई जांच पूरा कर लिया गया है. ऐसे में इसे कोर्ट के समक्ष लाया जाना चाहिए. मामले की अगली सुनवाई 31 जुलाई को होगी.

वर्ष 2016 में स्थापना दिवस समारोह के पहले 13-14 नवंबर, 2016 को सरकारी स्कूली बच्चों को बांटने के लिए साढ़े तीन करोड़ की टी-शर्ट और 33 लाख रुपए की टॉफी खरीदी की गयी. इसके अगले दिन ही 15 नवंबर को राज्यभर के 10 हजार स्कूलों में बच्चों के बीच इसका वितरण कर दिया गया. याचिकाकर्ता ने याचिका दाखिल कर इस पर सवाल उठाया है.

याचिकाकर्ता का कहना है कि वर्ष 2016 में स्थापना दिवस समारोह के लिए 10 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे, जिसमें से साढ़े तीन करोड़ की टी शर्ट और 33 लाख रुपये से टॉफी खरीदी गयी थी. लल्ला इंटरप्राइजेज जमशेदपुर और कुदू फैबरिक्स को आपूर्ति का काम मिला था. टी-शर्ट और टॉफी की आपूर्ति उन्होंने 13-14 नवंबर, 2016 को की. इसके अगले दिन ही इसे राज्यभर के 10 हजार स्कूलों के बच्चों में बांट देना सत्यता की कसौटी पर खरा नहीं उतरता. इसकी जांच करायी जानी चाहिए.

बाल कांवड़ यात्रा 11 अगस्त को निकलेगी

रांची। श्री शिव बारात आयोजन महासमिति की ओर से 11 अगस्त को बाल कांवड़ यात्रा निकालेगी. भोलेनाथ के अनोखे भक्तों के द्वारा 11 अगस्त को पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक किया जाएगा, जिसमें पंजीकृत बच्चे ही एक न्यूनतम शुल्क के माध्यम से इसमें भाग ले सकते हैं. सबका ड्रेस, पूजा सामग्री, कांवड़, दूध, फूल माला, लोटा एवं सभी प्रकार की पूजन सामग्री महासमिति के द्वारा प्रदान की जाएगी, जिसमें शिव-पार्वती के स्वरूप होंगे, ढोल- ताशे एवं डीजे धुन पर मनमोहक दृश्यों एवं झांकी के साथ बाल कांवड़ यात्रा निकलेगी. महासमिति के अध्यक्ष राजेश साहू ने बताया कि रांची शहर एवं आसपास के जिलों से 3 वर्ष से 13 वर्ष तक के जो बच्चे बाल कांवड़ यात्रा लेकर पहाड़ी मंदिर में जलाभिषेक करना चाहते हैं, महासमिति के संपर्क नंबर के माध्यम से या वाट्सएप के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं, जिनकी उम्र 3 से 13 वर्ष के बीच होना चाहिए, जो नक्षत्र वन हटनिया तालाब से राजभवन के समीप जल लेकर पैदल पहाड़ी मंदिर में जलाभिषेक करेंगे. प्रवक्ता बादल सिंह ने कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के प्रति बच्चों को जागरूक करना है.

विवाह समारोह

मंत्री बन्ना गुप्ता और दीपिका पांडेय ने दिया नए जोड़ों को आशीर्वाद

समीरन बैंक्वेट हॉल में 151 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

संवाददाता। रांची

समीरन बैंक्वेट हॉल, लटमा में बुधवार को 151 जोड़ो ने अग्नि को साक्षी मान कर एक-दूजे का हाथ थामा. जीवनभर साथ निभाने की कसमें खाईं. इस पुनीत कार्य में शहर के माननीयों के साथ प्रबुद्धजनों ने भी खास तौर से भागीदारी निभाई. बाराती और सराती बन वर-वधू को आशीर्वाद दिया. उपहार स्वरूप घर-गृहस्थी के साजो-सामान भी नवदंपति को भेंट किया. इस तरह सिद्धेश्वरी देवी चैरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी और महिला उत्थान संगठन के सार्थक प्रयास से हंसते-खिल-खिलाते बड़ा सामाजिक दायित्व सहजता से निपट गया. वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय सिन्हा दीपू ने विवाह के सफल आयोजन में मुख्य योगदान देने के साथ कन्यादान की रश्म भी अदा की. स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने भी विवाह समारोह में मुख्य रूप से हिस्सा लिया.

दहेज प्रथा पर लगेगा रोक : बन्ना गुप्ता : स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि सामूहिक विवाह के चलन से दहेज प्रथा में रोक लगेगा. सोसाइटी और संगठन का कार्य सराहनीय है. आयोजक बधाई के पात्र हैं. यह आयोजन दूसरों के लिए भी प्रेरणा दायक होगा.

हर साल होगा सामूहिक विवाह : विनय : कांग्रेस नेता विनय सिन्हा दीपू ने कहा कि आर्थिक रूप से असहाय परिवार की कन्याओं का सामूहिक विवाह दोनों संस्थाओं के सहयोग से हर साल कराया जाता है. आगे भी यह प्रयास बगैर किसी भेद भाव के जारी रहेगा.

दर्ज कराई उपस्थिति : महिला उत्थान संगठन की अध्यक्ष रेणु देवी,सचिव सावित्री देवी, सुनील सहाय,अमरेंद्र सिंह, गुलाम जावेद, मनिंदर सिंह, पंकज प्रियदर्शी, रीता देवी, आलोक कुमार,संजीव कुमार, राज सिन्हा, मुन्ना यादव, समीर, अंकित सहाय, बंटी गुप्ता, सोनू कु सिंह ने मुख्य रूप से विवाह समारोह में उपस्थिति दर्ज कराई.

नवदंपतियों को ढेरों बधाई : दीपिका

कृषी मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने नवदंपतियो को आशीर्वाद और बधाई दी. कहा कि एक साथ वर-वधू को एकत्रित कर सामूहिक विवाह कराना बड़ी बात है. आयोजकों को धन्यवाद. इस तरह का पुनीत कार्य आगे भी जारी रहना चाहिए.

सरकार का दरवाजा खुला है, लेकिन हम किससे बात करें : सहायक पुलिसकर्मी

रांची। झारखंड सहायक पुलिसकर्मी दो जुलाई से मोरहाबादी मैदान में अपनी न्यायिक मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दे रहे हैं. आठ जुलाई को विधानसभा घेराव के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अविनाश कुमार तथा वंदना दादेल से बातचीत हुई थी, उन्होंने कहा था कि वार्ता के लिए सरकार का दरवाजा खुला हुआ है, लेकिन सहायक पुलिसकर्मी असमंजस में हैं कि वे लोग किससे बात करें. इस संबंध में बुधवार को झारखंड सहायक पुलिसकर्मी एसोसिएशन के सचिव विवेकानंद गुप्ता सहित अन्य पुलिसकर्मियों का कहना है कि हमलोग अपनी मांगों के संबंध में किससे बात करें, कोई भी उचित माध्यम नहीं दिख रहा.

सितंबर तक 30 हजार नियुक्ति एक और छलावा : सुदेश महतो

मुख्य संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने सितंबर तक हेमंत सरकार द्वारा 30 हजार नियुक्तियों के दावे को छलावा बताया है. उन्होंने कहा है कि प्रति वर्ष 5 लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा कर जनादेश प्राप्त करने वाली सरकार, 5 सालों में मात्र 8287 नियुक्तियां देने में सफल रही है, जिनमें से 6426 नियुक्तियां पूर्व के रघुवर दास के सरकार में घोषित की गई थी.

पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा होने को है और अब 30 हजार नियुक्तियों के दावे की हकीकत भी कुछ दिनों में साफ हो जाएगी. जबकि पिछले महीने पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन जी ने 40 हजार नौकरियां देने की बात कही थी पर कुर्सी बदलते ही कुछ ही दिनों में 10 हजार नौकरियां गायब हो गई. यह सरकार की युवाओं के प्रति संवेदनहीनता का एक और काला अध्याय है. उन्होंने कहा कि सरकार नियुक्ति के नाम पर युवाओं की भावनाओं के साथ साथ उनके भविष्य से भी खिलवाड़ कर रही है परीक्षा प्रक्रिया को पूरी करने के लिए समय चहिए जो इस सरकार के पास अब नहीं है.

आयोजन : छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए आईएचएम रांची में कॉफी विद जीएम कार्यक्रम

विकट परिस्थितियों में मुस्कान से दबाव पर काबू पाने के टिप्स

संवाददाता। रांची

होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम), रांची में छात्रों के व्यक्तित्व विकास, खुद को प्रस्तुत करने के लिए आत्मविश्वास, उद्योगों की बदलती प्रवृत्तियां और सर्वोत्तम प्रथाओं से कैसे खुद को अपडेट रखने के मकसद से "कॉफी विद जीएम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में पैनलिस्ट के रूप में होटल रेडिसन ब्लू रांची के महाप्रबंधक हेमंत मेहता, विवांता होटल जमशेदपुर के रंजन दास, प्राइम होटल रांची के पंकज आनंद ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम के दौरान हेमंत मेहता, रंजन दास व पंकज आनंद ने अपने जीवन में एक छात्र से महाप्रबंधक बनने तक के सफर को शेयर किया. छात्रों को बताया गया कि महाप्रबंधक कैसे बनें, विकट परिस्थितियों में मुस्कान, आत्मविश्वास और सौम्य कौशल से दबाव को कैसे संभाला जा सकता है, इसकी जानकारी दी गयी. होटल उद्योग के भविष्य को कैसे बचाया जाए, एक नया होटल चलाने व खोलने के लिए महाप्रबंधक के तौर पर क्या बड़ी चुनौतियां होती हैं और अतिथियों के साथ-साथ कर्मचारियों को खुश रखने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया.कार्यक्रम का समापन संस्थान के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार टिप्स के साथ हुआ. उन्होंने छात्रों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन अंग्रेजी अखबार या नोबेल जैसे शिव खेरा की किताबें पढ़ें और अंग्रेजी फिल्मों के उपशीर्षक को पढ़ें और उच्चारण करें, ताकि उन्हें उच्चारण, संचार कौशल व खुद को एक बेहतर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने में मदद मिल सके. स्टूडेंट्स को बताया गया कि एक उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए नियम कैसे निर्धारित किए जाएं, प्रबंधन में क्या चुनौतियां होती हैं, जिसका समाधान हमें पता होना चाहिए, किसी भी परिस्थिति के लिए हमें मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए. होटल प्रबंधक बनने के लिए किस प्रकार के नेतृत्व गुणवत्ता की आवश्यकता है, नियुक्ति के दौरान मुख्य गुण क्या होने चाहिए, साक्षात्कार के दौरान क्या करना चाहते हैं, यह छात्रों को पहले से ही स्पष्ट होना चाहिए और एक प्रबंधक बनने के लिए छात्रों को कौन से संसाधन या सलाह को अपनाना चाहिए. स्टूडेंट्स को बताया गया कि एक सफल प्रबंधक बनने के लिए संचार कौशल, गुण, रवैया बहुत महत्वपूर्ण है. ऐसे ही कई अन्य विषयों पर तीनों होटल प्रबंधकों ने अपना ज्ञान साझा किया. संस्थान के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें सभी शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे.

कॉफी विद जीएम कार्यक्रम में भाग ले रहे पैनलिस्ट एवं छात्र-छात्राएं.

ब्रीफ खबरें

हर माह दूसरे रविवार को होगी गंगा आरती

रांची। रांची में अब हर माह दूसरे रविवार को संध्या 6.00 बजे स्वामी विवेकानंद सरोवर (बड़ा तालाब) में गंगा आरती की जाएगी. यह गंगा आरती वाराणसी में होने वाली गंगा आरती के तर्ज पर होगी, आरती गंगायात्री पीयूष पाठक द्वारा की जाएगी. यह जानकारी देते हुए पीयूष पाठक ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य नदियों, तालाबों तथा अन्य जलस्रोतों को दूषित नहीं करने का संकल्प लेना, उन्हें प्रदूषित होने से बचाना है और इसके लिए आम लोगों में जागरूकता लाना है. उन्होंने नगरवासियों से गंगा आरती दर्शन का लाभ उठाने का आग्रह किया है.

रूठी मां लक्ष्मी आज तोड़ेंगी रथ का पहिया

रांची। रथ यात्रा पंचमी पर गुरुवार को रूठी मां लक्ष्मी रथ का पहिया तोड़ेंगी. जगन्नाथपुर मंदिर के पुजारी गौस्तुभधर मिश्रा ने बताया कि मान्यता है कि मुख्य मंदिर से भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा संग मौसी बाड़ी चले आने से माता लक्ष्मी परेशान हो जाती हैं. माता भगवान को ढूंढते हुए मौसी बाड़ी पहुंचती हैं तो द्वयतापति (मंदिर के द्वारपाल) उन्हें अंदर नहीं जाने देते. ऐसे में मां रूठ जाती हैं और रथ का पहिया तोड़ देती है. बाद में उन्हें मना कर मुख्य मंदिर लाया जाता है. उन्होंने बताया कि मंदिर में भी यह रस्म अदा की जायेगी.

जोड़ा मंदिर नामकुम का मना वार्षिकोत्सव

रांची। जोड़ा मंदिर, नामकुम का 13वां वार्षिकोत्सव श्रद्धा पर्वक धूमधाम के साथ मनाया गया. कलश यात्रा के बाद प्रारंभ हुआ रामायण पाठ जो अनवरत दूसरे दिन बुधवार को दोपहर बाद तक चलता रहा. साथ ही नेम-निष्ठा से पूजा-अर्चना की गयी. पुरोहित सुबोध पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया. शशि सिंह ने सपत्नीक मुख्य यजमान के रूप में इसमें हिस्सा लिया. मौके पर भजन-संकीर्तन कर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओ के श्रीचरणो में श्रद्धा अर्पित की. साथ ही वृहत रूप में भंडारा भी चलाया गया.

उर्दू विषयक बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक

रांची । मारवाड़ी कॉलेज में बुधवार को उर्दू विषय के बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक हुई, जिसमें सदस्यों ने चर्चा के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को स्वीकृति प्रदान कर दी. बैठक में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी के डॉ. मो. अयूब, विनोबा भावे यूनिवर्सिटी से डॉ. हुमायूं अशरफ, फरहत आरा, मारवाड़ी कॉलेज के उर्दू विभाग के इंचार्ज डॉ. मो साबिर अंसारी, डॉ. फहिमा खातून, डॉ. फरहत परवीन, डॉ. सुलताना परवीन, नावेद अख्तर, शरकीया मिश्कात और अब्दुल कादिर शामिल थे.

अग्रवाल सभा का चुनाव 28 को, नामांकन 16 तक

रांची। अग्रवाल सभा की नयी कार्यकारिणी सदस्यो का चुनाव 28 जुलाई को होगा. इसके लिए 13 जुलाई से नामांकन पत्र बांटा जाएगा. निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन भवन,कार्यालय में दिन के दो से शाम चार बजे तक पत्र प्राप्त किये जा सकते हैं. चुनाव में भाग्य आजमाने के इच्छुक 16 जुलाई शाम चार बजे तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं. जांच के बाद वैध नामांकन पत्र की सूची 17 जुलाई को शाम चार बजे प्रकाशित किया जायेगा. नाम वापसी की अंतिम तिथि 20 जुलाई तक है.

मनाया गया अभाविप का 76वां स्थापना दिवस, बोले आशीष चौहान

भारत के विकास में योगदान की रही विद्यार्थी परिषद की 76 वर्षों की यात्रा

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) रांची महानगर द्वारा अभाविप के 76वें स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार' में 'तकनीक के नए परिदृश्य में शिक्षा तथा युवा' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. देश-भर में अभाविप के स्थापना दिवस को राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाता है.

मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान शामिल हुए. उन्होंने कहा कि अभाविप की 76 वर्षों की यात्रा भारत के विकास में योगदान की यात्रा रही है. 'ज्ञान, शील, एकता' ध्येय वाक्य के साथ कार्य करने वाले अभाविप कार्यकर्ताओं ने सदैव ही राष्ट्र प्रथम भावना के साथ कार्य किया है. उन्होंने कहा कि तकनीक के नए परिदृश्य में डेटा सुरक्षा डिजिटल विभाजन और मानसिक स्वास्थ्य जैसे चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है ताकि शिक्षा और युवा विकास को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाया जा सके.

अभाविप आज भारत के प्रत्येक परिसर में मौजूद है : याज्ञवल्क्य शुक्ला : अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ला ने कहा कि अभाविप आज भारत के प्रत्येक परिसर में मौजूद है और व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र पुनर्निर्माण के ध्येय को लेकर काम कर रही है. तकनीक के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा का विस्तार हुआ है, तकनीक ने ऑनलाइन शिक्षा को व्यापक रूप से स्वीकार्य और सुलभ बनाया है जिससे विद्यार्थी किसी भी समय और कहीं भी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं. इंटरनेट के माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक पुस्तक के शोध पत्र और अन्य शैक्षणिक संसाधनों तक आसान पहुंच प्राप्त हुई है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो तपन शांडिल्य ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यशैली भारतीय समाज की कार्यशैली के अनुरूप सकारात्मक दिशा की ओर कार्य कर रही है. यह अभाविप कार्यकर्ताओं द्वारा कहा जाता था और आज हम इसे चरितार्थ होते देख रहे हैं.

डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार' में कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए आशीष चौहान.

ध्येय यात्रा को पूर्ण कर 76वें वर्ष में प्रवेश किया : डॉ उमेश

महानगर अध्यक्ष डॉ उमेश कुमार ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपने 75 वर्षों की ध्येय यात्रा को पूर्ण कर 76वें वर्ष में प्रवेश किया है. आज विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन के रूप में बनकर उभरी है. आज अभाविप शिक्षा के साथ समाज, पर्यावरण, सेवा, खेल, तकनीकी, आदि क्षेत्रों में भी प्रमुखता से कार्य कर रही है. मौके पर अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल, अभाविप झारखंड प्रदेश अध्यक्ष डॉ दीप नारायण जायसवाल, महानगर अध्यक्ष डॉ उमेश कुमार, महानगर मंत्री ऋतुराज सहदेव अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की. अध्यक्षता कुलपति प्रो डॉ तपन शांडिल्य ने किया, संचालन प्रदेश सह मंत्री दिशा दित्या ने किया. मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल थे.

रांची विवि की परीक्षा एजेंसी को ब्लैकलिस्टेड करने की मांग

रांची। रांची विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही को लेकर युवा आजसू के प्रतिनिधिमंडल ने अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में राजभवन सचिवालय में राज्यपाल के नाम मांग पत्र सौंपा. शुक्ला ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के कारण 10 हजार से अधिक छात्राओं की डिग्रियां अटकी पड़ी हैं. यह स्थिति तब है, जब छात्र-छात्राओं ने अपनी परीक्षाएं और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं. विश्वविद्यालय का वित्त विभाग मात्र 12 हजार की खरीदारी करने में असमर्थ दिख रहा है, जिसके चलते डिग्रियां तैयार नहीं हो पा रही हैं. छात्र-छात्राओं की बेवसी का आलम यह है कि नौकरी लग जाने के बाद भी डिग्री न होने के कारण ज्वाइन नहीं कर पा रहे हैं.

टाआरआई के उपनिदेशक से मिला भुईहर मुंडा समाज

रांची। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की की अगुवाई में भुईहर मुंडा समाज एसटी सूची में शामिल कराने की मांग को लेकर बुधवार को डॉ रामदयाल मुंडा शोध संस्थान के उपनिदेशक मोनिका रानी टूटी से मुलाकात की. उन्होंने कहा कि भुईंहर मुंडा के हक अधिकार की लड़ाई में विधानसभा में आवाज उठायेंगे. सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश हुरहुरिया ने बताया कि भूईंहर मुंडा की गढ़वा, पलामू, लातेहार, गुमला और सिमडेगा में तीन लाख आबादी है. ये झारखंड में 23 साल से सरकार से एसटी का दर्जा मांग रहे हैं. ये अपने राज्य में आदिवासी होते हुए भी एसटी की सूची से बाहर हैं. अखंड बिहार के समय इन्हें एसटी का दर्जा प्राप्त था लेकिन झारखंड बनते ही राज्य से एसटी की सूची से इन्हें बाहर कर दिया गया.

न्यूज अपडेट

विद्यार्थियों ने डोम्बारीबुरु का शैक्षणिक दौरा किया

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने खूंटी स्थित भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थान और डोम्बारीबुरु का दौरा किया, जिसे मुंडा विद्रोह के नाम से जाना जाता है. छात्रों का नेतृत्व नॉलेज रिसोर्स क्यूरेटर प्रनब मुखर्जी ने किया. उन्होंने छात्रों को विद्रोह के सबसे पुराने साक्ष्यों के बारे में बताया. छात्रों को 15 नवंबर झारखंड स्थापना दिवस के महत्व और तेलंगा खड़िया, सिदो कान्हो, तिलका मांझी और पं. रघुनाथ महतो जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के बारे में भी जानकारी दी गई. प्राचार्य परमजीत कौर ने कहा कि ऐसी यात्राओं से छात्रों को हमारे देश की समृद्ध विरासत के बारे में जानकारी मिलती है, जो उन्हें कर्तव्यपरायण नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती है.

कैंम्ब्रियन पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद का गठन

रांची। स्थानीय कैंब्रियन पब्लिक स्कूल काठीटांड, रांची में बुधवार को छात्र परिषद के अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया. विद्यालय के प्रधानाध्यापक वीरेन्द्र यादव ने चयनित छात्र-छात्राओं को बैज पहनाकर उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. उक्त अवसर पर प्रधानाध्यापक ने कहा कि किसी भी विद्यालय में छात्र परिषद की बहुत बड़ी भूमिका होती है, क्योंकि देश के लिए जिम्मेवार नागरिक का निर्माण विद्यालय से ही शुरू होता है. विद्यालय के छात्र आदर्श पाठक को हेडबॉय तथा आकांक्षा राय को हेड गर्ल चुना गया. विद्यालय के अध्यक्ष परमानंद सिंह ने छात्र-छात्राओं को बधाई दी.

सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में छात्रों को किया गया सम्मानित

रांची। सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में बुधवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ. जिसमें सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया. बतौर मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा समारोह में शामिल हुए. 48 मेधावी छात्रों को उनके माता-पिता और शिक्षकों की उपस्थिति में योग्यता प्रमाण पत्र और उपहार वाउचर प्रदान किए गए. इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने छात्रों को उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयास करते रहने व जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. स्कूल की प्राचार्या समिता सिन्हा ने छात्रों के उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए बधाई दी.

केलाइडोस्कोपमें जेवीएम श्यामली के छात्रों ने बिखेरी रंगीन छटा

रांची। छात्रों को सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराने, उनकी सामाजिक सामर्थ्य को विकसित करने एवं साहित्य, कला, संगीत और नृत्य के प्रति रुचि और उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से जवाहर विद्या मंदिर श्यामली में रंगारंग कार्यक्रम कैलीडोस्कोप-2024 का आयोजन हुआ. कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के नन्हें-मुन्हों बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति जगन्नाथ अष्टकम और उस पर आधारित नृत्य से वातावरण को पूरी तरह से आध्यात्मिक रंग में रंग दिया. संगीत और नृत्य द्वारा राग मलहार की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया. हास्य प्रहसन 'अंधेरे नगरी, चौपट राजा'''' के मंचन ने दर्शकों को हंसने और सोचने पर मजबूर कर दिया. अलीबाबा और 40 चोर से संबंधित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति भी अद्भुत थी.

रक्षा राज्य मंत्री को गुरुनानक सत्संग सभा ने किया सम्मानित

रांची। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी के पदाधिकारियो ने बुधवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दी. साल ओढ़ा कर और बुके देकर सम्मानित किया. सभा के प्रधान द्वारका दास मुंजाल,अर्जुन देव मिढ्ढा, हरगोविंद सिंह, सुरेश मिढ्ढा, अनूप गिरधर, हरीश मिढ्ढा,बसंत काठपाल और विनोद सुखीजा आदि संजय सेठ से मिलने वालों में मुख्य थे.

लघुकथा प्रतियोगिता में संध्या को मिला प्रथम स्थान

रांची। कमलचंद वर्मा स्मृति त्रैमासिक लघुकथा लेखन प्रतियोगिता के परिणाम घोषित हो चुके हैं. घोषित परिणाम के अनुसार रांची की संध्या प्रकाश को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ. यह प्रतियोगिता कहानीकार कमलचंद वर्मा स्मृति आयोजित की जाती है. यह परिणाम प्रतियोगिता के क्रमांक 45 का था. प्रथम स्थान पाने वाली संध्या प्रकाश को 1500 रुपये की पुरस्कार राशि के साथ 200 रुपये मूल्य की पुस्तकें एवं सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा. इस प्रतियोगिता में चार प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिये जाएंगे. यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता प्रत्येक तीन महीने पर आयोजित की जाती है.

खेलकूद के साथ मना जीईएल चर्च का ऑटोनॉमस दिवस

रांची। जीईएल चर्च पूर्वजो की विरासत है जो उनके संघर्ष और आंदोलन से प्राप्त हुआ है. इसे सभी कलिसियाओं को मिलकर बचाये रखना है. संस्थान को मजबूत बनाना और कार्य योजना को आगे बढ़ाना है. यह बात बुधवार को हेडक्वार्टर कॉग्रेगेशन जीईएल चर्च द्वारा आयोजित जीईएल चर्च का 105 वां ऑटोनॉमस दिवस के अवसर पर गोस्सनर मिडिल स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि राईट रेव्ह जॉहन डांग ने कही. उन्होंने कहा कि जीईएल चर्च के कार्यो को तेजी से आगे बढाऩा है. इसके लिए सभी कलिसिया के लोगों को आगे आने की जरूरत है. बिशप सीमांत तिर्की ने कहा कि खेल कूद प्रतियोगिता से बच्चों की प्रतिभा निखारी जा रही है.

झारखंड शूटिंग चैंपियनशिप में 70 वर्षीय बसंत ने जीता स्वर्ण

रांची। वघर के कुमार सुरेंद्र सिंह शूटिंग रेंज में 7-10 जुलाई तक आयोजित 14वीं झारखंड राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में रामगढ़ के बसंत ने स्वर्ण पदक जीता. बसंत ने 10 मीटर पिस्टल (एनआर) सीनियर मास्टर पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीता. बता दें कि बसंत ने पिछले वर्ष नवंबर में रामगढ़ के फीनिक्स शूटिंग एकेडमी में पिस्टल सीखना शुरू किया था. उन्होंने कड़ी मेहनत से महज सात महीने के प्रयास में ही राज्य स्तर पर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया. इन्होंने अपने कोच विवेक पंकज का बेहतरीन मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया है. बसंत हेतमसरिया की उम्र 70 वर्ष है और वे एक लेखक और समाजसेवी हैं.

झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम में प्रमाण पत्र का वितरण

रांची। झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम टाटीसिल्वे, रांची में बुधवार को प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया, कुल21 छात्रों ने इंटर्नशिप इन (सीएटीआईए) कोर्स के संपन्न होने पर प्रमाण पत्र वितरण समारोह में भाग लिया. मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अमृतांशु प्रसाद मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्लैकरॉक माइनिंग एंड मिनरल कंसल्टेंसी शामिल थे. उनका स्वागत टूल रूम के प्राचार्य महेश कुमार गुप्ता ने पुष्प गुछ देकर किया. उसके बाद उन्हें टूल रूम का भ्रमण कराया गया. मुख्य अतिथि ने छात्रों को प्रमाण पत्र वितरण किया. ।प्राचर्य ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया. टूल रूम के प्राचार्य महेश कुमार गुप्ता ने टूल रूम में चल रहे विभिन्न कोर्सेज की जानकारी दी. मुख्य अतिथि डॉ अमृतांशु प्रसाद ने टूल रूम में मौजूद संसाधनों को सराहा. सभी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थी को शुभकामनाएं दी.

विश्व जनसंख्या दिवस पर सदर अस्पताल में जागरूकता रैली

सदर अस्पताल की जागरूकता रैली में चिकित्सक एवं कर्मचारी.

संवाददाता। रांची

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर बुधवार को सदर अस्पताल में लोगों में जागरूकता लिए एक रैली का आयोजन किया गया. राज्य नोडल पदाधिकारी परिवार कल्याण कोषांग डॉ पुष्पा तथा रांची के सिविल सर्जन डॉक्टर प्रभात कुमार ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. रैली का आयोजन सदर अस्पताल से मिशन चौक और फिर सदर अस्पताल तक किया गया था. मौके पर राज्य नोडल पदाधिकारी आईईसी/बीसीसी डॉ लाल मांझी नेभी रैली को संबोधित किया. इस अवसर पर डॉक्टर पुष्पा ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस की स्थापना 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की गवर्निंग काउंसिल , यूएनडीपी द्वारा की गई थी. इस वर्ष का थीम " विकसित भारत की नई पहचान परिवार नियोजन हर दंपति की शान'' है. मौके पर गुंजन खलखो, राज्य समन्वयक परिवार कल्याण प्रशिक्षण परामर्शी सुचंद्रा पांडा, नवल किशोर, प्रवीण कुमार सिंह, डैम तारा पद क्वेरी डीपीसी प्रीति चौधरी, डीडीएम संजय कुमार तथा अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे.

पारस हॉस्पिटल एचइसी को मिली नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स की मान्यता

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के एचइसी स्थित पारस हॉस्पिटल को नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स (एनएबीएच) की मान्यता मिली है. यह मान्यता पारस हॉस्पिटल को मरीजों की सुरक्षा और बेहतर केयर करने के लिए मिला है. इसकी मान्यता चार साल की है.

पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने बताया कि अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड, जिसे एनएबीएच के नाम से भी जाना जाता है, यह भारतीय गुणवत्ता परिषद का एक घटक बोर्ड है, जिसे स्वास्थ्य सेवा संगठनों के लिए प्रत्यायन कार्यक्रम स्थापित करने और संचालित करने के लिए स्थापित किया गया है. डॉ नीतेश कुमार ने बताया कि इस मान्यता का उद्देश्य मरीजों की सुरक्षा की वैश्विक समझ को बढ़ाना, स्वास्थ्य देखभाल की सुरक्षा में सार्वजनिक भागीदारी बढ़ाना और रोगी सुरक्षा बढ़ाने तथा रोगी को होने वाली हानि को कम करने के लिए वैश्विक कार्रवाई को बढ़ावा देना है. पारस हॉस्पिटल मरीजों का ख्याल एक परिवार की तरह करती है.

जानकारी देते हुए पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार.

नि:शुल्क होगा कटे होंठ और तालू का इलाज

पारस हॉस्पिटल में अब नि : शुल्क कटे होंठ और तालू वाले मरीजों की सर्जरी होगी. पूरे झारखंड में पारस हॉस्पिटल एकल हॉस्पिटल है, जहां जन्म से कटे होंठ व कटे तालू वाले मरीजों का नि :शुल्क पंजीकरण स्माइल ट्रेन प्रोजेक्ट के तहत किया जाएगा. डॉ नीतेश ने बताया कि स्माइल ट्रेन एक गैर-लाभकारी संगठन और चैरिटी है.स्माइल ट्रेन की ओर से पारस हॉस्पिटल को नि :शुल्क इलाज की सहमति दी गयी है.स्माइल ट्रेन की एरिया डायरेक्टर साउथ एशिया रेनू मेहता है. प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ सोम रंजन पाठक (मैक्सिलोफेशियल सर्जन) हैं. एनेस्थेटिस्ट टीम मे डॉ संजय वर्मा और डॉ जयंती सक्सेना है.

रिवाज **शिया महिलाएं अपना सुहाग कर्बला वालों के नाम पर कर देती हैं निछावर**

मुहर्रम में सवा दो माह खुशी नहीं मनाते शिया मुसलमान

रेहान अहमद। रांची

इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने को मुहर्रम कहा जाता है. यह वह महीना है, जिसमें नबी के नवासे इमामे हुसैन ने कयामत तक के लिए इस्लाम को निजात अता की है और इमाम हुसैन की मुसलमान के साथ-साथ दुनिया में पाए जाने वाले हर इंसानियत पसंद के लोग मानते हैं. शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के चेयरमैन, मस्जिद ए जाफरिया के इमाम व खतीब मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने बताया कि मुसलमानों में शिया मुसलमान इमामे हुसैन की याद बड़ी अकीदत से मनाते हैं.

जैसे ही मुहर्रम का चांद देखा जाता है, उनके घरों की महिलाएं अपना सुहाग कर्बला वालों के नाम पर निछावर कर देती है और दो महीने आठ दिनों तक कोई ऐसा काम नहीं करतीं, जिससे उनके चेहरे पर खुशी के आसार नजर आएं और शिया मुसलमानों के घर में कोई भी खुशी नहीं मनाई जाती. वे न तो किसी के शादी-ब्याह में शरीक होते हैं और न ही फूल माला पहनते हैं.

उन्होंने बताया कि चांद दिखने के बाद मुसलमान के घर में फर्श मजलिस बिछा दी जाती है और हर घर में 'हाय हुसैन शाहिद हुसैन' की सदा बुलंद हो जाती है.

6 मुहर्रम को विशेष कर हजरत अली असगर की शहादत मनाई जाती है, जो हर घर में दूध के शरबत की नजर पेश की जाती है. सात मुहर्रम को इमामे हसन के पुत्र हजरत कासिम की शहादत मनाई जाती है और उनकी याद में मेहंदी निकल जाती है, आठ मुहर्रम को इमाम हुसैन के भाई हजरत अब्बास की याद में हाजिरी नजर का इंतजाम बड़े पैमाने पर शिया मुसलमान के घरों में किया जाता है.

9 मुहर्रम को शबे आशूरा याद में हर घर में नोहा और मातम होता है. 10 मुहर्रम को शिया मुसलमान अपने गले को चाक कर देते हैं और नंगे पैर रहते हैं पूरा दिन शहादते इमामे हुसैन की याद में भूखे प्यासे रहकर रो रो कर मातम कर अपना दिन यादें इमामे हुसैन में गुजार देते हैं और यह गम दो महीना 8 दिन तक मनाते हैं. इस महीने का एहतराम बड़ी अकीदत से करते हैं. अपने माल की कुर्बानी भी देते हैं. इमामे हुसैन की शहादत की याद करना इबादत है.

याद हुसैन और हमारी जिम्मेदारियां : हसन

रांची । रांची के मस्जिद जाफरिया में 10 दिवसीय मजलिस के तीसरी मजलिस को संबोधित करते हुए मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि मुहर्रम का महीना मुसलमानों के लिए बहुत महत्व रखता है. जिस तरह हम रमजान में अल्लाह के मेहमान होते हैं, उसी तरह मुहर्रम में इमाम हुसैन हमारे मेहमान होते हैं. हर इंसान चाहता है कि मेहमान को खुशी-खुशी विदा किया जाए. इस महीने मुसलमान ही नहीं, बल्कि सभी मानवतावादी लोग अपने-अपने हिसाब से कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं, श्रद्धांजलि सिर्फ हुसैन कहना नहीं है, बल्कि इमाम हुसैन के बताए रास्ते को अपनाना और उस पर जीना भी है. यही इमाम हुसैन के प्रति सच्चे प्यार की निशानी है.

मुहर्रम की 10 तारीख की कई बड़ी फजीलतें : मौलाना हम्माद

संवाददाता। रांची

मौलाना हम्माद कासमी ने कहा कि मुहर्रम हिजरी साल के एतेबार से पहला महीना है, इसी महीने की 10 तारीख की फजीलते हदीसों में आई है. इस महीने में बहुत सारे बड़े अहम वाक्यात पेश आये, जैसे हजरत ए आदम (अ) की तौबा जिस दिन कुबूल हुई वह यौमे अशुरा या मुहर्रम की 10वीं तारीख थी. हजरत युनूस (अ) जिस दिन अल्लाह के हुक्म से मछली के पेट से बरामद हुए, वह यौमे अशुरा का ही दिन था. हजरत ए नूह (अ) की कशती जूदी पहाड़ी पर यौमे अशुरा के दिन ही ठहरी. हजरत ए सुलेमान (अ) को खास किस्म की सलतनत यौमे अशुरा के दिन ही अता हुई. इस तरीके के और भी बहुत से अहम वाक्यात यौमे अशुरा के दिन पेश आये. लेकिन यौमे अशुरा जिस अजीम सानेहा (बड़ा हादसा) की वजह से मशहूर है, वह कर्बला के मैदान में बातिल कुवतों से मुकाबला करते हुए हजरत ए हुसैन (रजि) की शहादत का सानेहा (हादसा) है. यूं तो हदीस से अशुरा के दिन घर में बाल बच्चों के लिए अच्छे खाने बनाने का सुबूत भी मिलता है. लेकिन इसमें उलेमा का इख़्तिलाफ़ है. लेकिन इस दिन रोजा रखने की फजीलत जिस हदीस में बयान की गई है. वह हदीस बहुत मजबूत है. इसमें किसी का इख़्तिलाफ़ नहीं है. बोखारी व मुस्लिम की किताब है. यूं तो सिर्फ यौमे अशुरा के ही रोजे की फजीलत है. लेकिन चूंकि यहुदी एक रोजा रखते थे, इसलिये उनकी मुसाबहत से बचने के लिए शरीयत का हुक्म है कि दो रोजे यानी 9 व 10 मुहर्रम या 10 व 11 मुहर्रम को रोजा रखना चाहिए.

कोल ट्रांसपोर्टर, डीओ होल्डर, कोल माइनिंग और रैक लोडिंग का काम करनेवालों को नये आपराधिक गिरोह ने चेताया

तीन एके-47 के साथ नया अपराधी लॉन्च, राहुल सिंह गैंग की एंट्री

सौरभ सिंह। रांची

तीन एके-47 के साथ एक नया अपराधी झारखंड में लॉन्च हुआ है. इस आपराधिक गिरोह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि झारखंड संघर्ष जनमुक्ति मोर्चा अब उसके सुप्रीमो राहुल सिंह के गैंग के नाम से जाना जाएगा. इस नये गैंग ने कोल ट्रांसपोर्टर, डीओ होल्डर, कोल माइनिंग और रैक लोडिंग का काम कर रहे लोगों को कहा है कि विकास तिवारी, अमन साहू और अमन श्रीवास्तव गिरोह को पैसा देना बंद करो. अब जो कोई भी काम मेरे क्षेत्र में करेगा, तो उसको मुझसे मैनेज करके ही चलना पड़ेगा, वरना खोपड़ी खोल दी जाएगी.

एके 47 हथियार के साथ राहुल सिंह.

गिरोह ने कारोबारियों का जीना मुश्किल किया : झारखंड पुलिस ने पिछले कुछ सालों में नक्सलियों खिलाफ कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं. लेकिन, संगठित आपराधिक गिरोह के अपराधियों के खिलाफ कोई खास सफलता हाथ नहीं लग पायी है. राज्य में ऐसे दर्जनभर गिरोह हैं, जिनके गुर्गों ने आम जनता और कारोबारियों का जीना मुश्किल कर दिया है. ये गिरोह रंगदारी और लेवी के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं.

इंटरनेट कॉल को ट्रेस करने में पुलिस नाकाम : झारखंड के अलग-अलग जिलों में अपराधी इंटरनेट कॉल के जरिये कारोबारी को फोन कर रंगदारी और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं. इंटरनेट के जरिए किये जाने वाले कॉल में वर्चुअल नंबर का उपयोग किया जाता है. इसे आसानी से ट्रेस नहीं किया जा सकता है. इसके लिए न तो मोबाइल की जरुरत होती है और न ही सिम कार्ड की. सिम कार्ड का इस्तेमाल नहीं होने की वजह से पुलिस टावर लोकेशन सहित अन्य जानकारी हासिल करने में नाकाम रह जाती है. राजधानी रांची में कई लोगों को धमकियां मिल चुकी हैं, जिसे ट्रेस करने में पुलिस नाकाम रही है.

धमकी

- साहू, श्रीवास्तव और तिवारी गिरोह को पैसा देना बंद करो
- काम करना है, तो मैनेज करके चलो, वरना खोपड़ी खोल देंगे

झारखंड में इन कुख्यात गिरोहों का आतंक

राज्य में इन दिनों सर्वाधिक आतंक गिरिडीह जेल में बंद अमन साहू और उसके गिरोह के साथियों का है, जो कानून व्यवस्था के लिए सिरदर्द बने हुए हैं. इसी तरह पांडेय गिरोह, प्रिंस खान गिरोह, अमन श्रीवास्तव गिरोह, सुजीत सिन्हा गिरोह भी झारखंड में सक्रिय है. हालांकि इनमें अधिकांश गिरोह का सरगना गिरफ्तार होने के बाद विभिन्न जेलों में हैं. लेकिन इनके गुर्गे आतंक मचाए हुए हैं.

न्यूज अपडेट

खासमहल का सरकारी कर्मचारी घूस लेते गिरफ्तार

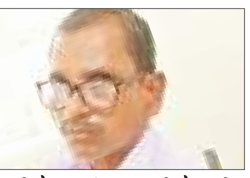

हजारीबाग। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को खासमहल के एक सरकारी कर्मचारी को चार हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया है. हजारीबाग एसीबी की टीम ने प्रमंडल कार्यालय में कार्यरत ओहदार तिर्की को गिरफ्तार किया है. जानकारी के मुताबिक, वादी ने जमीन के कागजात से संबंधित मामले में कर्मचारी ओहदार तिर्की द्वारा घूस मांगे जाने की शिकायत एसीबी से की थी. इसके बाद एसीबी ने आरोप का सत्यापन कराया, जिसमें घूस मांगे जाने की बात सही पाई गई. इसके बाद एसीबी ने खासमहल के कर्मचारी को घूस लेते रंगे हाथ दबोच लिया. गिरफ्तारी के बाद ओहदार तिर्की को एसीबी कार्यालय लाया गया, जहां उससे डीएसपी स्तर के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं.

नक्सलियों ने बाधित किया रेल परिचालन

चक्रधरपुर। भाकपा माओवादी नक्सलियों के 24 घंटे के कोल्हान बंद का असर ट्रेनों के परिचालन पर पड़ा. नक्सलियों ने बंद शुरू होते ही हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग पर जराइकेला व मनोहरपुर स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर बैनर लगाकर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया. नक्सलियों ने थर्ड रेल लाइन में किमी संख्या 378/35 ए के समीप रेलवे ट्रैक के बीचो बीच बैनर लगा दिया था. इसके कारण मंगलवार रात दो बजे से बुधवार सुबह छह बजे तक इस मार्ग पर ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया. इस रेल मार्ग से गुजर रही मालगाड़ी बीओसी/ एलएमएनआर के क्रू मेंबर ने ट्रैक पर माओवादियों द्वारा लगाया गया लाल बैनर देख इसकी सूचना स्टेशन को दी.

वकील के घर डाका डालने की कोशिश, सीसीटीवी में कैद

रांची। धुर्वा समेत रांची के अन्य इलाकों में अपराधियों का उत्पात जारी है. मंगलवार की देर रात झारखंड हाईकोर्ट और रांची सिविल कोर्ट में नियमित प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता सूरज किशोर प्रसाद के घर पर अपराधियों ने डाका डालने की कोशिश की. इन अपराधियों की तस्वीरें सीसीटीवी में कैद हो गयी हैं. अधिवक्ता सूरज का घर धुर्वा में सेक्टर 3 में है. अपराधियों की आहट पाकर सूरज ने पीसीआर को फोन कर जानकारी दी. सूचना पाकर पीसीआर तुरंत उनके आवास पर पहुंची. पुलिस की गाड़ी देख सभी अपराधी भाग गये. पूरी घटना की लिखित जानकारी अधिवक्ता सूरज ने धुर्वा थाना में दी है.

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या,तीन आरोपी गिरफ्तार

बुढ़मू। विवाहित महिला से युवक को प्यार करना पड़ा महंगा.महिला व उसके पति ने एक अन्य युवक के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी .घटना बुढ़मू थाना क्षेत्र के ओझासाडम स्थित जिकरा फॉल की है,युवक का नाम अजय महतो है, जो ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के बेडवारी गांव का रहने वाला था, हत्या करने वाले सभी आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार कर लिया है एवं सघन पूछताछ जारी है.वहीं शव को पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया है.बुढ़मू थाना क्षेत्र निवासी ओझा साड़म गांव के जगदीश मुंडा कि पत्नी के साथ अजय महतो बेड़वारी निवासी का प्रेम प्रसंग काफ़ी समय से चल रहा था. जिसकी जानकारी उसके पति जगदीश मुंडा को हुई. तो वह आगबबूला हो गया .

स्वर्ण व्यवसायी संघ ने एसएसपी और सिटी एसपी को किया सम्मानित

रांची। स्वर्ण व्यवसायी संघ ने बुधवार को रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और सिटी एसपी राजकुमार मेहता को एसएसपी कार्यालय में सम्मानित किया. साथ ही रांची पुलिस की ओर से बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वेलर्स लूटकांड का खुलासा करते हुए आठ अपराधियों को गिरफ्तार करने पर व्यवसायियों ने एसएसपी और सिटी एसपी की प्रशंसा की. व्यवसायी प्रवीण लोहिया ने कहा कि रांची पुलिस के जरिये किए गए मामले के खुलासे से व्यवसायियों में रांची पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ी है. अपराधियों के पास से लूटे गये सोने और चांदी के आभूषण-बर्तन, नकद रुपये तथा घटना में प्रयुक्त हथियार एवं कारतूस बरामद किया गया है. एसएसपी ने कहा कि रांची पुलिस सभी नागरिकों के जान-माल, सम्मान और सम्पति की सुरक्षा के लिए कृत संकल्पित है.

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को बधाई दी

कांके। रांची जिला कांग्रेस कमेटी के महेश कुमार मनीष और कांग्रेस के वरीय नेता मदन महतो ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को पुनः मंत्री बनने पर बधाई दी. इन दोनों नेताओं ने मंत्री से मिलकर कांके के मानसिक अस्पताल रिनपास के बारे में वस्तु स्थिति से अवगत कराया. कहा कि कई वर्षों से यहां पर निजी सुरक्षा गाड्र्स, सफाई सेवकों द्वारा संस्थान का कार्य हो रहा है. मानसिक रोगियों की सेवा, वार्ड में सेवा और ओपीडी में सेवा यह सभी कार्य निजी सुरक्षा गार्ड ही कर रहे हैं, क्योंकि यहां नर्सों, वार्ड अटेंडेंट की भारी कमी है. दोनों नेताओं ने रिनपास आकर यहां की वस्तु स्थिति की जानकारी लेने और जांच करने का भी आग्रह मंत्री महोदय से किया.

शूटिंग चैंपियनशिप में निशांत सिंह को मिला गोल्ड

कांके। 14 वां स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में रांची के निशांत सिंह को गोल्ड मेडल मिला है. देवघर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में सभी जिलों के लगभग आठ सौ प्रतियोगी शामिल हुए थे. सभी प्रतियोगियों ने निशाना साधा. निशानेबाज निशांत सिंह ने सभी को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया. श्री सिंह के आवास पर बधाईयां देनेवालों का तांता लग गया. निशानेबाजी में निशांत को गोल्ड मेडल मिलने पर डॉ शंभू प्रसाद सिंह, पंकज कुमार, बबलू मिश्रा, नीतीश तिवारी, क्षितिज शुक्ला, गुड्डू शुक्ला, मदन कुमार महतो, महेश कुमार मनीष, विष्णु यादव सहित कई गणमान्य लोगों ने इन्हें बधाई दी है और उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की है.

शूटिंग चैंपियनशिप में उन्नति को मिले तीन गोल्ड

चान्हो। राज्यस्तरीय 14वां झारखंड राज्य राइफल शूटिंग चैंपियनशिप में उन्नति बाघवार ने 10 मीटर ओपन साइट एअर राइफल के तीन श्रेणियों पहला स्थान प्राप्त कर तीन गोल्ड मेडल अपने नाम किया. उन्नति बाघवार कक्षा आठ की छात्रा है और चान्हों स्थित बाघवार एकेडमी के निदेशक अशोक बाघवार की पुत्री है. उन्नति बाघवार राइफल शूटिंग का प्रशिक्षण रांची स्थित एकलव्य राइफल शूटिंग क्लब से ले रही है. इसके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से इसके प्रशिक्षक गोविन्दा कुमार, माता-पिता और परिवार के सभी सदस्य बहुत खुश हैं. इस प्रतियोगिता का आयोजन देवघर स्थित देवघर कॉलेज कैंपस में हुआ था.

विधायक ने दो योजनाओं का शिलान्यास किया

इटकी। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के दो अलग-अलग गांव में दो विकास योजनाओं का शिलान्यास विधिवत रूप से शिलापट से पर्दा हटा कर किया . कुर्गी पंचायत के तरगड़ी गांव में कल्याण विभाग से स्वीकृत 14 लाख के प्राक्कलन राशि से मुस्लिम कब्रिस्तान का सुंदरीकरण, जनाजा शेड,फेबर ब्लॉक रोड, लाइट, बोरिंग सहित अन्य कार्य किया जाएगा. कुंदी गांव में 24 लाख की लागत से ईसाई कब्रिस्तान कीचहारदीवारी निर्माण कार्य का किया जायेगा. ग्रामीणों ने दोनों जगह विधायक का स्वागत किया गया. मौके पर इटकी कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रमेश महली, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष वसीम एकबाल, अबरार इमाम, राजन किस्पोट्टा आदि शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

कांग्रेसियों ने मंत्री इरफान अंसारी से की मुलाकात

खलारी। खलारी कांग्रेस एवं श्रावणी मेला समिति के सदस्यों ने नवनियुक्त ग्रामीण विकास मंत्री डा. इरफान अंसारी से मुलाकात कर उन्हें बधाई दिया . श्रावणी मेला के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का आमंत्रण दिया. आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए डा इरफान अंसारी एवं मौके पर उपस्थित विधायक राजेश कच्छप ने समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं दिया एवं उद्घाटन समारोह सम्मिलित होने की हामी भारी . इस अवसर पर तनवीर आलम, विक्की सिंह, नीरज यादव. इश्तियाक अंसारी. अजय तिर्की आदि उपस्थित थे .

सोनाहातू में रामचंद्र पेट्रोल पंप का उद्घाटन

सोनाहातू । सोनाहातू-सिल्ली पथ के सारेयाद मोड़ के समीप बुधवार को रामचंद्र पेट्रोल पंप का उद्घाटन हुआ . उद्घाटन स्टेट इंजीनियरिंग हेड अमित अरोड़ा, टेरिटरी मैनेजर रांची रिटेल प्रवीण कुमार, सेल्स ऑफिसर प्रीतम चंद्र बानिक, असिस्टेंट मैनेजर इंजीनियरिंग रूमित पाल्मू लेप्चा, संचालक रिंकू भगत, बीडीओ खगेश कुमार, सीओ मनोज महथा, थाना प्रभारी चंदन कुमार प्रमुख विक्टोरिया देवी, पूर्व जिप उपाध्यक्ष चितरंजन महतो के संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया.

बुंडू में इस वर्ष दिख रहा है सूखे के आसार

बुंडू। बुंडू प्रखंड में इस वर्ष किसानों को सूखे का आसार दिखाई दे रहा है.मौसम वैज्ञानिकों ने कुछ दिनों पूर्व राज्य में भारी बारिश की संभावना की पूर्व सूचना दिया था. लेकिन भारी तो क्या बुंडू क्षेत्र में मध्यम दर्जे की भी वर्षा नहीं हुई है. प्रखंड के कुछ हिस्सों में अभी तक वर्षा नहीं होने के कारण धान का बीज भी खेतों में नहीं डाला है. वहीं छिटपुट कहीं कहीं किसानों ने पानी का पटवन कर खेतों में बिचड़ा तैयार कर रहे हैं. किसान बताते हैं रथ यात्रा में किसान रोपनी कार्य आधा करके रथ मेला देखने जाते थे. लेकिन इस वर्ष तो किसान वर्षा नहीं होने के कारण अपने खेतों में धान का बीज भी नहीं डाला है.

137 टॉपर छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया

इटकी। प्रखंड स्थित बालिका उच्च विद्यालय परिसर में बुधवार को मैट्रिक व इंटर के छात्र छात्राओं के लिए मेधा विद्यार्थी सम्मान समारोह 2024 का आयोजन किया. मुख्य अतिथि मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई. विधायक ने प्रखंड में मैट्रिक की परीक्षा में अधिक अंक लाकर प्रखंड में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, स्थान लाने वाले छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया. प्रखंड में इंटर के साइंस,आर्ट्स एवं कॉमर्स में अधिक अंक लाकर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को भी प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया.

नामकुम आर्मी कैंप में एक सौ पौधे किया गया रोपण

नामकुम। आर्मी फैमिली वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की ओर से नामकुम स्थित प्रथम बटालियन बिहार रेजिमेंट एक सौ पौधा लगाया गया. ऑर्गनाइजेशन की कोऑर्डिनेटर श्रेया सरन पवार के नेतृत्व में आर्मी आर्मी पदाधिकारी व सैनिकों के नाम पर ऑफिसर, ऑफिसर क्वार्टर, फैमिली क्वार्टर सहित अन्य जगहों पर नीम, गुलमोहर, गंभारी, अमरूद आदि के पौधे का पोधरोपण किया गया. श्रेया सरन ने पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने और ग्रह पर मनुष्यों को ऑक्सीजन प्रदान करने में पेड़ और जंगल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

सीएम ने समीक्षा कर विधि-व्यवस्था को लेकर दिये थे निर्देश

देर रात सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने निकले आईजी और डीआईजी

संवाददाता। रांची

राज्य की विधि व्यवस्था को लेकर डीजीपी समेत कई अन्य अधिकारियों के साथ सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को समीक्षा बैठक की थी. सीएम के निर्देश के बाद मंगलवार देर रात रांची जोनल आईजी अखिलेश कुमार झा और रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने निकले. उन्होंने पूरे शहर का भ्रमण किया और देखा कि जिन पुलिसकर्मियों के भरोसे राजधानी के लोग हैं, वे किस तरह ड्यूटी कर रहे हैं.

पुलिसकर्मियों को दिए जरूरी निर्देश : आईजी व डीआईजी ने शहर के विभिन्न जगहों पर तैनात पुलिसकर्मियों को जायजा के दौरान कई तरह के निर्देश दिए. इसके अलावा उन्होंने कार और बाइक चालकों की खुद से चेकिंग भी की. वाहन चालकों के लाइसेंस और अन्य चीजों को चेक किया. निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों से पूछताछ की. वाहनों की चेकिंग के बारे में जानकारी ली. साथ ही पुलिसकर्मियों की संख्या के बारे में भी जाना. इस दौरान कोतवाली, सिटी और हटिया डीएसपी भी मौजूद थे.

पुलिस कर्मियों को दिशा- निर्देश देते आईजी व डीआईजी.

डीआईजी ने ट्रैफिक पुलिस के जवानों को किया ब्रीफ

रांची। रांची रेंज के डीआईजी अनुप बिरथरे ने ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात जवानों का ब्रीफिंग किया है. बुधवार को डीआइजी ने हॉटलिप्स चौक से अरगोड़ा चौक तक के सभी ट्रैफिक पोस्टों पर तैनात पुलिसकर्मियों को यातायात सुगम बनाने और आम लोगों से सभ्य और अनुशासित व्यवहार करने के लिए किन-किन बातों को ध्यान रखना चाहिए, इसके संबंध में ब्रीफिंग की गई. इसके अलावा ट्रैफिक पोस्टों में अच्छे कार्य करने वाले ट्रैफिक पुलिस को मनोबल बढ़ाये रखने के लिए पुरस्कृत भी किया जाएगा. जिसमें गाड़ीखाना चौक पर प्रतिनियुक्त हवलदार, अशोक कुमार सिंह और किशोरगंज चौक पर प्रतिनियुक्त महिला आरक्षी, सरोज कुमारी कर्ण शामिल है.

हजारीबाग के ओएसिस स्कूल में सीबीआई जांच का दायरा बढ़ा

नीट (यूजी) पेपर लीक

- सप्ताह भर से हजारीबाग में है सीबीआई की छह सदस्यीय टीम
- विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन, रिजल्ट व रजिस्टर की कर रही जांच

हजारीबाग। नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम सप्ताह भर से हजारीबाग में डेरा डाले हुई है. सूत्रों की मानें, तो हजारीबाग से गिरफ्तार दो शिक्षाविद समेत तीन आरोपियों से पूछताछ के बाद मामले की जांच को लेकर छह सदस्यीय टीम शहर के डीवीसी गेस्ट हाउस में ठहरी हुई है. इस क्रम में पेपर लीक के ऐपिसेंटर माने जा रहे हजारीबाग के कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल में भी टीम ने दोबारा जांच की है.

पूर्व प्रिंसिपल के पीएचडी डिग्री की भी जांच : सीबीआई के अफसर ओएसिस स्कूल से कई रजिस्टर और दस्तावेज को जब्त कर गहन जांच कर रहे हैं. सूत्रों के अनुसार, पेपर लीक मामले में गिरफ्तार हुए ओएसिस स्कूल के तत्कालीन प्रिंसिपल डॉ एहसान उल हक की पीएचडी डिग्री की भी जांच की जा रही है. बताया जा रहा है कि सीबीआई को ऐसी सूचना मिली है कि डॉ हक की डिग्री फर्जी है. साथ ही स्कूल के नौवीं व 10वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के रजिस्ट्रेशन पेपर और रिजल्ट की भी जांच की जा रही है. इससे पूर्व सीबीआई की टीम ने विगत रविवार को शहर के होटल, रिसॉर्ट व बैंक्वेट हॉल के विजिटर्स बुक व बिल बुक की भी जांच की थी.

आसपास

डीएमओ की कार्रवाई के बाद अपराधियों ने फूंके दो ट्रैक्टर

संवाददाता। बुढ़मू

बालू परिवहन पर डीएमओ ने मंगलवार रात को कार्रवाई करते हुए आठ ट्रैक्टर व पांच टर्बो को जब्त किया.इनके जाते ही कुछ उपद्रवियों ने जब्त ट्रैक्टरों में दो को आग के हवाले कर दिया. जिसकी सूचना क्षेत्र में आग की तरह फ़ैल गई. हलांकि मामले कि सूचना जैसे ट्रैक्टर मालिकों को मिली आनन फानन में अधजला ट्रैक्टर को रात में ही हटा दिया .सूत्रों कि माने तो जला हुआ ट्रैक्टर उमेडंडा निवासी की बताई जा रही है. हाल ही में दोनों ट्रैक्टर को खरीदा गया था.हलांकि मामले पर प्रशासन चुप है. सूत्रों कि माने तो रांची डीएमओ द्वारा पकड़ा गया ट्रैक्टर व टर्बो वाहन समाजसेवी, नेता व प्रतिनिधि कि बताई जा रही है.

अवैध बालू परिवहन के दौरान केरेडारी - बुढ़मू बॉर्डर पर करेडारी थाना का पीसीआर तैनात रहता है . जो वाहनों से मोटी रकम लेकर पास कराता है, यह सिलसिला लगातार जारी है, इस अवैध बालू के खेल मे केरेडारी थाना का प्रमुख भूमिका रहता है. अगर करेडारी थाना चाहे तो एक भी वाहन ना चले.

जब्त किये गये बालू लदे ट्रैक्टर.

इन क्षेत्रों से होता है उठाव : खूंटी जिला के बक्सपुर,रांची जिला के लापुंग,सिल्ली, छापर, बुंडू व पतरातू आदि क्षेत्रो से भारी मात्रा मे अवैध बालू का उठाव किया जा रहा है, लापुंग, सिल्ली, पतरातू,बुंडू व बक्सपुर से सैकड़ों हाइवा वाहनों से उठाव किया जा रहा है. इस दौरान उठाव करने वाले क्षेत्रों में पड़ने वाले थाना को मैनेज करने के लिए कई दलाल एक्टिव है.

आमया सरवर अंसारी के परिवार से मिला

संवाददाता। बेड़ो

सरवर अंसारी मॉबलींचिग पीड़ित परिवार से मिले आमया संगठन के पदाधिकारी. मृतक के बड़े भाई मोबारक अंसारी ने बताया कि बेड़ो प्रखंड, करांजी गांव निवासी सरवर अंसारी जो राजमिस्त्री का काम किया करता था और 20 अप्रैल की शाम में साथ में काम करने वाले लेबर रेजा को पैसा पहुंचाने चरिमा गांव (ईटा) गया था साथी रेजा बिरसमुनी उराईन द्वारा विडियो में बतायें अनुसार गांव के युवकों द्वारा सरवर अंसारी के मोटरसाइकिल से चाभी निकालकर उन्हें बंधक बनाकर मारपीट करने लगे बिरसमुनी द्वारा बीच बचाव करने पर उन्हें जान से मारने कि धमकी देकर भगा दिया.

हमलोग गांव जाकर खोजबीन करने लगे लेकिन (मुख्य आरोपी) दिग्भ्रमित करते रहा. इधर भीड़ ने सरवर अंसारी का मॉबलींचिग कर शव को रांची-गुमला एन एच रोड के समीप खेत पर फेंक दिया. 21 अप्रैल 2024 को बेड़ों थाना में एफआईआर दर्ज कराया लेकिन थाने द्वारा मॉबलींचिंग के तहत प्राथमिकी दर्ज ना कर साधारण हत्या के तहत केस दर्ज किया है. नामजद लोगों में पांच लोगों की गिरफ्तार हुई लेकिन मुख्य आरोपी और अज्ञात लोगों कि गिरफ्तारी अब तक नहीं हुई है, इस संदर्भ में एसएसपी को भी लिखित आवेदन दिया गया है. आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान हुई सरवर अंसारी कि मॉबलींचिग को सेकुलर दल के नेताओं द्वारा दबाने और दिग्भ्रमित करने का काम किया है. राज्य सरकार व जिला प्रशासन इसकी जांच एसआईटी द्वारा कराए साथ पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा और उनकी विधवा को सरकारी नौकरी दिये जाए. मौके पर करांजी अंजुमन के सदर शोएब अंसारी, आमया संगठन के इमरान अंसारी, एकराम अंसारी, शेख अयुब अंसारी, अफताब आलम, जावेद अख्तर, तैय्यब अंसारी, आकाज मंजर आदि शामिल थे.

सरवर के परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी लेते आमया के सदस्य.

परेशानी 644 में 10 लाभुक ही अब तक जमा कर पाये हैं आवास की पांचवी किस्त

बिरसानगर किफायती आवासीय परियोजना में रुचि नहीं ले रहे लाभुक

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के घटक-3 के तहत बिरसानगर में निर्माणाधीन किफायती आवास परियोजना में लाभुक रूचि नहीं ले रहे हैं. जिसके कारण जेएनएसी की चिंता बढ़ गई है. प्रथम चरण में 664 लाभुकों को आवास की चाबी सौंपने की योजना है. लेकिन अब तक केवल 10 लाभुक ही पांचवी किस्त की राशि जमा कर पाए हैं. हालांकि विभागीय पहल पर 46 लोगों ने किस्त जमा करने पर सहमति दी है. बिरसानगर में उपरोक्त योजना के तहत 9592 आवास का निर्माण किया जा रहा है. जिसमें प्रायोरिटी ब्लॉक 8 एवं 23 में 644 आवास का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है. सितंबर 2024 तक उक्त आवास लाभुकों को हैंडओवर किया जाना है. लेकिन किस्त जमा करने में लाभुक रूचि नहीं ले रहे हैं. बुधवार को उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने इसकी समीक्षा की. जिसमें पाया गया कि 644 लाभुकों ने दूसरी किस्त (101500 रुपया) जमा की है. जबकि 134 ने तीसरी किस्त, 24 ने चौथी किस्त तथा 10 लाभुकों ने पांचवी किस्त जमा की है. ऐसे में पूर्ण हो चुके 644 आवास के लिए शेष बचे हुए 634 लाभुकों को जेएनएसी ने मोटिवेट करने के लिए फोन कॉल, नोटिस भेजकर एवं कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया. मिलने वाले घर की कुल लागत 8 लाख 81 हजार रुपये है. जिसमें 4 लाख 31 हजार रुपये लाभुक को जमा करना है, शेष 2.5 लाख रुपये केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर वहन करेगी.

705 करोड़ की लागत से होना है निर्माण

बिरसानगर में बन रहे किफायती आवास परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 705 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी. जिसके बाद झारखंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (जुडको) ने 32 ब्लॉक में 9592 आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ किया. प्रति फ्लैट का कारपेट एरिया 313 वर्गफीट निर्धारित किया गया. जिसमें एक लिविंग रुम, एक बेड रूम, एक रसोईघर, एक बाथरूम एवं एक बालकनी रहेगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष संतान के लिए प्रयासरत हैं तो समय उत्तम है. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. झाड़ू का दान करें. कृष्ण भगवान को लड्डू का भोग लगावें.

वृषभ माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी वृद्ध महिला से विवाद होगा. कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेगा. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें.

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. लड्डू का भोग लगावें.

कर्क धन के आगमन से मन खुश होगा. समय बहुत ही उत्तम है. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. आलस का त्याग करें.

सिंह शारीरिक थकान हो सकती है. धन के लिए दिन अच्छा है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी, भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है.

कन्या खर्च अधिक हो सकता है. मानसिक रोगों से बचना चाहिए. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला चोट व रोग से हानि की आशंका है, लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. कार्य को लेकर जल्दबाजी न करें.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु समय सामान्य है. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा. अन्न और जल दान करें.

मकर कुछ मानसिक तनाव हो सकता है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ समय बहुत ही उत्तम है. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. किसी मंदिर में झाड़ू का दान करें.

मीन मौसमी बीमारियों से बचाव की आवश्यकता है. समय लाभ का मौका देगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. जल्दबाजी में कोई व्यवहार न करें. गणेश जी को लड्डू का भोग लगावें.

मनरेगा घोटाला: ईडी के तत्कालीन डिप्टी डायरेक्टर का बयान दर्ज

रांची। मनरेगा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की ओर से तत्कालीन उप-निदेशक सुबोध कुमार की गवाही कोर्ट में दर्ज हुई. ईडी की गवाही पूरी होने के बाद बचाव पक्ष की ओर से भी क्रॉस एग्जामिनेशन(प्रतिप्रेक्षण) किया गया. सुबोध कुमार ने अपनी गवाही में कोर्ट को बताया कि मनरेगा घोटाले से की गयी अवैध कमाई के पैसों की मनी लाउंड्रिंग किस तरह से की गयी. ईडी अब तक एक दर्जन से अधिक गवाहों को प्रस्तुत कर चुकी है. गवाही के दौरान जेल में बंद सस्पेंड आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित हुई. अदालत में मामले की अगली सुनवाई 12 जुलाई को होगी. पूजा सिंघल 25 मई 2022 से जेल में बंद हैं. इसी मामले में बर्खास्त जूनियर इंजीनियर राम बिनोद कुमार सिन्हा एवं असिस्टेंट इंजीनियर शशि प्रकाश भी जेल में हैं.

चलाया अभियान : सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें : डीटीओ

हजारीबाग। शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम व सुदृढ़ बनाने हेतु नियमित रूप से जांच अभियान चलाए जा रहे है. इसी क्रम में बुधवार को जिला परिवहन पदाधिकारी तथा यातायात पुलिस के द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया. बुधवार को हुए जांच अभियान में बिना निबंधित टोटो और ऑटो वाहनों को जब्त करते हुए जुर्माना वसूली की गईं. इस दौरान सड़क सुरक्षा टीम के द्वारा पकड़े गये वाहन चालकों को यातायात व्यवस्था के नियमों के पालन करने की काउंसलिंग की गई. बुधवार को हुए वाहन जांच अभियान में लगभग 130 ऑटो तथा टोटो वाहन जब्त किए गए. इन वाहनों के दस्तावेज सत्यापन के उपरांत कुल 65 वाहन को छोड़ दिया गया. जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि इस प्रकार के जांच अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे. लोगों से भी अपील है कि यातायात के नियमों का पालन करें तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें.

जोनल आईजी पहुंचे लोहरदगा, किया कार्यालय का निरीक्षण

संवाददाता। लोहरदगा

खास बातें

- सशस्त्र बल के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया
- कार्यालय कक्ष में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की

रांची प्रक्षेत्र के जोनल आईजी अखिलेश झा बुधवार को लोहरदगा पहुंचे. लोहरदगा पहुंचते ही लोहरदगा के पुलिस कप्तान हारिस बिन जमां द्वारा आईजी झा को पारंपरिक रूप से बुके देकर स्वागत किया. इसके बाद सशस्त्र बलों द्वारा आईजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया.

आईजी झा ने कैंपस में शहीद एसपी डॉ अजय कुमार सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया. परंपरागत रूप से स्वागत के बाद आईजी ने एसपी कार्यालय में स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया. सबसे पहले वे लोहरदगा एसपी कार्यालय परिसर स्थित रिसेप्शन काउंटर में पहुंचे. एसपी के कार्यालय कक्ष में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की.आईजी के लोहरदगा आने को लेकर पुलिस विभाग सतर्क थी. आईजी द्वारा पुलिस से संबंधित सभी विभागों की बारी-बारी से निरीक्षण किया. उन्होंने एसपी सहित जिले के शीर्ष पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कई दिशा निर्देश भी दिए. नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी इंतजाम पर आईजी ने दिया जोर आईजी ने लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी इंतजाम के साथ-साथ सेफ्टी पर भी ध्यान रखने के निर्देश दिए. उन्होंने जिले की भौगोलिक स्थिति एवं उग्रवादी गतिविधियों के अनुरूप काम करने का निर्देश दिया. मौके पर पुलिस कप्तान हारिस बिन जमां, डीएसपी मुख्यालय समीर तिर्की सहित, सार्जेंट मेजर, सार्जेंट, सभी इंस्पेक्टर, सभी थाना इंचार्ज आदि मौजूद थे.

स्थायीकरण की मांग को ले मनरेगाकर्मियों ने दिया धरना

मांगें पूरी नहीं हुईं तो 22 से अनिश्चितकालीन हड़ताल

धरना कार्यक्रम को संबोधित करते जिला अध्यक्ष.

संवाददाता। पलामू

स्थायीकरण की मांग को लेकर बुधवार को मनरेगाकर्मियों ने पलामू समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया. धरना के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को मांग पत्र समर्पित किया गया. मांगे पूरी नहीं होने पर 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की गयी.धरना को संबोधित करते हुए संघ के जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि मनरेगाकर्मी 17 वर्षों से सरकार को संतोषजनक सेवा दे रहे हैं. अब स्थायीकरण और वेतनमान के अलावा अन्य किसी भी मांग पर समझौता नहीं होगा. प्रदेश संरक्षक देवेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि यदि हमारी मांगे नहीं मानी गई तो हमने जो मुहिम छेड़ी है, उसे हम और भी तेज और धारदार करेंगे. सरकार को हमारी बातें सुननी चाहिए और सेवा स्थायीकरण तथा वेतनमान का वादा पूरा करना चाहिए. प्रदेश सचिव विकास पाण्डेय ने कहा कि सड़क दुर्घटना में अपाहिज या मृत्यु होने पर इलाज के अभाव में दम तोड़ने या गरीबी से तंग आकर आत्महत्या कर लेने के बाद मनरेगा कर्मी का परिवार अनाथ हो जाता है. धरना में रामाकांत तिवारी, अख्तर हुसैन, दीपक तिवारी, चंद्रशेखर कुमार, अभय दुबे निर्मलकांत ठाकुर, आशीष कुमार, रंधीर प्रकाश, हितेश दुबे, निहाल आलम, प्रदुमन कुमार, पवन, गंगा, जनेश्वर राम, विनय राम, नीतेश कुमार, शंभू तिवारी, पप्पु कुमार, कुंदन ठाकुर, अवधेश विश्वकर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए.

हुसैनाबाद में गर्मी के कारण डायरिया का प्रकोप शुरू

पलामू। उमस भरी गर्मी के चलते जिले के हुसैनाबाद में डायरिया का प्रकोप शुरू हो गया है. प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में दर्जनों लोग इस संक्रामक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं. किंतु स्थिति अभी सामान्य है. स्वास्थ्य विभाग की ओर से डायरिया से निपटने हेतु स्थानीय अनुमंडलीय अस्पताल में मुक्कमल व्यवस्था की गयी है. फिलहाल अस्पताल में नगर पंचायत क्षेत्र की एक महिला अख्तरी बेगम भर्ती है जिसका इलाज किया जा रहा है, जबकि एक मरीज को ठीक कर उसे छुट्टी दे दी गयी है. चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दीपक कुमार ने बुधवार को कहा कि इस समय हर किसी को खानपान में विशेष परहेज बरतने की जरूरत है. चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दीपक ने बताया कि डायरिया के प्रमुख कारण दूषित पानी और संक्रमित भोजन हैं. उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ पानी ही पीएं और बाहर का भोजन करने से बचें.

करंट से दो बच्चियां झुलसीं, रिम्स रेफर

कोडरमा। जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र के प्रेम नगर में बुधवार को हाई वोल्टेज करंट से दो बच्चियां गंभीर रूप से झुलस गई. इनकी पहचान परिमल सिंह की 9 वर्षीया पुत्री पीहू कुमारी और बिहार के हरदिया निवासी मनीष सिंह की 9 वर्षीया पुत्री रूही कुमारी के रूप में हुई है. बच्चियों के परिजनों ने बताया कि घर में रिश्तेदार की शादी थी. बुधवार की सुबह बच्चियां घर के तीसरे तल्ले पर खेल रही थी. घर के ऊपर से गुजरा 11 हजार हाई वोल्टेज तार हवा चलने के बाद छत के करीब आ गया था. हाई वोल्टेज करंट के झटके से दोनों बच्ची गंभीर रूप से झुलसकर छत से नीचे गिरकर घायल हो गई. इसके बाद घर वाले दोनों को सदर अस्पताल कोडरमा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया. दोनों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है.

70 वर्ष की आयु में जीता गोल्ड मेडल, बढ़ाया मान

रामगढ़। रामगढ़ शहर के बसंत हेतमसरिया 70 वर्ष की आयु में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है. उन्होंने शूटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर रामगढ़ जिले का मान बढ़ाया है. उन्होंने देवघर में आयोजित 14वें झारखंड राज्य शूटिंग चैंपियनशिप के 10 मीटर पिस्टल (एनआर) सीनियर मास्टर पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा में यह गोल्ड मेडल हासिल किया है. यह आयोजन देवघर के कुमार सुरेंद्र सिंह शूटिंग रेंज में सात से 10 जुलाई तक हुआ. उन्होंने नवंबर 2023 में रामगढ़ के फ़ीनिक्स शूटिंग एकेडमी में पिस्टल सीखना शुरू किया था. महज सात महीने के प्रयास में राज्य स्तर पर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया.

घर-घर की कहानी, जीत-हार का तकाजा

चुनाव नजदीक है, मंत्री और विधायक देख रहे शुभ-अशुभ

- बदल रहे ठिकाना, खोज रहे हैं नया-नया आशियाना

रवि भारती। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव जल्द होने वाला है. इसमें मंत्री सहित विधायकों ने भी जीत की राह तलाशनी शुरू कर दी है. यह बात भी सही है कि चुनाव का फैसला जनता करती है.जनता के साथ कदम ताल कर और सुख-दुख का साथी बनकर ही चुनाव जीता जाता है. लेकिन इन सबके बीच कई नेता और मंत्री शुभ- अशुभ को भी दिमाग में रखते हैं.

इस कड़ी में कई मंत्री अपना ठिकाना बदल रहे हैं और नए आशियाने में शिफ्ट हो रहे हैं. कई मंत्रियों और विधायकों को जो आवास आंबटित किए गए हैं, उसमें रहकर किसी ने दुबारा जीत हासिल नहीं की है. इस ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए मंत्री और विधायक अब आशियाना बदल रहे हैं.

जिस आवास में सत्यानंद रहते हैं, उसमें रहने वाले दोबारा जीत नहीं पाए : कैबिनेट मंत्री सत्यानंद भोक्ता जिस आवास में रहते हैं, उसमें रहने वाले विधायक और मंत्री दोबारा जीत नहीं पाए. रघुवर सरकार में मंत्री रहीं डॉ लुईस मरांडी दुबारा जीत हासिल नहीं कर पाईं. इससे पहले यह आवास स्वर्गीय राजेंद्र सिंह और समरेश सिंह को आबंटित किया गया था. ये लोग भी दुबारा जीत नहीं पाए थे. इस अवास में रहते हुए दोनों चुनाव हार गए थे. यह आवास रातू रोड स्थित आकाशवाणी के पास है.

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना ने भी बदल लिया ठिकाना

चर्चा यह भी है कि शुभ- अशुभ के चक्कर में ही स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी नए आशियाना में शिफ्ट हो गए हैं. उनका पुराना आवास डोरंडा में था, लेकिन अब वे दीनदायल नगर स्थित नए आवास में चले गए हैं. डोरंडा स्थित बन्ना गुप्ता के आवास में रघुवर सरकार के मंत्री राज पालिवाल रहा करते थे. वे 2014 में चुनाव जीत कर आए. इस आवास में रहते हुए वे दोबारा चुनाव जीत नहीं सके. 2019 के चुनाव में राज पालिवाल चुनाव हार गए. इससे पहले 2009 में सावना लकड़ा (अब स्वर्गीय) रहते थे. वे भी इस घर में रहते हुए चुनाव हार गए थे.

पूर्णिमा नीरज सिंह ने भी सरकारी आवास को कहा बाय- बाय

पूर्णिमा नीरज सिंह ने भी दीनदयाल नगर स्थित सरकारी आवास को बाय-बाय कह दिया है. इसकी चर्चा तेज है कि इस सरकारी आवास में रहने वाले दुबारा चुनाव नहीं जीत पाए. इस आवास में सबसे पहले आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो रहा करते थे. इस आवास में रहते हुए सुदेश चुनाव में हार गए. इसके बाद यह आवास सुखदेव भगत को मिला. वो भी इस आवास में रहते हुए चुनाव हार गए. फिर यह आवास मनोज यादव को आबंटित हुआ, वह भी इस आवास में रहते हुए दोबारा चुनाव नहीं जीत पाए थे.

स्वर्ण आभूषण की दुकानों में लूट का मामला

आभूषण व्यवसायी ने दी चेतावनी कहा- 14 को करेंगे धरना-प्रदर्शन

संवाददाता। पलामू

जिले के अलग-अलग प्रखंडों के बाजार क्षेत्र में स्वर्ण आभूषण की दुकानों में लूट के साथ ज्वेलरी गायब करने की एक दर्जन घटनाएं सामने आ चुकी हैं. किसी मामले का उद्भेदन नहीं हुआ. ऐसे में पलामू जिला स्वर्णकार संघ ने बड़े स्तर पर आंदोलन की चेतावनी जिला प्रशासन को दिया है. एक-दो मामले का भी 13 जुलाई तक उद्भेदन नहीं होने पर संघ से जुड़े स्वर्ण आभूषण व्यवसायी 14 जुलाई को छहमुहान पर धरना-प्रदर्शन करेंगे. इस सिलसिले में बुधवार को संघ के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा जौहरी एवं जिलाध्यक्ष धनंजय सोनी ने संयुक्त रूप से डालटनगंज शहर के एक होटल में पत्रकारों को संबोधित किया. धनंजय सोनी ने कहा कि पिछले तीन माह के दौरान जिले नावा बाजार, छतरपुर, सतबरवा, पोची, पांकी, मनातू, सगालीम, लेस्लीगंज आदि इलाकों में लूटपाट एवं दुकान से लाखों की ज्वेलरी गायब कर देने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं लेकिन एक भी मामले का उद्भेदन पुलिस नहीं कर पायी है. इस सिलसिले में पिछले दिनों पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा गया था. संघ के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा जौहरी ने कहा कि स्वर्ण कारोबारी को साफ्ट टारगेट बनाया जाता है. पलामू में 850 दुकानें हैं. धरना के बाद भी घटनाओं को लेकर कार्रवाई नहीं होती है तो सारे दुकानदार अपने-अपने प्रतिष्ठानों को बंद करके चाभी जिला प्रशासन को सौंप देंगे.

कंप्यूटर ऑपरेटर की अवैध वसूली का मामला

सीएम हेमंत सोरेन ने लिया संज्ञान चतरा डीसी को दिया जांच का निर्देश

खास बातें

- छात्रवृत्ति राशि नहीं मिलने पर भी मंत्री को दिया निर्देश
- सीएम ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर लिखा

संवाददाता। रांची

चतरा जिले के सरकारी कार्यालयों में पदास्थापित कंप्यूटर ऑपरेटरों द्वारा अवैध वसूली की खबर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया है. सीएम ने चतरा डीसी को तत्काल जांच करने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर सूचित करने निर्देश दिया है. सीएम ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर लिखा है कि इस मामले की जांच करें और दोषियों पर कठोर कार्रवाई कर हमें सूचित करें. मालूम हो कि चतरा जिले के सरकारी कार्यालयों में पदास्थापित कंप्यूटर ऑपरेटरों द्वारा अवैध वसूली करने का मामला प्रकाश में आया है. साथ ही एक ही कार्यालय में वर्षों से कई कंप्यूटर ऑपरेटर जमे हुए हैं.

छात्रवृत्ति राशि नहीं मिलने पर भी मंत्री को दिया निर्देश

मुख्यमंत्री सोरेन ने संजय कुमार महतो द्वारा एक्स हैंडल में छात्रवृति राशि नहीं मिलने को लेकर पोस्ट किये मामले पर भी विभागीय मंत्री को निर्देश दिया है. उन्होंने दीपक बिरुआ को मामले में संज्ञान लेने और ऐसे सभी मामलों का शीघ्र निबटारा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने को कहा है. सीएम ने लिखा कि मंत्री दीपक बिरूआ जी कृप्या संज्ञान लें और ऐसे सभी मामलों का शीघ्र निबटारा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दें. बता दें कि संजय कुमार महतो एक छात्र हैं, उन्होंने सीएम और मंत्री को टैग करते हुए लिखा कि माननीय सर हेमंत सोरेन, दीपक बिरूआ जी मैं सरायकेला जिला से हूं. मेरा बीएड सत्र 2019-21 का था. दोनों साल फाइनल अप्रुवल भी किया गया. मगर राशि का भुगतान अभी तक नहीं किया गया, जबकि रांची जिले के छात्र उसी कॉलेज के थे, उन्हें सत्र 20,000 रूपये करके भुगतन किया गया.

सामाजिक कार्यों को लेकर लिए गए कई निर्णय

रामगढ़। भारत विकास परिषद की बैठक बुधवार की देर शाम रांची रोड स्थित होटल अरिहंत के सभागार में आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष हरीश कुमार चौधरी व संचालन सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने किया. जबकि, बैठक में मुख्य रूप से पूर्व संस्थापक अध्यक्ष गोविंद मेवाड़ के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये.

इसमें, 21 जुलाई को मारवाड़ी धर्मशाला के सभागार में नई कमेटी का पदभार एवं मुख्य अतिथियों द्वारा उद्घाटन, इसी वर्ष सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करना एवं सामूहिक विवाह समारोह के कार्यक्रम संयोजक गोविंद मेवाड़ को चुना गया. इसके अलावा बैठक में शहर में विभिन्न जगहों पर रेनकोर्ट, छाता जरूरतमंदों के बीच प्रत्येक रविवार को बांटा जायेगा. साथ ही बैठक में सामाजिक कार्यों को लेकर अन्य निर्णय लिये गये. बैठक का धन्यवाद सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने दिया.

जागरुकता गांवों तक अबुआ बीर दिशोम अभियान की नहीं पहुंच पा रही जानकारी

अफसरों को मिल रहा प्रशिक्षण, फिर भी सफलता पर संदेह

मुख्य संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार ने वन अधिकारों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अबुआ बीर दिशोम अभियान 2023 में शुरू की थी. कल्याण विभाग ने 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के दिन वन पट्टा बड़े पैमाने पर देना तय किया है. लेकिन जिस गति से काम हो रहा है, ऐसा हो पाना संभव नहीं लग रहा है. वन पट्टा के दावे की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार प्रसार नहीं होने से मामला अफसरों तक ही सिमटता जा रहा है.

वन क्षेत्र के निकट रहने वाले ग्रामीण सरकार के इस अभियान को लेकर अनभिज्ञता प्रकट करते हैं. इस पूरे अभियान की सफलता बिना वन गांवों तक जानकारी पहुचाए संभव नही दिख रही है. इस बीच, मुख्य सचिव के निर्देश के बाद विभिन्न जिलों में वन पट्टा के दावे को निपटाने के लिए अफसरों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

बता दें कि अबुआ वीर दिशुम अभियान को लेकर झारखंड सरकार ने 25 जून को एक उच्चस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया था. इसमें मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव संबंधी विभाग के आला अफसर मौजूद थे. इसके अलावे सभी जिला के उपायुक्त, डीएफओ और कल्याण पदाधिकारी भी मौजूद थे. सरकार ने 8611 गांवों को सामुदायिक वन पट्टा देने का लक्ष्य रखा है, लेकिन सरकार के इस अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार नहीं होने के कारण वन पट्टा के दावे जमा नहीं हो पा रहे हैं.

ऐप से किया जाना है दावा, वन क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क ही नहीं

बीर बंधु ऐप के माध्यम से व्यक्तिगत वन अधिकार (आईएफआर) और सामुदायिक वन अधिकार (सीएफआर) दावे लिए जा रहे हैं. ग्राम सभा के ये वन अधिकार दावे वन क्षेत्र में रहने वाले और सरकारी अधिकारियों के बीच पारदर्शक तरीके से दस्तावेजीकरण हो, इसके लिए ऐप का उपयोग किया जा रहा है. लेकिन झारखंड के कई गांव, जो जंगलों के किनारे हैं, वहां मोबाइल नेटवर्क ही नहीं काम करता है. इस कार्य को करने के लिए सरकार ने बीर बंधु कार्यकर्ता की भी नियुक्त हुई है लेकिन इनके ऐप को लेकर प्रशिक्षण की कमी के कारण आपने काम को सही ढंग से नही कर पा रहे हैं. सरकार के इस अभियान की सफलता गांव के स्तर पर बिना जानकारी पहुंचाए संभव नही दिख रही है.

युवक को दारू की भट्ठी में झोंका, मौत, जांच में जुटी कुजू ओपी पुलिस

रामगढ़। कुजू ओपी क्षेत्र में एक युवक को कथित रूप से दारू की भट्ठी में झोंककर मार डालने की घटना सामने आई है. घटना की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक का नाम पिंटू करमाली है. उसके परिजनों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग को लेकर थाने के पास धरना पर बैठे हैं. पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है. मृतक की पत्नी ने पुलिस को दिए आवेदन में कहा है कि उसके पति को भोला साहू एवं राजकुमार मेहता ने दारू की भट्ठी में जलाकर मार डाला. जानकारी के अनुसार कुजू बस्ती में राजकुमार मेहता और भोला साहू मिलकर अवैध दारू भट्ठी चलाते हैं. पिंटू करमाली इसी भट्ठी में काम करता था.

डालटनगंज-औरंगाबाद हाईवे 139 पर टोल टैक्स लगना शुरू

संवाददाता। पलामू

डालटनगंज-औरंगाबाद नेशनल हाईवे-139 पर हैदरनगर थाना क्षेत्र के कौवाखोह टोल प्लाजा पर टोल टैक्स लगना शुरू हो गया है. बुधवार को इसका शुभारंभ किया गया. यह स्थान हरिहरगंज मुख्यालय से 4.6 किलोमीटर दूर है. हालांकि अभी फोरलेन हाईवे में हरिहरगंज के तेंदुआ से बिहार के पोला तक बाईपास का निर्माण होना बाकी है. टोल प्लाजा पर टोल की वसूली के लिए नेशनल हाईवे प्राधिकरण ने टेंडर की प्रक्रिया पहले ही पूरी कर चुकी है. राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना निदेशक मनोज कुमार पांडेय की उपस्थिति में टोल पर टैक्स वसूली चालू हो गयी. इस संबंध में परियोजना निदेशक पांडेय ने जानकारी दी. उन्होंने कहा कि यह परियोजना 34 किलोमीटर की है, जिसमें 29 किलोमीटर झारखंड राज्य में पड़ता है जो निर्माण हो चुका है. उन्होंने कहा कि 25 किलोमीटर यातायात करने वाली गाड़ी उपयोग पर उसी का टोल टैक्स लिया जा रहा है. 6.4 किमी बाईपास का निर्माण मार्च 2025 तक पूरी कर लेने की बात कही. कहा कि बाइक, ट्रैक्टर, ऑटो तथा एम्बुलेंस को टोल टैक्स नहीं लगेगा, जबकि कार, जीप, वैन या हल्के मोटर वाहन को 40 रुपये व हल्के वाणिज्य वाहन, हल्के माल वाहन या मिनी बस को 70 रुपये, बस या ट्रक दो धुरी तक 145, वाणिज्य वाहन तीन धुरी 155 का शुल्क भुगतान करना होगा.

झटका के बाद राहत भी

सर्वोच्च अदालत ने सामान्य सहमति वापस लेने के बावजूद सीबीआई जांच पर बंगाल का मुकदमा विचारणीय माना है, जबकि एक दिन पहले ही सर्वोच्च आदालत ने संदेशखाली हिंसा की सीबीआई जांच के निर्देश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका को खारिज कर दिया था. सर्वोच्च अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि किसी एक व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए राज्य को याचिकाकर्ता के रूप में क्यों आना चाहिए? इसके साथ ही सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने महीनों तक इस मामले में कुछ नहीं किया. बंगाल सरकार के लिए यह कानूनी झटका है. संदेशखाली का मुद्दा लोकसभा चुनाव के समय जोरशोर से उठा था. भारतीय जनता पार्टी और खास कर प्रधानमंत्री ने संदेशखाली हिंसा को चुनावी मुद्दा बना दिया था. यहां ताकि संदेशखाली हिंसा की शिकार एक महिला को भाजपा ने अपना उम्मीदवार भी बनाया, जो चुनाव हार गयी. बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास पुराना है, लेकिन संदेशखाली को ले कर चुनाव के दरम्यान ही कुछ ऐसे वीडियो वायरल हुए थे, जिसमें भाजपा के एक नेता को इस घटना को हवा देते देखा गया था.

> सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई द्वारा अपनी सामान्य सहमति वापस लिए जाने के बावजूद मामले दर्ज करने को लेकर केंद्र के खिलाफ पश्चिम बंगाल राज्य का मुकदमा सुनवाई योग्य है.

चुनाव के दौरान हिंसा पीड़ितों के न्याय का सवाल राजनीतिक शोर में खो गया था. सर्वोच्च अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की खंडपीठ पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा कलकत्ता हाईकोर्ट के उस निर्देश के खिलाफ दायर याचिका पर विचार कर रही थी, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के निलंबित सदस्य शाहजहां शेख और उनके अनुयायियों द्वारा संदेशखाली में भूमि हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच सीबीआई से कराने का निर्देश दिया गया. जस्टिस गवई ने अफसोस जताया कि "राज्य सरकार ने इस मामले में महीनों तक कुछ नहीं किया" और फिर से एक पुराना सवाल उठाया यानी "राज्य को किसी को बचाने में दिलचस्पी क्यों होनी चाहिए." यह एक संजीदा मामला है. राज्य सरकार की याचिका स्वीकार करने के लिए राजी न होने पर सर्वोच्च अदालत की खंडपीठ ने अपना आदेश पारित किया. हालांकि, यह स्पष्ट किया गया कि विवादित आदेश में की गई टिप्पणियों से सीबीआई को निष्पक्ष रूप से अपनी जांच करने में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा. एक अन्य मामले में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से सीबीआई द्वारा जांच के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया है. दरअसल, ममता सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में सीबीआई जांच के खिलाफ दायर याचिका में एक वाद दाखिल किया था, जिसमें कहा गया था कि राज्य द्वारा सीबीआई जांच की सामान्य सहमति वापस लिए जाने के बावजूद एजेंसी वहां जांच कर रही है. इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मामले में विचार करने की बात कही है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल के वाद पर कानून के अनुरूप, गुण-दोष के आधार पर कार्रवाई की जाएगी. कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार की तरफ से आपत्ति को भी खारिज कर दिया. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीबीआई द्वारा अपनी सामान्य सहमति वापस लिए जाने के बावजूद मामले दर्ज करने को लेकर केंद्र के खिलाफ पश्चिम बंगाल राज्य का मुकदमा सुनवाई योग्य है. केंद्र द्वारा उठाई गई प्रारंभिक आपत्तियों को खारिज करते हुए जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल राज्य की शिकायत में कार्रवाई के लिए तर्क है. पीठ ने केंद्र द्वारा दी गई इस दलील को भी खारिज कर दिया.

सुभाषित

परोऽपि हितवान् बन्धुः बन्धुरप्यहितः परः।
अहितो देहजो व्याधिः हितमारण्यमौषधम्॥

बीमारियां हमारे शरीर के भीतर रहते हुए भी हमारा बुरा करती हैं और औषधियां हमसे दूर पेड़-पौधों में रहकर भी हमारा भला करती हैं. इसी प्रकार से जिनसे हमारा रक्त का सम्बन्ध अर्थात् किसी प्रकार की रिश्तेदार न हों किन्तु हमारा हित करें तो वे अपने होते हैं और यदि रिश्तेदार होकर भी कोई हमारा अहित करे तो वह पराया होता है.

दुनिया की बदलती सियासत

लेबर पार्टी लंबे समय से इस तनाव से जूझती रही है. ब्लेयर ने इसीलिए रूपट मर्डोक से अपने लिए मान्यता चाही थी और स्टार्मर ने भी ब्रिटेन के कारोबारी नेतृत्व से समर्थन पाने के लिए मेहनत की है. स्टार्मर ने कारोबारी नेतृत्व से समर्थन और प्रायोजन के पत्र हासिल करने पर बहुत जोर दिया है. यहां तक कि एक अरबपति को भी उन्होंने साथ जोड़ लिया, जो पहले कंजर्वेटिव पार्टी को चंदा देता था.

• देश-काल

एरन रीव्सु/ सैम फ्रीडमैन

ब्रिटेन में लेबर पार्टी की जो नई सरकार बनने जा रही है, उसका वर्गीय चरित्र पहले की सरकारों से बुनियादी रूप से अलग होगा. लेबर पार्टी की नई संभावित कैबिनेट के हमारे विश्लेषण के अनुसार कीर स्टाबर्मर की कैबिनेट के कोई 46 प्रतिशत सदस्यों के माता-पिता 'मजदूर वर्ग' से आते हैं. यह आंकड़ा व्यापक कामगार आबादी के मुकाबले औसतन कहीं ज्यादा है और निवर्तमान कंजर्वेटिव सरकार की कैबिनेट के मुकाबले ठीक उलटा है, जिसके सात प्रतिशत सदस्यों के मां-बाप मजदूर तबके से हैं. इसी तरह हम पाते हैं कि निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव सरकार के 69 प्रतिशत सदस्य किसी न किसी बिंदु पर निजी शिक्षा संस्थानों से निकले हुए रहे, जबकि स्टार्मर की कैबिनेट के मामले में यह 17 प्रतिशत है. यह आंकड़ा लेबर पार्टी के पिछले मंत्रिमंडलों के मुकाबले काफी कम है. टोनी ब्लेयर की पहली कैबिनेट के 32 प्रतिशत सदस्य निजी शिक्षा पाए हुए थे, जबकि हैरोल्ड विल्स्न की सरकार में यह संख्या 35 प्रतिशत और क्लीरमेंट एटली की सरकार में 25 प्रतिशत थी. पूरे देश में कोई 10 प्रतिशत आबादी किसी न किसी बिंदु पर निजी संस्थानों से शिक्षित रही है. खुद स्टार्मर इस बदलाव का उदाहरण हैं. वे एक मिस्त्री के बेटे हैं, अपने चुनाव प्रचार के दौरान कई बार यह बात उन्होंने कही है और अपनी जड़ें मजदूर तबके में बताई हैं. सुनक के खिलाफ अपनी पहली बहस में उन्होंने कहा था, ''हम लोगों के सामने कभी-कभार ऐसी स्थिति आ जाती थी कि बिल देने के भी पैसे नहीं होते थे इसलिए मैं जानता हूं कि कैसा महसूस होता है.'' नई सरकार के बदले हुए इस वर्गीय चरित्र के कई अहम राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं. अपनी नई किताब बॉर्न टु रूल : दि मेकिंग ऐंड रीमेकिंग ऑफ दि ब्रिटिश इलीट में हमने ब्रिटेन के 3000 ज्यामद गणमान्य और प्रभावशाली लोगों का सर्वे कर के दिखाया है कि मजदूर वर्ग से आने वाले ब्रिटिश अभिजात्य आम तौर से वाम और समाजवादी रुझान वाले होते हैं. इसलिए वे शायद अमीरों पर कर बढ़ाने से लेकर गरीबी घटाने जैसे कदमों पर जोर देते हैं और ब्रिटेन को एक नस्ली देश समझते हैं. हमारा शोध बताता है कि पिछली एक सदी के दौरान विशेषाधिकार प्राप्त तबकों से आने वाले लोगों की ब्रिटिश इलीट के बीच जरूरत से ज्यादा नुमाइंदगी रही है, जिसे गणमान्य और प्रतिष्ठित लोगों की सूची से जाना जा सकता है. मसलन, 1890 से देखें, तो अगर आप धन-संपदा के

बंटवारे के हिसाब से शीर्ष एक प्रतिशत अमीरों में से आते हैं तो ब्रिटिश इलीट के दरजे तक पहुंचने में दूसरों के मुकाबले आपकी संभावना 20 गुना ज्यादा है. देश के नौ सर्वाधिक इलीट निजी स्कूलों- यानी ईटन, हैरो और विनचेस्टौर जैसे स्कूलों के समूह की ताकत अपेक्षाकृत कम होते जाने के बावजूद अब भी यहां से निकलने वाले छात्रों की ब्रिटिश इलीट बनने की संभावना किसी और स्कूनल के पूर्व छात्र के मुकाबले 52 गुना ज्यादा है. ऐसा वर्गीय उत्पादन बहुत मायने रखता है, क्योंकि विशेषाधिकार प्राप्त तबकों से आने वाले इलीट अपने साथ दक्षिणपंथी रुझान वाली राजनीति लेकर आते हैं, जो उनकी जिंदगी के अनुभवों का नतीजा होती है. लेबर पार्टी लंबे समय से इस तनाव से जूझती रही है. ब्लेयर ने इसीलिए रूपट मर्डोक से अपने लिए मान्यता चाही थी और स्टार्मर ने भी ब्रिटेन के कारोबारी नेतृत्व से समर्थन पाने के लिए मेहनत की है. स्टार्मर ने कारोबारी नेतृत्व से समर्थन और प्रायोजन के पत्र हासिल करने पर बहुत जोर दिया है. यहां तक कि एक अरबपति को भी उन्होंने साथ जोड़ लिया, जो पहले कंजर्वेटिव पार्टी को चंदा देता था. हमारे डेटा में दर्ज जो कॉरपोरेट एग्जिक्यूटिव हैं, उनके आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से रूढ़िपंथी होने की ज्यादा संभावना है- जैसे, वे कम टैक्स और कम सार्वजनिक निवेश का समर्थन करते हैं तथा नस्ल और उपनिवेशवाद की विरासत पर कहीं ज्यादा प्रतिक्रियावादी खयाल रखते हैं. इसीलिए ऐसे कॉरपोरेट इलीट के ऊपर जीत हासिल करने की कीमत यह हो सकती है कि नई सरकार को कुछ मसलों पर अपनी दिशा बदल देनी पड़े. वैसे, लेबर की जमातों में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो पहले से ब्रिटेन के कॉरपोरेट इलीट के प्रति सहानुभूति रखते हैं और ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं कि वे खुद अमीर हैं. वर्गीय जड़ें राजनीतिक वचनबद्धताओं को बेशक गढ़ सकती हैं, लेकिन इसमें धन-दौलत की मौजूदा स्थिति भी काम करती है. हमारा डेटा कहता है कि मजदूर वर्ग से आने वाले नेता जो बाद में अमीर हो गए, उसी वर्ग से आने वाले उन नेताओं के मुकाबले ज्यादा रूढ़ हैं, जिन्होंने कम पैसा बनाया.

नए कैबिनेट सदस्यों के आर्थिक रसूख की परिस्थितियों पर हमारे पास विस्तृत डेटा नहीं है, लेकिन हम इतना जानते हैं कि राजनीति में आने से पहले कई का करियर बहुत कामयाब रहा. कुछ ही लोग ऐसे हैं, जो ट्रेड यूनियन आंदोलन से राजनीति में आए या जिन्होंने लंबे समय तक मजदूरी की. ज्यादातर प्रोफेशनल रहे, जिन्हें अपने करियर में अच्छा वेतन मिला. मजदूर वर्ग की पैदाइश ऐसे कामयाब प्रोफेशनल एक ऐसा अनिश्चित घालमेल बनाते हैं जो अजीबोगरीब ढंग से खुद को अभिव्यक्त कर सकता है. हो सकता है कि अब भी कई लेबर नेताओं के मन में वर्गीय गैर-बराबरी से लड़ने की कोई आंतरिक चाहत हो, जैसा कि हमारा अध्ययन कहता है. ऐसे सांसद अपनी पारिवारिक जिंदगी से निकले अन्याय के दीर्घकालिक बोध, आज के हालात में वास्तविक आर्थिक लाभों के अवसर और व्यापक राजनीतिक परिप्रेक्ष्य के बीच खुद को फंसा हुआ पाएंगे. इसलिए लेबर पार्टी के बड़े नेता निजी रूप से चाहे जैसा भी महसूस करें, बहुत संभव है कि अंततः उन्हें अपनी निम्नवर्गीय जड़ों से आती हुई आवाज को दबाना पड़े. करीब पंद्रह साल के वनवास के बाद सत्ता में लौट रही लेबर पार्टी के लिए वर्ग कुछ तो मायने रखेगा ही, भले ही कोई वर्ग युद्ध न चले.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष सृज़

बुराई और भलाई

उभरती बुराई ने दबती-सी अच्छाई से कहा, ₹कुछ भी हो, लाख मतभेद हों, है तो तू मेरी सहेली हो. मुझे अपने सामने तेरा दबना अच्छा नहीं लगता. आ, अलग खड़ी न हो, मुझ में मिल जा, मैं तुझे भी अपने साथ बढ़ा लूंगी, समाज में फैला लूंगी.₹ भलाई ने शांति से उत्तर दिया, ₹तुम्हारी हमदर्दी के लिए धन्यवाद, पर रहना मुझे तुमसे अलग ही है.₹ ₹क्यों?₹ आश्चर्यभरी अप्रसन्नता से बुराई ने पूछा. ₹बात यह है कि मैं तुमसे मिल जाऊं तो फिर मैं कहां रहूंगी, तब तो तुम-ही-तुम होगी सब जगह.₹ अच्छाई ने और भी शान्त होकर उत्तर दिया. गुस्से से उफन कर बुराई ने अपनी झाड़ी अच्छाई के चारों ओर जकड़ कर फैला दी और फुंकार कर कहा, ₹ले, भोग मेरे निमन्त्रण को ठुकराने का नतीजा! अब पड़ी रह मिट्टी में मुंह दुबकाये! दुनिया में तेरे फैलने का अब कोई मार्ग नहीं.₹ अच्छाई ने अपने नन्हें अंकुर की आंख से जहां भी झांका, उसे बुराई की जकड़बंध झाड़ी के तेज कांटे, भाले के समान तने हुए दिखाई दिए. सचमुच आगे कदम भर सरकाने की भी जगह न थी. बुराई का अट्टहास चारों ओर गूंज गया. परिस्थितियां निश्चय ही प्रतिकूल थीं. फिर भी पूरे आत्म-विश्वास से अच्छाई ने कहा, ₹तुम्हारा फैलाव आजकल बहुत व्यापक है, बहन! जानती हूं इस फैलाव से अपने अस्तित्व को बचाकर मुझे वृद्धि और प्रसार पाने में पूरा संघर्ष करना पड़ेगा, पर तुम यह न भूलना कि कांटे-कांटे के बीच से गुजर कर जब मैं तुम्हारी झाड़ी के ऊपर पहुंचूंगी तो मेरे कोमल फूलों की महक चारों ओर फैल जायगी और सभी की दृष्टि मोहक फूलों पर जमेगी, तब तेरा अस्तित्व ओझल ही रहेगा. अन्ततः यह जानना भी कठिन होगा कि तुम हो कहां.₹ व्यंग्य की शेखी से इठलाकर बुराई ने कहा, ₹दिल के बहलाने को यह ख्याल अच्छा है.₹ गहन सन्तुलन में अपने को समेटकर अच्छाई ने कहा, ₹तुम हंसना चाहो, तो जरूर हंसो, मुझे आपत्ति नहीं, पर जीवन के इस सत्य को कृत्रिम हंसी में झुठलाया नहीं जा सकता कि तुम्हारे प्रसार और प्रशंसकों की भी एक सीमा है, क्योंकि उस अति की सीमा तक तुम्हारे पहुंचते-न-पहुंचते तुम्हारे सहायकों और अंगरक्षकों का ही दम घुटने लगता है, जबकि इसके विपरित मेरे फैलाव की कोई सीमा ही प्रकृति ने नहीं बांधी, बुराई बहन!!₹ बुराई गंभीर हो गई और उसे लगा कि उसके कांटों की शक्ति स्वयंमेव पहले से कम होती जा रही है और अच्छाई का अंकुर तेजी से वृद्धि पा रहा है.

जन आकांक्षाओं की कसौटी पर राहुल

• सियासत

ज्योति मल्होत्रा

'पप्पू', वह विशेषण जो सत्ताधारी भाजपा पिछले कई बरसों से राहुल गांधी का मखौल उड़ाने के लिए बरतती आई है, क्या उसने जन-अपेक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जैसा कि अब हम जान चुके हैं, अच्छे नंबरों से? अलबत्ता, ये अंक पिछले जमाने के पैमाने- 'फर्स्ट-क्लास-फर्स्ट' या 'विशेषज्ञतापूर्ण' (डिस्टिंक्शन) या फिर 'फ्लाइंग कलर' (बहुत बढ़िया) जितने नहीं है, वरना हालिया चुनाव के बाद केंद्र में सरकार कांग्रेस की या कहिए 'इंडिया' गठबंधन की होती. हां, अंक इतने जरूर हैं कि 18वीं लोकसभा में अंतर ला सकें– बाकी देश में भी. मौजूदा लोकसभा के आरंभिक किंतु लघु सत्र में दिया राहुल गांधी का पहला भाषण, जिसमें उन्होंने अनेकानेक भगवानों एवं संतों का संदर्भ देकर उदाहरण गिनाए– शिव से लेकर गुरु नानक एवं जीसस क्राईस्ट तक. जिसके जरिए उन्होंने हिंदू धर्म की 'समावेशी आत्मा' और हालिया वर्षों में भाजपा द्वारा बरते जा रहे अधिक कट्टरता वाले हिंदुत्व के बीच अंतर को उजागर करना चाहा और संसद में इसकी जरूरत वाकई लंबे समय से थी. इसी बीच, तृणमूल कांग्रेस की तेज-तर्रार नेत्री महुआ मोइत्रा का अपने संबोधन में पैब्लो नेरूदा और पुनीत शर्मा के उदाहरणों का इस्तेमाल (तुम कौन हो बे, मुझे पूछते हो, इस देश से मेरा रिश्ता कितना गहरा है) 'डर से निजात' को जतलाने के मकसद से था, जिसके लिए उन्होंने जोर देकर कहा, यह अब देश में पैदा हुए नए जज़्बे का उद्घोष है. यही समय है जब केंद्र सरकार से अपने-अपने सूबे की हालत सुधारने के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता ले सकें, भले ही इसके लिए 'विशेष राज्य' का दर्जा मिले न मिले. नायडू, जिनके 16 सांसद एनडीए के लिए बहुमूल्य हैं, विशेष तौर पर उन्हें अपनी नव-अर्जित शक्ति का भान है. चूंकि वे पहले भी कई राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ कर चुके हैं लिहाजा दलबदलू के ठप्पे की परवाह नहीं है, बतौर मोदी का सहयोगी, उनका मंतव्य अपने लिए अधिक से अधिक फायदा पाना है. इस सिलसिले में उन्होंने गत गुरुवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री के अलावा छह केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नीतिन गडकरी, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर और हरदीप पुरी से मुलाकात की. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उनके सूबे के मुद्दों पर 'समयबद्ध ध्यान' देने के लिए राज्य सरकार के अफसरों के साथ एक 'प्रभावशाली समन्वय' तंत्र बनाना चाहिए. इन विषयों में, प्रस्तावित नई राजधानी अमरावती के लिए रिंग रोड की मांग से लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से आगामी बजटीय भाषण में आंध्र प्रदेश में नई तेल

> नायडू, जिनके 16 सांसद एनडीए के लिए बहुमूल्य हैं, विशेष तौर पर उन्हें अपनी नव-अर्जित शक्ति का भान है. चूंकि वे पहले भी कई राजनीतिक दलों के साथ गठजोड़ कर चुके हैं लिहाजा दलबदलू के ठप्पे की परवाह नहीं है, बतौर मोदी का सहयोगी, उनका मंतव्य अपने लिए अधिक से अधिक फायदा पाना है.

रिफाइनरी लगाए जाने की घोषणा करवाना शामिल है. अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नायडू कितना धन मांग रहे हैं. किसी का कहना है कि एक लाख करोड़ रुपये तो कोई इससे आधा, लेकिन जो बात शीशे की तरह साफ है, वह यह है कि जो भी चाहेंगे, वह मिलेगा. जिन लोगों को हकीकत का पूरी तरह अहसास है, वे जानते हैं कि संसद में की गई गर्मागर्म बहस और आतिशी भाषण, मसलन, राहुल और महुआ के, साफ कहें, तो इनका कोई फायदा नहीं. क्योंकि मोदी 3.0 तब तक चलेगी जब तक कि नायडू पूरी तरह संतुष्ट हैं, इसलिए यह मोदी के हित में होगा कि उन्हें खुश बनाए रखें. फिर, ऐसा भी नहीं कि इन्हें देने को केंद्र सरकार के पास पैसा नहीं है– पर्याप्त है. बल्कि उसके पास चतुरतम नौकरशाही भी है, जिसे भली-भांति इल्म है कि इसके लिए जुगाड़ कहां से और कैसे करना है. मोदी और नायडू, दोनों को भी यह पता है. उनसे यह भी छिपा नहीं है कि नीतीश कुमार अधिक खतरनाक हो सकते हैं, क्योंकि अगले साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं और खुद को राजनीतिक रूप से फंसा देख यह शख्स अपनी जरूरत की खातिर किसी भी हद तक जा सकता है- पाला बदलने समेत. जिन सबको देश की हालत को लेकर चिंता है, तो यहां खुशकिस्मती से दुनिया में भारत का स्थान बेहतर मुल्कों में एक है, क्योंकि माली हालत अच्छी है –गोकि, वह अलग बात है कि क्या इसका अधिकांश भाग केवल दो सूबों को संवारने में लगने वाला है. लेकिन फिर, जैसा कि हमेशा से होता आया है, भारत एकदम दाएं या बाएं किनारे पर चलने की बजाय मध्यमार्ग को चुनता आया है, जिसमें 'कुछ अपनी तो कुछ उनकी चले' पर तरजीह रहती है. 'जनता जनार्दन' द्वारा भाजपा और प्रधानमंत्री के कद की छंटाई किए जाने के ठीक एक माह बाद, यह संदेश स्पष्ट एवं तीव्र बनकर उभरा है– सरकार सशक्त हुए विपक्ष की आवाज़ को कुचलकर अब अपनी मनमानी पहले की भांति नहीं चला पाएगी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ईरानी चुनाव में कैसे परास्त हुआ कट्टरपंथ?

• देशांतर

पुष्परंजन

ईरान में नवें राष्ट्रपति के चयन के लिए शुक्रवार, 5 जुलाई को अंतिम चरण का मतदान हुआ था. देश के भीतर 59 हज़ार मतदान केन्द्रों पर मतदान के साथ-साथ ईरान से बाहर विश्व के 95 देशों में राष्ट्रपति पद के लिए वोट डाले गए थे. प्रवासी ईरानियों के लिए वोट डालने वाले की पहली शर्त यह थी कि वह इस्लामी गणतंत्र ईरान का नागरिक हो और अपनी उम्र का 18 साल पूरा हो चुका हो. देश से बाहर सबसे अधिक मतदान केंद्र अमेरिका के 21 राज्यों में स्थापित किये गए थे. अमेरिका के 31 मतदान केन्द्रों पर जो मतपत्र डाले गए, निश्चित रूप से वे सुधारवादियों के समर्थन में थे. अंततः परिणाम दिलचस्प रहा. कट्टरपंथी माने जाने वाले उम्मीदवार सईद जलीली को पराजय का सामना करना पड़ा. रिफॉर्मिस्ट, मसऊद पिज़िश्कियान चुनाव जीत गए हैं. मसऊद पिज़िश्कियान का जीतना सर्वोच्च नेता आयतुल्लाहिल उज़्मा सैयद अली ख़ामेनेई को शायद रास न आये. ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले मतदान का पहला दौर पिछले शुक्रवार 28 जून को आयोजित हुआ था. पहले दौर के मतदान में किसी भी प्रत्याशी को उतना वोट नहीं मिला पाया था, जितना राष्ट्रपति बनने के लिए ज़रूरी होता है. ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे दौर के मतदान में केवल दो लोगों, मसऊद पिज़िश्कियान और सईद जलीली के बीच मुक़ाबला था. सर्वोच्च नेता आयतुल्लाहिल उज़्मा सैयद अली ख़ामेनेई ने शुक्रवार 5 जुलाई 2024 को दूसरे चरण के वोटिंग के बाद कहा कि हमारे अज़ीज़ अवाम इंशाअल्लाह बेहतरीन उम्मीदवार का चयन करके, दूसरे चरण में अधूरे काम को पूरा करेंगे, ताकि शनिवार को मुल्क के पास नया राष्ट्रपति हो. लेकिन, नया राष्ट्रपति सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई को कितना पसंद आता है, उसे भविष्य पर छोड़ते हैं. मसऊद पिज़िश्कियान मशहूर हार्ट सर्जन रहे हैं. ईरान की दसवीं संसद के उपसभापति थे. आज़रशहर और ओस्को से ईरान की संसद ₹मजलिस शुरा ए इस्लामी₹ में पहले से सभासद की ज़िम्मेदारी सम्हाल रहे थे. राष्ट्रपति पद के वास्ते पहले दौर के मतदान में चार उम्मीदवार खड़े थे, जिनमें मसऊद पिज़िश्कियान को एक करोड़ 4 लाख 15 हज़ार 991 वोट, सईद जलीली को 94 लाख 73 हज़ार 298 वोट, मोहम्मद बाक़िर क़ालीबाफ़ को 33 लाख 83 हज़ार 340 वोट,और मुस्तफ़ापूर मोहम्मदी- दो लाख 6 हज़ार 397 हज़ार वोट मिले थे. पहले दौर में ईरान के राष्ट्रपति उम्मीदवारों में से किसी भी उम्मीदवार को 50 प्लस 1 प्रतिशत वोट

> नए राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्ती इब्राहिम रईसी की राह पर चलेंगे? इस सवाल से ईरान वाबस्ता रहेगा. इसे एकबार फिर से याद कीजिये, जब हेलीकॉप्टर दुर्घटना में इब्राहिम रईसी की मौत पर शोक और ग़म का माहौल था, तो दूसरी तरफ़ कई लोग जश्न भी मना रहे थे. यह एक सबक था सत्ताधारियों और ईरान की तथाकथित मोरल पुलिस के लिए.

हासिल नहीं हुआ. जो सबसे अहम् सवाल है, वह यह कि ईरान में कट्टरपंथ की हार कैसे हुई? क्या देश से बाहर जो मतदाताओं ने वोट दिये, उन्होंने संगठित होकर अली ख़ामेनेई की नीतियों के विरुद्ध वोट किया? 85 साल के आयतुल्लाहिल उज़्मा सैयद अली ख़ामेनेई सर्वोच्च नेता के रूप में सबसे शक्तिशाली माने जाते हैं. वह ईरान के राष्ट्राध्यक्ष, उसके सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ हैं. ख़ामेनेई ईरान की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, विदेश नीति और राष्ट्रीय नियोजन जैसे शोबों में सरकार की मुख्य नीतियों पर अंतिम निर्णय लेते हैं. तीन दशकों से ईरान के सर्वोच्च नेता रहे आयतुल्लाहिल उज़्मा सैयद अली ख़ामेनेई का सरकार की कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शाखाओं के साथ-साथ सेना और मीडिया पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण है. ऐसे में ईरान सुधार की तरफ कैसे अग्रसर होगा ? विक्रम और वेताल वाला सवाल है.नए राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्ती इब्राहिम रईसी की राह पर चलेंगे? इस सवाल से ईरान वाबस्ता रहेगा. इसे एकबार फिर से याद कीजिये, जब हेलीकॉप्टर दुर्घटना में इब्राहिम रईसी की मौत पर शोक और ग़म का माहौल था, तो दूसरी तरफ़ कई लोग जश्न भी मना रहे थे. यह एक सबक था सत्ताधारियों और ईरान की तथाकथित मोरल पुलिस के लिए. इब्राहिम रईसी 1988 में राजनीतिक कैदियों को फांसी की देखरेख करने वाली एक समिति का हिस्सा थे. पांच महीनों के क्रूर कालखंड में रईसी ने जिस तरह से राजनीतिक विरोधियों को मरवाया, उसने उन्हें ईरानी विपक्ष के बीच अलोकप्रिय बना दिया था. अमेरिका को उनपर प्रतिबंध लगाना पड़ा. ईरान के नये राष्ट्रपति मसूद पिज़िश्कियान ने पश्चिम से संपर्क करने और देश के अनिवार्य हेडस्कार्फ़ कानून को आसान बनाने का वादा किया है. लेकिन पिज़िश्कियान ने अपने चुनावी अभियान में ईरान के शिया धर्मतंत्र में कोई आमूलचूल परिवर्तन नहीं करने का वादा भी किया था, इसे ध्यान में रखना चाहिए.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

किसानों के के लिए राष्ट्रीय मसौदा नीति

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने हाल ही में किसान उत्पादक संगठनों को लेकर राष्ट्रीय मसौदा नीति जारी की. इसका लक्ष्य मौजूदा एफपीओ को मजबूत बनाना और नए एफपीओ के निर्माण और उन्हें प्रोत्साहन देने का काम करना है. एक ऐसी व्यवस्था तैयार करने का इरादा है, जहां बेहतर आय दिलाने वाली खेती और किसानों की समग्र बेहतरी के लिए काम किया जा सके. इस विचार का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि इससे देश भर के करीब 2.5 करोड़ किसानों को लाभ पहुंचेगा. नीतिगत लक्ष्य यह है कि देश के कुल 7,256 ब्लॉक में से हर एक में प्राथमिक स्तर के 7-8 सक्रिय एफपीओ की स्थापना की जाए, जिनमें से प्रत्येक के साथ औसतन 500 किसानों को जोड़ा जाए. इसका इरादा किसानों की शुद्ध आय को बढ़ाना है और ऐसा कृषि कारोबार को सहज बनाकर, किफायती उत्पादन को अपनाकर तथा बाजारोन्मुखी मूल्यवर्द्धन के माध्यम से किया जा सकता है.अमूल ने जिस प्रकार दूध के लिए मूल्य श्रृंखला तैयार की है उसी तरह नीतिगत लक्ष्य खेती और बागवानी की उपज के लिए तीसरे स्तर का आपूर्ति श्रृंखला का मॉडल तैयार करने का है, ताकि उनका मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण और घरेलू तथा निर्यात बाजारों के लिए तैयार किया जा सके. इसका लक्ष्य एफपीओ के लिए ऋण और नकदी की पहुंच को सरल बनाना भी है. इसके लिए एफपीओ इक्विटी ग्रांट फंड और एफपीओ फॉर्मेशन फंड को जारी रखने की बात कही गई है. एफपीओ को कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड योजना के तहत ब्याज राहत और ऋण गारंटी मिलनी जारी रह सकती है. इसके साथ ही नीति इन संगठनों में व्याप्त अक्षम प्रबंधन की पुरानी समस्या को भी हल करना चाहती है. इसमें अच्छे प्रबंधकों तक पहुंच, उन्हें आकर्षित करने और अपने साथ जोड़े रखने की दिक्कतें शामिल हैं. भारत की कृषि लंबे समय तक छोटी जोत की समस्या से ग्रस्त रही है. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक यानी नाबार्ड के आंकड़े बताते हैं कि 85 फीसदी जमीन छोटे और सीमांत किसानों के पास है. आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल भी सीमित है. इसके अलावा असंगठित किसानों को अपनी फसल की अच्छी कीमत नहीं मिल पाती है. छोटे किसानों के पास मोलतोल करने की क्षमता नहीं होती है. उनके पास इतनी सुविधा भी नहीं होती है कि अपनी उपज को भंडारित करके रख सकें, ताकि सामग्री की कमी वाले मौसम में उसे अच्छे दामों पर बेचा जा सके. छोटे उत्पादकों के पास इतना कच्चा माल या इतनी उपज नहीं होती है कि वे बड़े पैमाने पर उत्पादन के समान लाभ हासिल कर सकें.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आनंद/नंद/नंदी

आनंद उमंग भयो जय कन्हैया लाल की, नंद को आनंद भयो जय कन्हैया लाल की. यह एक प्रसिद्ध भजन है, जो श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कई बार सुनायी पड़ता है. भजन के पहले शब्द आनंद तत्सम पुल्लिंग शब्द है, इसका आशय है सुख, हर्ष, प्रसन्नता, अलौकिक खुशी का अनुभव. नंद तत्सम पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है हर्ष, आनंद, कृष्ण के पालकपिता, यशोदा के पति, पाटलिपुत्र के एक इतिहास प्रसिद्ध राजा का नाम, गौतम बुद्ध का सौतेला भाई, सुंदरी का पति, पुत्र, बेटा, नंदन, एक राग, एक प्रकार का मृदंग, एक प्रकार का बांस, एक प्रकार की बांसुरी. नंद से बना शब्द है नंदक.विशेषण के रूप में इसका अर्थ है आनंद देनेवाला, संतोषप्रद, सुखकर, अपने परिवार का पालन करनेवाला, लेकिन संज्ञा पुल्लिंग के रूप में इसी शब्द का अर्थ हो जाता है विष्णु का खड्ग, भगवान कार्तिकेय का एक अनुचर. नंदन का अर्थ है लड़का, बेटा. जैसे दशरथनंदन, यशोदानंदन. मेघ, बादल, इंद्र का उपवन, शिव को भी नंदन कहा जाता है. इसी प्रकार नंदिनी का अर्थ बेटी है. नंदा को इसी समूह का शब्द कहा जा सकता है, जिसका अर्थ है आनंद की अधिष्ठात्री देवी, दुर्गा और गौरी को नंदिनी कह कर स्तुति-वंदना की जाती है. चंद्र मास के किसी पक्ष की प्रतिपदा, षष्ठी या एकादशी तिथि को नंदिनी कहते हैं. नंदिनी का अर्थ है एक प्रकार की संक्रांति, पुराणों के अनुसार कुबेर की पुरी के निकट बहनेवाली एक नदी, शाकद्वीप की एक नदी, मिट्टी का घड़ा, बरवै छंद, शुभ, आनंददायिनी. वैसा ही शब्द है नंदी जो विशेषण के रूप में आनंदित या प्रसन्नचित् रहनेवाले व्यक्ति का बोध कराता है. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में इसे शिव के गण या वाहन या शिव के द्वारपाल के रूप में जाना जाता है. नंदी का अर्थ पुत्र तो होता ही है, नाटक में नंदी का अभिनय करनेवाला व्यक्ति को भी नंदी कहा जाता है तो यह बंगाली कायस्थों एवं तेलियों में एक प्रकार का कुलनाम भी होता है.

कड़क चाय, नेता और नोट

• तीर-तुक्का

राकेश अचल

आदत जब बिगड़ती है तो बिगड़ती ही जाती है, अब अपने पन्त-प्रधान को ही लीजिये. बचपन में कड़क चाय बनाना सीखे थे और ये हुनर आजतक नहीं भूले. सियासत में भी उसका इस्तेमाल कर रहे हैं. कालाधन पर पहले ढुलमुल रवैया अपना और अब लानत-मलानत सुन-सुन कर अचानक चाय की तरह इतने कड़क हो गए की जनता को कड़कनाथ ही बना दिया. कड़क चाय आम आदमी नहीं पीता. आम आदमी के हिस्से में धोवन चाय ही आती है. कड़क चाय का स्वाद उन्हें ज्यादा पुसाता है, जिनकी जवान ऐंठने लगती है या जिनके दिमाग पर हर वक्त खुमार सा छाया रहता है. पन्त प्रधान ने अपनी कड़क चाय जिन्हें पिलाना थी उन्हें तो पिलाई नहीं, उलटे आम जनता को परोस दी. अब बेचारी जनता मुंह बिचकाती फिर रही है. उसका चेहरा देखकर कार्टूनिस्ट एक नहीं, पचास मुख मुद्राएं उकेर सकता है. कड़क चाय पीने वाला अगर कोई आदमी गलती से अपना घर-बार छोड़ कर सियासत में आ जाता है तो हड़कम्प मचा देता है. हड़कंप ऐसा की लाइन में खड़े-खड़े ही हाड कांपने लगते हैं. काले नोटों को बाहर निकालने के लिए नेता जी ने कड़क चाय पिलाई तो पूरा देश सड़कों पर आ गया. इतनी भीड़ और कतारें तो आम चुनाव के समय भी देश में कहीं नजर आयीं थी. कड़क चाय का चलन ऐसा चला पड़ा है कि लोग अब बात-बात में धमकाने के बजाय कड़क चाय पिलाने का ऑफर दे देते हैं. कड़क चाय और कड़क नेता में कुछ समानताएं होतीं हैं. जैसे कड़क चाय की खुशबू आपको लुभाती जरूर है किन्तु कड़क चाय जैसे ही कंठगत होती है थूकने का मन करता है. ठीक ऐसा ही कुछ कड़क नेता के साथ है. कड़क नेता की वाह-वाही खूब होती है लेकिन जैसे ही बेचारा कोई कड़क कदम उठाता है ,विपक्ष उसकी थू-थू करने लगता है.आजकल यही हो रहा है ,किन्तु इसमें दोष किसी का नहीं है.सारा दोष कड़क चाय का है.जो कड़क चाय पियेगा वो मुंह बिचकायेगा,कड़वाहट कम करने के लिए थू=थू भी करेगा.इसका किसी को बुरा नहीं मानना चाहिए. छोटी सी जिंदगी में अपने राम का पाला कड़क चाय,कड़क नेता,कड़क नोट और कड़कनाथ यानि सभी कड़कों से पड़ चुका है.अब धीरे-धीरे इस कड़कपन से विरक्ति सी होने लगी है.अब न कड़क चाय पुसाती है और न कड़क नेता.कड़क नोट भी काटने को दौड़ते हैं और कड़कनाथ का तो सवाल ही नहीं.अब हिंसा हमें फूटी आँख नहीं सुहाती.ऐसे में देश की जनता के ऊपर है कि उसे कड़क चाय का प्याला पीना है या नहीं? कड़क नेता चाहिए या नहीं? कड़क नोट चाहिए या सपचास के सड़े-बसव स्व नोट? कड़कनाथ से काम चलना है या फ़ार्म का कोई उत्पाद खाना है? हमारे फैमिली डाक्टर ने तो साफ़ कह दिया है कि यदि चैन से जीना है तो कड़कपन से दूर रहिये. कड़क चाय पीने से, कड़क नेता के साथ रहने से और कड़क नोटों से मुहब्बत करने से रक्तचाप बढ़ जाता है. बढ़ा हुआ रक्तचाप पहले से एक राष्ट्रीय संकट है. इसलिए कड़कपन से हमेशा परहेज कीजिये, अन्यथा आप जानें और आपका काम जाने.

लाइफ लाइन

कभी मेढक-गिरगिट की तरह चलने की कोशिश तो कभी चीते की तरह छलांग लगाना...जी हां, जानवरों की तरह के मूव्स को नियमित बतौर एक्सरसाइज अपनाना इन दिनों बेहद लोकप्रिय हो रहा है.

ताकत और लचीलापन में इजाफा करता एनिमल फ्लो

बॉलीवुड सेलेब्स में हाल के वर्षों में एनमिल फ्लो वर्कआउट को लेकर खास रुचि देखी जा रही है. अपने सोशल एंकाउंट में वरुण धवन, दृष्टि धामी, और आशका गोराड़िया जैसी हस्तियों को एनिमल फ्लो मूव्स करते हुए देखा गया है.

क्या है एनिमल फ्लो वर्कआउट

जैसा कि नाम से जाहिर है, एनिमल फ्लो वह एक्सरसाइज़ है जिसमें हम अलग-अलग जानवरों की नक़ल कर उनके जैसे पोज़ बनाने की कोशिश करते हैं. इस वर्कआउट के जन्मदाता प्रसिद्ध फिटनेस ट्रेनर माइक फिच हैं. माना जाता है कि इसे करने से शारीरिक स्टैमिना बढ़ता है साथ ही साथ फ्लेक्सिबिलिटी में भी सुधार होती है. आइए, कुछ प्रमुख एनिमल फ्लो मूव्स के बारे में जानें-

फ्रॉग जंप

फ्रॉग जंप एनिमल फ्लो से शारीरिक क्षमता में इजाफा होता है. शरीर का लचीलापन बढ़ता है. दिन भर में इसके कम से कम तीन सेट से शरीर के उपरी हिस्से को मजबूती मिलती है. पेल्विक एरिया की मांसपेशी मजबूत बनती है.

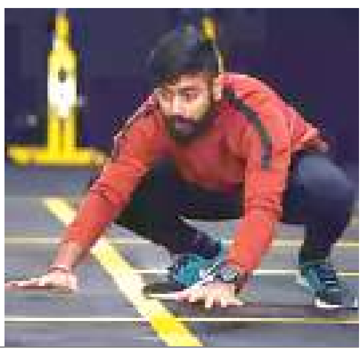

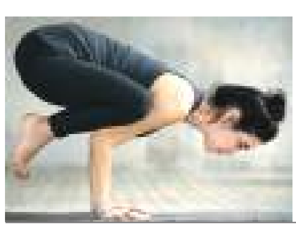

क्रो वॉक

क्रो वॉक से पैरों की मांसपेशियां एक्टिव और मजबूत होती हैं. इसे कम से कम एक मिनट तक करें. नियमित अभ्यास से घुटनों के दर्द से भी राहत मिलती है.

वॉकिंग टो टच

इसके लिए आपको अपने हाथों के अंगूठे को छूना होता है और साथ में वॉकिंग भी करनी होती है. इस एनिमल फ्लो मूव्स से शरीर की क्षमता में इजाफा होता है.

लिजार्ड वॉक वेरिएशन

लिजार्ड वॉक वेरिएशन से मोबिलिटी और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है. शरीर अधिक एक्टिव होता है. जोड़ भी मजबूत होते हैं.

इंचवॉर्म वॉक

इंचवॉर्म वॉक के लिए दोनों हाथों को जमीन पर रखें और हाथ पैर के बल पर चलें. एनिमल फ्लो का यह मूवमेंट आपके दिमाग और शरीर का आपसी तालमेल बढ़ा देगा.

झारखंड के औषधीय वृक्ष

अब नहीं नजर आते गुणकारी मेदा

मेदा वृक्ष को झारखंड, पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, सतपुड़ा इत्यादि स्थानों पर मेदा नाम से पुकारते हैं. अंग्रेजी में कॉमन कामन टेलो लारेल) के नाम से जाना जाता है. इसका साइंटिफिक नाम लिटसी ग्लूटिनोसा है.

इसका उपयोग चोट मोच में करते हैं. क्षय, वात, ज्वर, दर्द, कुष्ठ निवारण औषधी के रूप में काम आता है. इसके तेल का उपयोग संधि वात में करते हैं. क्षत में बहने वाले खून को रोकने के लिए भी उपयोग पारंपरिक वैद्य गण करते थे. सदा हरा रहने वाला और मध्यम ऊंचाई वाला वृक्ष है मेद या मेदा का वृक्ष.

झारखंड में मेद वृक्ष काफी मिल जाते थे और पारंपरिक वैद्य भदवा भगत नेतरहाट निवासी, मैकलुस्कीगंज के रुपलाल महतो सहित अनेक पारंपरिक वैद्य इसका उपयोग विभिन्न तरह से दर्द निवारक दवा के रूप में उपयोग करते थे और आज भी हो रहा है.

मेद वृक्ष का फूल छोटा और पीलापन लिए हुए होता है. जुलाई माह में फूल आते हैं. फल छोटे-छोटे गोल मिर्च के समान होते हैं. इसके पत्तों में एक विशेष प्रकार की सुगंध होती है जो मन को मोहित करती है. इसके छाल का उपयोग औषधि के रूप में करते हैं और जल के संपर्क में यह चिपचिपा सा हो जाता है.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

मैं लगातार 20 वर्षों से एक परिपक्व मेद का औषधीय वृक्ष खोज रहा हूं पर जहां भी जाता हूं पर मिलता नहीं है. अर्थात विलुप्त होने के स्थिति में आ गया है. संरक्षण की आवश्यकता है मेद वृक्ष को. लातेहार जिला के वन विभाग में कार्यरत और औषधीय पेड़ पौधों के जानकार विद्वान स्व.एन.के.मिश्रा जी ने कहा था कि औरंगा नदी, गोवा नदी के आसपास मेद वृक्ष मिल जाते थे और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के अनुसार उपयोग भी करते थे.

(औषधीय पौधा के खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

डॉ सरोज राय
डर्मेटोलॉजिस्ट
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

...ताकि मानसून में आपके संग त्वचा भी मुस्कुराए

तपती गर्मी के बाद बारिश की फुहारें कितनी आनंदायक होती है, इसे बयां करने का वक्त इन दिनों ही है. गर्मी ने इस बार वाकई बेहाल कर रखा था. पर इस राहत के बावजूद बारिश का यह मौसम हमारी त्वचा और बालों के लिए बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है. इस मौसम की नमी स्किन इंफेक्शन और दूसरी तमाम समस्याओं की जड़ होती है. आइए, इस मौसम की सामान्य समस्याएं, केयर और हमारे स्तर पर होने वाली चूक की चर्चा करें.

ये समस्याएं करती परेशान

मानसून के दौरान त्वचा और खोपड़ी की जो समस्याएं अधिक परेशान करती हैं, उनमें ये शामिल हैं-

अत्यधिक पसीने के बहना

वातावरण में नमी की अधिकता के कारण मानसून के मौसम में पसीने के अधिक बहने की समस्या होती है और यह स्किन इंफेक्शन का एक बड़ा कारण होता है. इससे त्वचा में खुजली की समस्या होती है और फिर इस जनित कई समस्याएं परेशान करती हैं.

मुंहासा

मुहांसे और त्वचा पर चकत्ते अन्य समस्याएं हैं जिनका सामना ज्यादातर लोग मानसून के मौसम में करते हैं. खास कर उन्हें जिनकी त्वचा पहले ही अधिक ऑयली है. नमी बढ़ने से त्वचा अधिक सीबम का उत्पादन करने लगती है. इससे ऑयल अधिक बनने लगता है और यह बैक्टीरिया का बसेरा सा बन जाता है. चिपचिपी त्वचा पर धूल, गंदगी और पसीना लंबे समय तक चिपके रहते हैं, जिसकी वजह से स्किन पोर्स बंद हो जाते हैं. ऐसे में एक्ने और पिम्पल्स निकलना बिलकुल आम है.

फोलिक्युलाईटिस या लोम

यह बाल कूप बाल रोम या हेयर फॉलिकल का एक और जीवाणु संक्रमण है जो मानसून के दौरान होता है. बता दें कि बालों के रोम दरअसल हमारी त्वचा की रक्षा के लिए होते हैं. इससे हमारी त्वचा ढंकी रहती है. बैक्टीरिया और पसीने के बीच का स्पर्श त्वचा संबंधी समस्याओं का कारण बनता है और फॉलिकुलिटिस का कारण भी बनता है. फॉलिकुलिटिस की वजह से पीड़ित की त्वचा पर बालों के रोम की सूजन हो जाती है. त्वचा की यह समस्या आमतौर पर जांघों, बगलों, नितंबों और गर्दन के आसपास देखी जाती है. हल्के मामलों के लिए, स्थिति कुछ दिनों में ठीक होने की संभावना है, लेकिन गंभीर स्थितियों के लिए आपको चिकित्सकीय ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है. विभिन्न प्रकार के फॉलिकुलिटिस के अन्य सामान्य नाम हैं जिनमें हॉट टब रैश, बार्बर की खुजली, शेविंग रैश और रेजर बम्प्स शामिल हैं.

एग्जीमा

हम सभी इस तथ्य से अवगत हैं कि एक्जिमा आसानी से ठीक नहीं होता.यह एक जिद्दी त्वचा रोग है. यह त्वचा संबंधी उन समस्याओं में से एक है जो केवल मानसून के मौसम में होती है. एक्जिमा विभिन्न जटिलताओं जैसे चकत्ते, खुजली, लालिमा और त्वचा में इसी तरह की समस्याओं का कारण बनता है. यह समस्या उन लोगों में आम है जिनकी त्वचा संवेदनशील होती है.

टिनिअ

यह भी मानसून में हमारी त्वचा को परेशान करने वाला एक फंगल संक्रमण है. इससे अत्यधिक खुजली होती है और इस प्रकार आप असहज हो जाते हैं. यह आपकी खोपड़ी को भी संक्रमित कर सकता है और उसमें खुजली कर सकता है. इसके अलावा, आपको अपने नाखूनों में फंगल संक्रमण का भी सामना करना पड़ेगा, जो उन्हें नाजुक और भंगुर यानी जब-तब टूटने वाला बना देता है.

दाद

यह आपकी त्वचा पर एक छल्ले के आकार में दिखाई देता है और यही कारण है कि इसे अंग्रेजी में रिंगवार्म कहा जाता है. यदि आप इसे खुजलाते हैं, तो कई बार आपकी त्वचा पर मिनटों में दाने निकल आते हैं और रिसाव भी हो जाता है. इसे एक संक्रामक फंगल संक्रमण भी माना जाता है जो खोपड़ी तक भी फैल जाता है.

स्केबीज

स्केबीज एक अन्य त्वचा रोग है जो मुख्य रूप से घुन के प्रवेश के कारण होता है. इसको कुछ इस तरह समझिए कि इसमें परजीवी जीवाणु अंडे देते हैं और आपकी त्वचा में घोंसला भी बनाते हैं, जिससे संक्रमण बढ़ता है. यह आपकी त्वचा में खुजली पैदा करता है और लालिमा भी पैदा करता है. जाहिर है, यह बहुत कष्टप्रद स्थिति होती है और कई बार पीड़ित की जिंदगी बहुत कठिन बना देती है.

यह है सलाह

- इस मौसम में त्वचा को भीतर-बाहर से हाइड्रेट करने की उतनी ही जरुरत है जितनी किसी और मौसम में. इसलिए भरपूर पानी पिएं. साथ ही नॉन स्टिकी लाइटवेट मॉइश्चराइजर लगाएं. दो-तीन लीटर पानी प्रतिदिन सेवन करने से कोलाजेन बनता है. जिससे बैक्टीरिया से भी राहत मिलती है.
- त्वचा की नियमित सफाई करें. इससे बैक्टीरिया और सीबम दोनों में कमी आती हैं.
- इस मौसम में फेस स्टीम यानी चेहरे पर भाप लेना भी लाभदायक है. इससे रोमछिद्र खुलते हैं और मृत त्वचा हटती है. भाप लेने से त्वचा पर रक्त प्रवाह बढ़ता है जो त्वचा में ग्लो लाता है.
- समस्या होने पर बजाय इंटरनेट पर समाधान ढूंढने के नजदीकी डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करें, वे आपकी त्वचा के प्रकार और शारीरिक अवस्था के अनुरुप समस्या का समाधान पेश करेंगे.
- मानसून में खास ध्यान रखें कि चेहरे को टच करने से पहले हाथ धुला हो. चेहरे पर कोई क्रीम, मॉइश्चराइजर आदि लगाने से पहले भी हाथ धुले हों. इससे बैक्टीरिया के फैलाव से राहत मिलती है.
- इस मौसम में भारी मेकअप से बचें.
- ऑयली फूड जैसे फ्रेंच फ्राइज, चिप्स, समोसे आदि खाने से बचें. इससे एक्ने-मुहांसे की समस्या बढ़ सकती है.

6 गलतियां जो अक्सर मानसून के दौरान की जाती हैं

- **सनस्क्रीन लगाना छोड़ देना :** कई लोग सोचते हैं कि सनस्क्रीन केवल तेज धूप के दिनों में लगानी चाहिए. सच्चाई यह है कि जब आसमान में बादल छाए रहते हैं, ऐसे बरसात के दिनों में भी सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणें (यूवी रेज) नुकसानदेह साबित होती है. मौसम चाहे जो भी हो, कम से कम 30 एसपीएफ का सनस्क्रीन जरूर लगाएं.
- **खोपड़ी की सफाई :** पसीने और वातावरण में मौजूद नमी, ये दोनों मिलकर हमारे सिर की त्वचा को इंफेक्शन और डैंड्रफ की फैक्ट्री सा बना देती है. इन दिनों नियमित एक माइल्ड शैम्पू से बालों को साफ करें. जब कभी बारिश के दौरान भीग जाएं तब भी बालों को साफ कर पॉल्यूटेंट्स और बारिश के पानी को हटाएं. सिर की त्वचा यानी स्कैल्प को साफ रखना फंगल इंफेक्शन और दूसरी समस्याओं से बचाव करता है.
- **भारी क्रीम और ऑयली प्रोडक्ट का इस्तेमाल :** भारी क्रीम और ऑयली बेस्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल मानसून के नमी वाले मौसम में त्वचा के पोर को बंद कर सकता है, ब्रेकआउट की समस्या ला सकता है या फिर त्वचा की दूसरी समस्याओं का कारण हो सकता है. इसलिए इनकी जगह लाइट वेट क्रीम नॉनकॉमेडोजेनिक मॉइश्चराइजर और सीरम का उपयोग किया जाना चाहिए जो त्वचा को बिना चिपचिपा किए नमीयुक्त रखे. यह आदत त्वचा के संतुलन को बरकरार रखेगी मानसून के मौसम के दौरान त्वचा के छिद्रों के बढ़ने से रोकेगी.
- **हाइड्रेशन की उपेक्षा करना :** हालांकि मौसम में अधिक नमी महसूस हो सकती है, लेकिन आपकी त्वचा को अंदर से बाहर तक हाइड्रेटेड रखना महत्वपूर्ण है. सुनिश्चित करें कि आप खूब पानी पियें और अपने आहार में हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ शामिल करें. इसके अलावा, अपनी त्वचा को पूरे दिन तरोताजा बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फेशियल मिस्ट का उपयोग करें.
- **ठीक से न सूखना :** बारिश में भीगने के बाद फंगल संक्रमण और त्वचा की जलन से बचने के लिए इसे ठीक से सुखाना जरूरी है. संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि इनमें नमी जमा होने का खतरा अधिक होता है.
- **अत्यधिक एक्सफ़ोलीएटिंग :** बेशक स्क्रबर से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करती है, इसके अधिक उपयोग से आपकी त्वचा से आवश्यक तेल निकल सकता है. मानसून के दौरान महीने में एक या दो बार तक ही स्क्रबर का उपयोग करें. डर्मेटोलॉजिस्ट के सुझाए गए अपनी त्वचा के लिए उपयुक्त माइल्ड एक्सफोलिएंट का उपयोग करें.

हेडफोन-ईयरफोन का अधिक इस्तेमाल...

आपकी इस आदत से दिल से दिमाग तक हैं बेहाल

कान में हेडफोन-ईयरफोन घंटो लगाए रखने की आदत में पिछले कुछ साल में जबर्दस्त इजाफा हुआ है और इसके साथ ही इसके दुष्प्रभाव के केस भी उतने ही अधिक सामने आ रहे. इससे मिल रहे लाउड म्यूजिक के कई इफेक्ट्स देखने को मिले हैं. वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का अनुमान है कि हेडफोन या ईयरफोन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से दुनिया भर में लगभग 100 करोड़ युवाओं की सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है. आइए, आज बात करें हेडफोन या ईयरफोन के ज्यादा इस्तेमाल के दुष्प्रभावों की-

1. **बहरापन :** इस बात में अब दो राय नहीं कि ईयरफोन या हेडफोन से लाउड म्यूजिक सुनने से आपकी सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है. कानों की सुनने की कैपिसिटी सिर्फ 90 डेसिबल होती है, जो लगातार सुनने से 40-50 डेसिबल तक कम हो सकती है.
2. **दिल की बीमारी :** विशेषज्ञों की मानें तो घंटों तक हेडफोन लगाए रखना दिल के लिए भी अच्छा नहीं है. इससे न केवल दिल की धड़कन तेज हो जाती है. मिशिगन यूनिवर्सिटी के एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक इससे हृदयाघात की आशंका बढ़ जाती है.
3. **सिर दर्द :** हेडफोन या ईयरफोन से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव दिमाग पर बुरा प्रभाव डालती हैं. इसकी वजह से सिरदर्द, माइग्रेन, अनिद्रा, स्लीप एपनिया आदि की आशंका बढ़ जाती है.
4. **स्ट्रैस और टेंशन में बढ़ोतरी :** एशियन साइकोलॉजिकल जर्नल एंड रिसर्च के एक रिपोर्ट के मुताबिक हेडफोन का प्रतिदिन दो घंटे से अधिक इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति की सोशल लाइफ और मेंटल हेल्थ की क्षमता प्रभावित होती है और उनमें कई बार स्ट्रेस व एंग्जायटी के लक्षण उभर जाते हैं.
5. **कान में इन्फेक्शन :** इयरफोन सीधे कान में लगाया जाता है, जो हवा के प्रवाह को बाधित करता है. इससे बैक्टीरिया के विकास सहित अलग-अलग तरह के कानों के इन्फेक्शन का कारण बन सकती है.

बरतें सावधानी : ईयरफोन का लगातार उपयोग करते हैं तो ये सावधानी बरतें-

- तेज आवाज में म्यूजिक न सुनें. ईयरफोन्स, ब्लूटूथ बड्स और पॉड्स की आवाज 50% के आसपास या 25-30 डेसिबल ही रखें.
- लगातार 30 मिनट से ज्यादा इस्तेमाल न करें.
- कम से कम 15-20 मिनट का ब्रेक दें.
- मोबाइल पर बात करते समय फोन को स्पीकर पर रखकर बात करें.
- अगर इस्तेमाल करने की बाध्यता है तो बड़े वाले हेड फोन्स का इस्तेमाल करें. हेडफोन्स बेहतर हैं क्योंकि इससे कान के परदे पर दबाव कम पड़ता है.
- कान संबंधी कुछ भी समस्या होने पर डॉक्टर से परामर्श लें.
- ईयर फोन्स, ईयर बड्स किसी के साथ शेयर नहीं करें क्योंकि इससे संक्रमण दूसरे व्यक्ति को भी होने का खतरा अधिक रहता है.

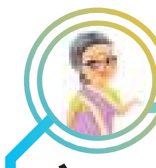

दादी मां के नुस्खे

पेट दर्द, गैस, कब्ज?

पेट की छोटी-मोटी समस्याओं में हमारे पारंपरिक घरेलू नुस्खे भी असरकारक दिखते हैं. सदियों से दादी-नानी के अपनाए कुछ खास नुस्खे हैं-

पेट में भारीपन, भूख नहीं लगने की समस्या है तो जीरा व सौंफ को पानी में उबालें और फिर उसे छानकर पिएं. पेट में दर्द होने पर एक कप पानी में अजवायन डाल कर उबालें और फिर इसे पिएं. गर्म पानी में चुटकी भर हींग डाल कर पीना भी राहत देगा. छोटे बच्चों के पेट दर्द में हींग को पानी के साथ घिसकर पेट पर लगाते हैं.

गैस, पेट फूलना आदि की समस्या है तो बड़ी/काली इलायची को जलाकर इसका पाउडर बनाकर पानी में मिला लें. इसे पी लें. गैस की समस्या में ये बहुत अच्छा काम करती है. पेट में जलन होने पर सौंफ को दरदरा कूटकर पानी में भिगो दें. फिर इसे सुबह छानकर पी लें. कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो आंवला, हरड़ व बहेड़ा युक्त त्रिफला चूर्ण का सेवन रात में सोने से पहले एक चमच गर्म पानी के साथ करें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

बातचीत: गौतम गंभीर के कोच संजय भारद्वाज को है उनसे ढेर सारी उम्मीदें, बोले

अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम है गौती

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय टीम के मुख्य कोच नियुक्त किए गए गौतम गंभीर के बचपन के कोच संजय भारद्वाज का मानना है कि यह पूर्व सलामी बल्लेबाज अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने की क्षमता रखता है और चुनौतियों का डटकर सामना करने की उनकी आदत राष्ट्रीय टीम के लिए जीत की आदत बन सकती है.गंभीर को मंगलवार को भारतीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया. वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे जिनका कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था. भारद्वाज ने कहा, गौतम के पास अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने की योग्यता है. एक शीर्ष कोच का काम यही होता है. गौती अपने खिलाड़ियों को अच्छी तरह से जानते हैं और उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करके उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवा सकते हैं.

दिलाएंगे वन डे विश्व कप का ताज

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि कोच के रूप में उनमें भारत को चरम पर ले जाने की क्षमता है. वह बिना किसी पक्षपात के ईमानदारी से काम कर सकते हैं और भारतीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ला सकते हैं. भारत पिछले 13 वर्ष से (वनडे) विश्व कप नहीं जीत पाया है लेकिन अब इस खिताब को जीतने की पूरी उम्मीद है. अमित मिश्रा, उन्मुक्त चंद और नितीश राणा जैसे कई खिलाड़ियों को तैयार करने वाले भारद्वाज का मानना है कि गंभीर किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए हर समय तैयार रहते हैं. उन्होंने कहा,वह हमेशा चुनौती का सामना करते हुए खेलते हैं. जब वह 10 वर्ष के थे तब से उनमें जीत की मानसिकता है. वह हमेशा जीतने के लिए खेलते थे. उन्होंने कभी नहीं सोचा कि वह कोई मैच हार सकते हैं. उन्हें अपनी क्षमता पर कभी संदेह नहीं रहा. उनमें किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने और उसने सफल होने की योग्यता है.

सिर्फ जीतने के लिए खेलते हैं

गंभीर ने 2011 में महेंद्र सिंह धौनी की अगुआई में भारत को वनडे विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी. भारद्वाज ने कहा कि गंभीर ने तब रोहित शर्मा के स्टार खिलाड़ी बनने की भविष्यवाणी कर दी थी जब वर्तमान भारतीय कप्तानअपने शुरुआती दिनों में खराब फॉर्म से गुजर रहा था. उन्होंने कहा,,गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ क्रिकेट खेली है. एक बार उन्होंने अपना मैन ऑफ द मैच विराट को दे दिया था जिससे पता चलता है कि वह दिल के कितने सच्चे इंसान हैं. उन्होंने मुझे बहुत पहले बता दिया था कि रोहित शर्मा एक दिन स्टार खिलाड़ी बनेगा जो सही साबित हुआ. भारद्वाज ने कहा,अगर गौतम को लगता है कि यह चीज टीम के लिए सही है तो वह अपने फैसले पर अडिग रहेंगे. गौतम जीतने के लिए खेलते हैं. उन्हें पता है कि क्या करना है और एक निश्चित टीम संयोजन बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वह पक्षपात में विश्वास नहीं करते उन्हें केवल क्रिकेट ही सबसे ज़्यादा पसंद है.

टी-20 विश्व रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव दूसरे स्थान पर बरकरार

एजेंसी। दुबई

स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं. जिंबाब्वे में चल रही श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन के बाद रुतुराज गायकवाड़ की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है. सूर्यकुमार 821 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं. ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड 844 अंक के साथ शीर्ष पर हैं.इंग्लैंड के फिल सॉल्ट 797 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं जबकि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम (755), मोहम्मद रिजवान (746) और जोस बटलर (716) का नंबर उनके बाद आता है.जिंबाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में भारत की 100 रन की आसान जीत के दौरान 47 गेंद में नाबाद 77 रन की पारी खेलने वाले गायकवाड़ 13 स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं.भारत की आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 विजेता टीम के अधिकांश सदस्यों को जिंबाब्वे दौरे से आराम दिए जाने के बाद पांच मैच की श्रृंखला में भारत के बैकअप खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और रोहित शर्मा, विराट कोहली तथा रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गजों के इस प्रारूप से संन्यास के बाद टीम में अपनी जगह पक्की करने का मौका मिला है.

ब्रीफ खबरें

भारत को मुकाम तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा : छेत्री

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के महान खिलाड़ी सुनील छेत्री ने भले ही अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया हो लेकिन वह टीम के साथ जुड़े रहेंगे और उनका कहना है कि वह देश को मुकाम पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ट्रॉफी दौरे को हरी झंडी दिखाई. कार्यक्रम में मौजूद छेत्री ने कहा कि भारत एक दिन ऐसे मुकाम पर पहुंचेगा जिसका देश के लोगों ने सपना देखा है. कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने वाले छेत्री ने कहा,'मैंने अपने करियर में कई उतार चढ़ाव देखे हैं लेकिन एक चीज बरकरार रहेगी कि एक दिन दिन हम उस स्तर पर पहुंचेंगे जिसका हम सभी ने सपना देखा है.

केकेआर के लिए बड़ी चुनौती होगी : पंडित

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और टीम इंडिया दोनों बदलाव के दौर से गुजरेंगी क्योंकि गौतम गंभीर ने केकेआर फ्रेंचाइजी छोड़कर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच का पदभार संभाल लिया है.केकेआर को अपनी अगुआई में 2012 और 2014 में दो खिताब दिलाने वाले गंभीर ने बतौर मेंटोर 2024 में फ्रेंचाइजी को खिताब दिलाया. इस दौरान केकेआर 2021 के फाइनल में भी पहुंची.केकेआर के सह मालिक शाहरूख खान ने गंभीर के मेंटोर बनाये जाने पर उनसे कहा था, ''यह आपकी फ्रेंचाइजी है, इसे बना दो या बिगाड़ दो.

पहले बोला गिल का बल्ला, फिर चला सुंदर की फिरकी का जादू

भारत ने जिम्बाब्वे को 23 रन से हराया, सीरीज पर बढ़त

एजेंसी। हरारे

भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच हारने के बाद दमदार वापसी की है. टीम इंडिया ने दूसरे मैच को 100 रनों से अपने नाम किया था. अब 5 मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले में भारत को 23 रनों से जीत मिली. टॉस जीतने के बाद पहले खेलते हुए शुभमन गिल की फिफ्टी की मदद से भारत ने 4 विकेट पर 182 रन ठोक दिए. जवाब में जिम्बाब्वे ने एक समय 39 रन पर 5 विकेट खो दिए थे. इसके बाद वापसी करते हुए टीम ने 6 विकेट पर 158 रनों तक पहुंचने में सफल रही. इस जीत से भारत ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी 10 ओवर में 99 रन दिए.

पावरप्ले में नहीं गिरा कोई विकेट : गिल और जायसवाल के साथ पावर प्ले में बिना विकेट खोए 55 रन जोड़कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई. जायसवाल ने ऑफ स्पिनर ब्रायन बेनेट के पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा जबकि गिल ने अगले ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारवा पर दो चौके और एक छक्का जड़ा. जायसवाल ने तेज गेंदबाज तेंडई चतारा की लगातार गेंदों पर भी चौका और छक्का मारा.

तीसरे नंबर पर उतरे अभिषेक फेल : पिछले मैच में शतक जड़ने वाले अभिषेक शर्मा भी सिर्फ 10 रन बनाने के बाद रजा की गेंद पर मरुमानी को कैच दे बैठे. गिल और गायकवाड़ ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया. गिल ने चतारा पर चौके के साथ 36 गेंद में अर्धशतक पूरा किया. गिल और गायकवाड़ ने 17वें ओवर में रजा पर भी छक्के जड़े. गिल मुजरबानी की उछाल लेती गेंद को हवा में लहराकर रजा को कैच दे बैठे जबकि गायकवाड़ अंतिम ओवर में माधेवेरे को कैच देकर अर्धशतक से एक रन से चूक गए.

स्कोर बोर्ड

भारत	:182/4
जिम्बाब्वे	:159/6

- गिल ने भारत की तरफ से ठोकी फिफ्टी
- गेंदबाजी में सुंदर ने डाला अपना बेस्ट स्पेल

गिल ने दो बड़ी साझेदारी बनाई

सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने 49 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों से 66 रन की पारी खेलने के अलावा यशस्वी जायसवाल (36) के साथ पहले विकेट के लिए 67 जबकि रुतुराज गायकवाड़ (49) के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी करके टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया. जिम्बाब्वे की ओर से कप्तान सिकंदर रजा ने 24 जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी ने 25 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए.

गावस्कर हुए 75 के,जन्मदिन पर बधाइयों का लगा तांता

एजेंसी। नई दिल्ली

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर को उनके 75वें जन्मदिन पर शुभकामनाओं का तांता लगा रहा और उनकी कलात्मक बल्लेबाजी को याद किया गया. गावस्कर को क्रिकेट जगत के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में गिना जाता है. वह टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे.भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने 'एक्स' पर लिखा,जन्मदिन की शुभकामनाएं, सुनील गावस्कर. आपकी बल्लेबाजी तकनीक इतनी बेहतरीन थी कि आप आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह से समान रूप से खेल सकते थे. हर चीज़ के लिए शुभकामनाएं.गावस्कर क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद कमेंटेटर बन गए जिसमें उन्होंने अपार सफलता हासिल की. उन्हें दुनिया के सबसे सम्मानित कमेंटेटरों में गिना जाता है. आईपीएल की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गावस्कर को बधाई देते हुए लिखा,लिटिल मास्टर आज 75 साल के हो गए. भारतीय टीम की बल्लेबाजी क्रांति का मार्ग प्रशस्त करने वाले सुनील गावस्कर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. गावस्कर ने अपने करियर के दौरान दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों का सामना किया लेकिन उन्होंने कभी हेलमेट नहीं पहना.

द्रविड़ ने बोनस राशि लेने से इनकार किया

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने हाल में टी20 विश्व कप में टीम की खिताबी जीत के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा ढाई करोड़ रुपये की अतिरिक्त बोनस राशि की पेशकश ठुकरा दी है.द्रविड़ को राष्ट्रीय टीम की सफलता के बाद बोनस राशि की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने अन्य कोचिंग स्टाफ के समान ढाई करोड़ रुपये लेने की इच्छा जताई. बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद बीसीसीआई उन्हें खिलाड़ियों के समान पांच करोड़ रुपये देना चाहता था लेकिन पीटीआई को पता चला है कि यह 51 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर अन्य कोचिंग स्टाफ के समान राशि लेकर खुश है.द्रविड़ का भारत के कोच के रूप में कार्यकाल पिछले साल स्वदेश में 50 ओवर के विश्व कप के बाद खत्म हो गया था. हालांकि कप्तान रोहित शर्मा और बीसीसीआई द्रविड़ को टी20 विश्व कप तक पद पर बने रहने के लिए मनाने में सफल रहे .

नोवाक जोकोविच विंबलडन सेमीफाइनल में

एजेंसी। लंदन

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कूल्हे की चोट के कारण बुधवार को एलेक्स डि मिनोर के हटने पर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया.ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय डि मनोर ने सेंटर कोर्ट पर जोकोविच के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले से घंटों पहले टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की.डि मिनोर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'बेशक यह वह घोषणा नहीं है जो मैं करना चाहता था. मैं टूट चुका हूं.'उन्होंने बताया कि सोमवार को चौथे दौर में आर्थर फिल्स पर 6-2, 6-4, 4-6, 6-3 की जीत के दौरान उन्होंने 'क्रैक' की आवाज सुनी थी. जब वह मैच समाप्त हुआ तो डि मिनोर सावधानी से नेट की ओर गए लेकिन बाद में मीडिया से बात करते समय उन्होंने स्थिति की गंभीरता को कम करके आंका.इस वॉकओवर से जोकोविच ने 13वीं बार विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से उन्होंने पुरुष एकल में रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की.दूसरे वरीयता प्राप्त जोकोविच ने पुरुष एकल में रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात विंबलडन में जीते हैं.फाइनल में जगह बनाने के लिए जोकोविच का सामना शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज और लोरेंजो मुसेटी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा.

फ्रांस को हराकर स्पेन फाइनल में पहुंचा

यूरो कप

- युवा खिलाड़ी लैमिन यामल ने बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी। म्यूनिख

लैमिन यामल यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में सबसे कम उम्र में गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए जिसकी मदद से स्पेन ने फ्रांस को 2-1 से हराकर यूरो 2024 के फाइनल में प्रवेश किया. फ्रांस ने रैंडल कोलो मुआनी के आठवें मिनट में काइलियन एमबाप्पे के क्रॉस पर हेडर से किए गए गोल के दम पर शुरुआती बढ़त हासिल की लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया. स्पेन की तरफ से 16 वर्ष के यामल ने 21वें मिनट में बराबरी का गोल दागा. इसके चार मिनट बाद डैनी ओल्मो ने निर्णायक गोल किया.

टूर्नामेंट में स्पेन ने सभी मैच जीते : स्पेन यूरो 2024 में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम रही है. यह एकमात्र टीम है जिसने अपने सभी मैच जीते हैं और 13 गोल किए हैं, जो यूरोपीय चैम्पियनशिप में सबसे अधिक गोल करने के स्पेनिश रिकॉर्ड के बराबर और फ्रांस के 1984 में बनाए गए रिकॉर्ड से एक गोल कम है.स्पेन के कोच डे ला फुएंते ने इंग्लैंड और नीदरलैंड को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी टीम फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी.उन्होंने कहा,''मुझे यकीन है कि फाइनल पूरी तरह से अलग होगा. यह ऐसे प्रतिद्वंदी के खिलाफ होगा जो हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा. भले ही यह सुनने में अच्छा नहीं लगता हो लेकिन अभी सुधार की गुंजाइश है.''

शुरूआत में गोल खाने से हम मुश्किल में थे : यामल

यामल ने मैच के बाद कहा, ''शुरू में गोल खाने के बाद हम मुश्किल स्थिति में थे. मैंने सिर्फ गेंद पर कब्जा किया और उसे सही तरह से गोल में डाला. मैं बहुत खुश हूं. मैं बहुत अधिक नहीं सोचता हूं. बस अपने खेल का आनंद लेता हूं और टीम की मदद करने की कोशिश करता हूं. मैं गोल करके और टीम की जीत से बहुत खुश हूं. 'स्पेन की निगाह रिकॉर्ड चौथे खिताब पर टिकी हैं. वह यामल के 17वें जन्मदिन के एक दिन बाद रविवार को बर्लिन में होने वाले फाइनल में इंग्लैंड या नीदरलैंड का सामना करेगा. फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा,'हम जानते थे कि उनकी टीम बेहतरीन है और उन्होंने इसे साबित भी कर दिया.

मेसी ने दागा 109वां गोल, अर्जेंटीना फाइनल में

एजेंसी। ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)

लियोनेल मेसी के अपने करियर के 109वें अंतरराष्ट्रीय गोल और वर्तमान टूर्नामेंट के पहले गोल के दम पर गत चैंपियन अर्जेंटीना ने कनाडा को 2-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंटके फाइनल में प्रवेश किया. अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज़ ने 22वें मिनट में पहला गोल किया जबकि मेसी ने 51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की. मेसी के सामने तब गोलकीपर मैक्सिम क्रेप्यू थे लेकिन इस स्टार फुटबॉलर के आगे उनकी एक नहीं चली. मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने पिछले 25 मैचों में 28 गोल किए हैं. वह कोपा अमेरिका में अब तक 14 गोल कर चुके हैं जो रिकॉर्ड से तीन गोल कम हैं.अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी से अधिक गोल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज हैं जिन्होंने अभी तक 130 गोल किए हैं. ईरान के अल देई के नाम 1993 से 2006 तक 108 या 109 गोल दर्ज हैं. इक्वाडोर के खिलाफ 2000 में किए गए उनके गोल को लेकर विवाद है क्योंकि इस मैच के अंतरराष्ट्रीय दर्जे को लेकर मतभेद हैं.

कोपा अमेरिका सेमीफाइनल फुटबॉल मैच में कनाडा को 2-0 से हराने के बाद जश्न मनाते अर्जेंटीना के एंजेल डि मारिया, एंज़ो फर्नांडीज, लियोनेल मेस्सी और निकोलस ओटामेंडी.

अर्जेंटीना ने यह जीत अपने स्वतंत्रता दिवस पर हासिल की जिससे उसका अजेय अभियान 10 मैच तक पहुंच गया है. रविवार को होने वाले फाइनल में उरुग्वे या कोलंबिया का सामना करके रिकॉर्ड 16वां कोपा खिताब जीतने की कोशिश करेगा.

मेसी ने कहा, कोपा के बाद भी अर्जेंटीना की तरफ से खेलता रहूंगा

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा कि उनका अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह कोपा अमेरिका फाइनल के बाद भी अर्जेंटीना की तरफ से खेलते रहेंगे. अर्जेंटीना ने सेमीफाइनल में मेसी के 109वें अंतरराष्ट्रीय गोल की मदद से कनाडा को 2-0 से पराजित करके कोपा अमेरिका के फाइनल में जगह बनाई. मेसी ने मैच के बाद कहा,जैसा मैंने पहले कहा था कि मेरा आगे भी खेलने का इरादा है. मैं भविष्य के बारे में सोचने के बजाय हर दिन को जीना चाहता हूं. मैं अभी 37 साल का हूं और मैं खेल को कब अलविदा कहूंगा इसके बारे में केवल भगवान ही जानता है.

तैयारी वस्त्राकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 शृंखला में आठ विकेट लिए

टी20 विश्व कप में पूजा की भूमिका महत्वपूर्ण होगी : मंधाना

एजेंसी। चेन्नई

भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में किए गए प्रदर्शन से बेहद प्रभावित हैं और उनका मानना है कि बांग्लादेश में अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी. वस्त्राकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में 8 विकेट लिए. उन्होंने तीसरे और अंतिम मैच में 13 रन देकर 4 विकेट हासिल किए जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. भारत ने इस मैच में 10 विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की. मंधाना ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, पहले दो मैच में विकेट सपाट था और ऐसे में इस तरह का प्रदर्शन शानदार है. हमें उम्मीद है कि वह (वस्त्राकर) अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेगी और विश्व कप में हमारे लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

खास बातें

- बांग्लादेश में अक्टूबर में होने वाला है टी-20 विश्व कप
- पहले दो मैच में विकेट सपाट था ,हमारा प्रदर्शन शानदार है

उन्होंने कहा,उसने शानदार गेंदबाजी की. यह लंबी अवधि की श्रृंखला थी और एक गेंदबाज होने के नाते उसने जैसा प्रदर्शन किया उससे मैं हैरान हूं.भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के अलावा तीन वनडे और एक टेस्ट मैच भी खेला. मंधाना ने वस्त्राकर के अप्रैल मई में बांग्लादेश में किए गए प्रदर्शन को भी याद किया. उन्होंने तब 5 मैच की टी20 श्रृंखला में 5 विकेट लिए थे.

भारतीय उप कप्तान ने कहा,यहां तक कि बांग्लादेश में टी20 श्रीलंका में उसने विशेष कर डेथ ओवरों में जिस तरह से गेंदबाजी की, वह शानदार था. हम जानते थे कि जिस तरह से वह पिछले कुछ महीनो से गेंदबाजी कर रही थी, उसे देखते हुए वह अंतर पैदा कर सकती है. इस श्रृंखला में खेलने से पहले ही हम उसके प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त थे. मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफलता का श्रेय श्रृंखला से पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में लगाए गए अभ्यास शिविर को दिया. उन्होंने कहा,श्रृंखला से पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में लगाए गए शिविर में काफी कड़ी मेहनत की गई थी. इसका हमें फायदा मिला. पूरी श्रृंखला के दौरान सभी खिलाड़ी प्रत्येक प्रारूप में बल्लेबाजी के लिए तैयार थे.सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया. मंधाना ने कहा, शेफाली जब बहुत अधिक नहीं सोचती तब वह बल्लेबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती है. उस जैसी बल्लेबाज को आपको बहुत अधिक जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती है. मैं उसे केवल जल्दबाजी नहीं दिखाने के लिए कहती हूं. सीनियर खिलाड़ी होने के नाते मैं उसे गेंदबाज के बारे में बताती हूं और वह खुद ही उसके अनुरूप ढल जाती है.

रचिन रविंद्र को न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के भारतीय मूल के क्रिकेटर रचिन रविंद्र को वनडे विश्व कप सहित पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन के कारण पहली बार केंद्रीय अनुबंध में शामिल किया गया है. इस 24 वर्षीय ऑलराउंडर को उन 20 खिलाड़ियों में शामिल किया गया है जिन्हें न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 2024-25 के सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध दिया है. रविंद्र ने पिछले सत्र में 578 रन बनाए और वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे नंबर पर रहे. वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें आईपीएल की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स में 1.80 करोड रुपए में खरीदा था. रविंद्र को 2023 में आईसीसी का वर्ष का उदीयमान खिलाड़ी चुना गया था. वह सर रिचर्ड हैडली मेडल हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की बड़ी कार्रवाई

वहाब रियाज व अब्दुल रज्जाक राष्ट्रीय चयनकर्ता पद से बर्खास्त

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पिछले महीने टीम के टी-20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व टेस्ट क्रिकेटर वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को अपनी चयन समिति से बर्खास्त कर दिया. वहाब और रज्जाक एक ऐसी समिति का हिस्सा थे, जिसका कोई अध्यक्ष नहीं था और इसमें राष्ट्रीय टीम के कप्तान, मुख्य कोच और एक डेटा विश्लेषक शामिल थे. पीसीबी ने बयान में कहा,'पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पुष्टि करता है कि उसने अब्दुल रज्जाक और वहाब रियाज को सूचित कर दिया है कि राष्ट्रीय चयन समिति में अब उनकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं होगी. नई चयन समिति की संरचना के बारे में समय आने पर सूचित किया जाएगा. 'रज्जाक महिला और पुरुष दोनों चयन समिति में थे जबकि वहाब केवल पुरुष चयन समिति का हिस्सा थे. वहाब ने पिछले नवंबर में यह जिम्मेदारी संभाली थी. वह टी20 विश्व कप में भी सीनियर टीम मैनेजर के तौर पर गए थे.

ब्रीफ खबरें

बोलेरो-बाइक में टक्कर एक की मौत, दो घायल

नवादा । नवादा के पकरीबरावां-वारिसलीगंज पथ पर पकरीबरावां थाना क्षेत्र अंतर्गत धेवधा गांव के समीप बुधवार को बोलेरो एवं बाइक की सीधी टक्कर हो गई. दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए. मृतक की पहचान डोला गांव के टोला लखनपुरा निवासी राजन मांझी के पुत्र नीरज कुमार के रूप में की गई. दो घायलों में इसी गांव के बुधन मांझी के पुत्र राकेश कुमार एवं बुंदेल मांझी के पुत्र पंकज मांझी के रूप में की गई है. दोनों घायलों को इलाज के लिए पकरीबरावां ले जाया गया.

सहरसा में बह गई एक और पुलिया

सहरसा । बारिश में पुलियों के बहने का सिलसिला जारी है. ताजा मामला सहरसा जिले का है. जहां राज्य के उत्पाद मंत्री रत्नेश सदा के गांव जाने वाली सड़क पर बनी पुलिया गिर गई. महिषी प्रखंड के कुंदह पंचायत सहित नवहट्टा प्रखंड के करीब आधा दर्जन गांवों सहित उत्पाद मंत्री के पैतृक गांव को एसएच सड़क संख्या 17 से जोड़ने वाली एकमात्र मुख्य सड़क के बीच स्थित करीब 15 साल पुरानी पुलिया ध्वस्त हो गई. इस पुलिया के धंसने से क्षेत्रीय लोगों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गयी है. घटना की सूचना पर सीओ, पुलिस सहित विभागीय अभियंताओं ने घटनास्थल पहुंच स्थिति का जायजा लिया.

ट्रैक्टर का इंजन पलटने से चालक की मौत

नवादा । नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के बड़राजी-कोल्हुआर संपर्क पथ पर बुधवार को रामपुर बलुआ मुसहरी के समीप एक डीजे ट्राली का इंजन पाइन में पलट गया. हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई. मृतक ट्रैक्टर चालक कौआकोल थाना क्षेत्र के पाली पंचायत की मंदरा गांव निवासी शिव वालक यादव उर्फ अकलू यादव का पुत्र मुकेश यादव 30 वर्ष के है. ट्रैक्टर भी मंदरा गांव के ही भागवत प्रसाद उर्फ भागो प्रसाद का बताया गया है. घटना के वक्त ट्रैक्टर में कुणाल म्यूजिक ग्रुप ओखरिया रोड, बड़राजी का डीजे ट्राली लगा हुआ था.

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा

बस और टैंकर की टक्कर में 18 लोगों की मौत, 19 घायल

▪ बिहार के मोतिहारी से दिल्ली जा रही थी डबल डेकर बस

एजेंसी ।पटना/उन्नाव (उप्र)

उन्नाव जिले में बुधवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बस और टैंकर की टक्कर में 18 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि घटना बुधवार सुबह करीब पांच बजे बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में जोजीकोट गांव के पास हुई. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है.

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बिहार के मोतिहारी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस की रफ्तार तेज थी और उसने दूध के टैंकर को पीछे से टक्कर मार दी. अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसबी शिरोडकर ने बताया कि दुर्घटना में 18 लोगों की मौत हो गई जिनमें 14 पुरुष, तीन महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं. हादसे में 19 लोग घायल हो गये हैं. एडीजी शिरोडकर ने बताया कि मरने वाले 18 लोगों में से 14 की पहचान हो चुकी है. चार लोगों की पहचान नहीं हो पायी हैं. मृतकों के परिजनों को सूचित किया जा चुका हैं.

उन्नाव के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा ने बताया कि बिहार से दिल्ली जा रही इस निजी बस में करीब 60 यात्री सवार थे जो अलग-अलग स्थानों से बैठे थे. बांगरमऊ के क्षेत्राधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और टैंकर दोनों पलट गये. उन्होंने बताया कि जान गंवाने वालों में दोनों वाहन के चालक भी शामिल हैं. बस दुर्घटना के घायलों में शामिल दिलशाद ने बताया, बिहार के शिवहर से बस चली थी. मैं सो रहा था कि अचानक चीख पुकार मच गई थी. मेरे परिवार के आठ लोग यात्रा कर रहे थे. अभी जिला अस्पताल में मैं और मेरा भाई ही हैं. अन्य परिवारजन कहां हैं, इसका पता नहीं है. उन्होंने बताया कि घटना के समय जो लोग सबसे पहले आए थे, वह मदद करने के बजाय मोबाइल फोन से वीडियो बना रहे थे.

दिलशाद ने बताया कि पूरी रात ड्राइवर तेजी से बस चलाता हुआ आ रहा था. आगे चलने वाले टैंकर से टक्कर होने के बाद लोग नींद से जागे तो वे बस में फंसे ही थे. जिलाधिकारी गौरांग राठी और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा ने बताया कि जिला अस्पताल में गंभीर रूप से घायल गुल मोहम्मद, राजदेव, संतोष, शमीम, रजनीश को लखनऊ ट्रामा सेंटर और एक मरीज लाल बाबू को कानपुर ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है. डीएम ने बताया कि बस में सवार जो 20 यात्री मामूली रूप से घायल हुए थे, उन्हें प्राथमिक उपचार दिलाने तथा जलपान कराने के बाद दूसरी बस से दिल्ली भेजा गया है.

घायलों का इलाज करते डॉक्टर.

पूर्वी चंपारण : एक ही परिवार के छह की मौत

पूर्वी चंपारण । उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुए बस हादसे में 18 लोगों की मौत हुई है, जिसमें बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के फेनहारा थाना क्षेत्र के एक ही परिवार के छह लोग हैं जबकि दो अन्य लोग घायल हुए हैं. घायलों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है. सभी लोग मेरठ में मजदूरी करते थे और शिवहर से दिल्ली जाने वाली बस में मंगलवार दोपहर सवार हुए थे. मृतकों के परिजनों के मुताबिक, पहले ये लोग ट्रेन से जाने वाले थे लेकिन टिकट कन्फर्म नहीं मिलने के कारण इन लोगों ने बस पकड़ना मुनासिब समझा. बस हादसे की सूचना पर परिजन घटनास्थल की ओर रवाना हो गये हैं. पूरे फेनहारा में शोक व्याप्त है. मृतकों की पहचान इलियास (35), उसकी पत्नी कमरूनेशा (30), अशफाक (45), उसकी पत्नी मुनचुन खातून (38), इनके दो बच्चे गुलनाज (13) और सोहेल (3) के रूप में हुई है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर बुधवार को हुए बस हादसे को लेकर दुख व्यक्त किया है.

पटना में नालंदा के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, शोक

पटना । पटना में आईआईटी की तैयारी कर रहे एक छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. आसपास के छात्रों ने इसकी सूचना शास्त्री नगर थाने को दी. सूचना मिलते ही शास्त्री नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, हालांकि दरवाजा अंदर से बंद था. पुलिस ने दरवाजा तोड़कर युवक का शव कमरे से बरामद कर लिया है. मृतक युवक की पहचान नालंदा निवासी सोनू कुमार 17 वर्ष के रूप में हुई है. शास्त्री नगर थाना प्रभारी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है. जल्दी वे लोग पहुंचने वाले हैं. इस बीच पुलिस ने घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है.

रूपौली उपचुनाव

मतदान के दौरान पुलिस एवं ग्रामीणों के बीच झड़प, घायल

संवाददाता ।पटना

रूपौली उपचुनाव के लिए जारी मतदान के दौरान बुधवार दोपहर बाद पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गयी है. इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की. इस पत्थरबाजी में एक पुलिस जवान और तीन ग्रामीण घायल हो गए हैं. घटना भवानीपुर थाना क्षेत्र के बूथ संख्या 75 और 76 पर हुई है. बताया जा रहा है कि बूथ संख्या 75-76 पर वोट देने आये ग्रामीणों की पुलिस के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई और इसके बाद ग्रामीण उग्र हो गए. गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिसमें एक जवान और तीन ग्रामीण चोटिल हुए हैं. घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस के आला अधिकारी और जिला प्रशासन की टीम पहुंची. एएसपी और डीएसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव में कैंप कर रही है. इससे पहले रूपौली के गोरियर बूथ संख्या 235 पर निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह और उनकी पत्नी ने समर्थकों के साथ हंगामा किया था. उनका आरोप था कि वोटर्स को वोट देने से जबरन रोका जा रहा है. उन्होंने पुलिस पर समर्थकों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की थी.

गंडक नदी उफनाई

बगहा में बाढ़ से परेशान लोग सड़कों पर रहने को मजबूर

संवाददाता ।पटना

नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा से होकर गुजरने वाली गंडक नदी में रविवार को 4 लाख 40 हजार क्यूसेक रिकॉर्ड पानी छोड़े जाने के बाद बगहा में बाढ़ के हालात बन गए हैं. बगहा के दियारावर्ती निचले इलाके के नवका टोला बिनवलिया गांव में लोगों के घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है, जिसके चलते ग्रामीण रतवल-धनहा को यूपी से जोड़ने वाली मुख्य सड़क किनारे टेंट और तंबू लगाकर गुजर बसर कर रहे हैं. बाढ़ के कारण ग्रामीणों को भोजन-पानी के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ रही है. हालांकि, अभी गंडक नदी के जलस्तर में गिरावट भी दर्ज की गई है. वाल्मीकि नगर बैराज से डेढ़ लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है. इसके बावजूद लोगों के लिए परेशानी बढ़ गई है. वहीं, जल संसाधन विभाग और प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है.

फुलवरिया में वज्रपात से किसान की मौत

पश्चिम चंपारण । वज्रपात से एक किसान की मौत हो गई. घटना लौरिया थाना क्षेत्र के कटैया फुलवरिया गांव में हुई. आकाशीय बिजली गिरने से किसान और उसके बैल की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. वहीं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतक की पहचान लौरिया थाना निवासी फुलवरिया गांव निवासी 55 वर्षीय सुरेश यादव के रूप में हुई है. वहीं घायल की पहचान सुमन राम के रूप में हुई है. वहीं बैल भी सुमन राम का बताया गया. घटना की सूचना मिलते ही पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि व लौरिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे. शव को कब्जे में लेकर बेतिया जीएमसीएच पोस्टमार्टम के लिये भेज दिये.

पटना मरीन ड्राइव के तीसरे फेज के उद्घाटन पर रविशंकर प्रसाद ने कहा-

अच्छा काम हुआ है, जाम से मिलेगी मुक्ति

संवाददाता ।पटना

जेपी गंगा पथ के गायघाट से कंगन घाट तक के हिस्से का सीएम नीतीश ने बुधवार को उद्घाटन किया. इसको लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इस कार्यक्रम में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी और विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव सहित कई दिग्गज मौजूद रहे. वहीं, इसको लेकर पटना साहिब से बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बहुत अच्छा काम हुआ है, इससे सीधे दीघा पहुंच सकते हैं. यह काम जल्द पूरा होगा. जाम से मुक्ति मिलेगी. यह विकास के लिए अच्छी बात है, नीतीश कुमार का अभिनंदन. वहीं, इस उद्घाटन को लेकर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि ये बिहार को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की तरफ से सबसे बड़ा उपहार है. मरीन ड्राइव की मदद से पटना में एक जगह से दूसरी जगह जाना सुगम होगा. लोगों का समय बचेगा. बता दें कि पटना में गायघाट से कंगन घाट तक मरीन ड्राइव का विस्तार किया जा रहा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को इसके तीसरे फेज का उद्घाटन किया. वहीं, सीएम नीतीश कुमार ने पहले चरण में 24 जून, 2022 को दीघा से पीएमसीएच तक का लोकार्पण किया था. इसके बाद दूसरे चरण का लोकार्पण 14 अगस्त 2023 को पीएमसीएच से गायघाट तक किया गया.

अब तीसरे चरण के अंतर्गत गायघाट से कंगन घाट तक का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोकार्पण किया.

कारोबार

जीई पावर इंडिया को आपूर्ति का मिला ठेका

नयी दिल्ली । जीई पावर इंडिया लिमिटेड (जीपीआईएल) को मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लि. से मुख्य टरबाइन कलपुर्जों की आपूर्ति का ठेका मिला है. जीपीआईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, ठेका 18 महीने की अवधि में पूरा किया जाएगा. ठेके का आधार मूल्य माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को छोड़कर 7.66 करोड़ रुपये है. जीई पावर इंडिया विद्युत संयंत्रों तथा विद्युत उपकरणों की इंजीनियरिंग, खरीद, विनिर्माण, निर्माण व मरम्मत का काम करती है.

जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने किए समझौते

नयी दिल्ली । जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम (जीयूवीएनएल) और एनटीपीसी को अपनी सौर-पवन हाइब्रिड क्षमता से 480 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं. कंपनी बयान के अनुसार, जीयूवीएनएल हाइब्रिड प्रथम चरण परियोजना में 190 मेगावाट हाइब्रिड क्षमता (140 मेगावाट सौर और 50 मेगावाट पवन) है. यह सालाना 41.2 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन करेगी. इससे कार्बन उत्सर्जन में 3,84,067 टन की कमी आएगी.

उड़द की थोक कीमतों में नरमी आनी शुरू

नयी दिल्ली । उड़द की कीमतों में तेजी के बीच सरकार ने बुधवार को कहा कि आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों और चालू खरीफ सत्र में बुवाई का रकबा बढ़ने से दिल्ली और इंदौर के थोक बाजारों में इसके दाम में नरमी आनी शुरू हो गई है. चालू खरीफ सत्र में पांच जुलाई तक उड़द की बुवाई का रकबा बढ़कर 5.37 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 3.67 लाख हेक्टेयर था. उपभोक्ता मामलों के विभाग के लगातार प्रयासों का नतीजा उड़द की कीमतों में नरमी के रूप में निकला है. सरकार के सक्रिय कदम उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को स्थिर करने और किसानों के लिए अनुकूल मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिहाज से अहम रहे हैं.

टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने घटाए एसयूवी मॉडल के दाम

एजेंसी ।नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) की कीमतों में कटौती की है. एसयूवी की बिक्री बढ़ाने के प्रयास के तहत इन कंपनियों ने यह कदम उठाया है. टाटा मोटर्स ने अपनी प्रमुख एसयूवी हैरियर (14.99 लाख रुपये) और सफारी (15.49 लाख रुपये) की शुरुआती कीमतों में बदलाव किया है. अन्य लोकप्रिय एसयूवी मॉडल पर 1.4 लाख रुपये तक की कटौती की गई है. टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विवेक श्रीवास्तव ने बयान में कहा, इलेक्ट्रिक वाहनों के संबंध में नेक्सन.ईवी पर की गई कटौती (1.3 लाख रुपये तक) ने इसे सबसे सुलभ बना दिया है. उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त पंच.ईवी के दाम में भी 30 हजार रुपये तक की कटौती की गई है. महिंद्रा एंड महिंद्रा के अनुसार, उसकी एक्सयूवी700 सभी सुविधाओं से लैस एएक्स7 की शुरुआती कीमत अब 19.49 लाख होगी. इसमें दो लाख रुपये से अधिक की कटौती गई है. कंपनी ने कहा कि मूल्य में कटौती से अधिक लोगों को इस श्रृंखला का अनुभव लेने का अवसर मिलेगा.

प्रमोशन बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल और एमी विर्क, बुधवार को जयपुर में अपनी आगामी फिल्म बैड न्यूज के प्रमोशन के दौरान पोज देते दोनों कलाकार.

बंसल वायर इंडस्ट्रीज का शेयर 37% चढ़ा

नयी दिल्ली । स्टील के तार बनाने वाली कंपनी बंसल वायर इंडस्ट्रीज का शेयर बुधवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद निर्गम मूल्य 256 रुपये से करीब 37 प्रतिशत उछाल के साथ बंद हुआ. बीएसई पर कंपनी का शेयर 37.51 प्रतिशत उछाल के साथ 352.05 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ. इसके बाद यह 44 प्रतिशत बढ़कर 368.70 रुपये पर पहुंच गया. अंत में यह 36.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 350.30 रुपये पर बंद हुआ. एनएसई पर कंपनी के शेयर ने 39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 356 रुपये पर कारोबार शुरू किया. अंत में यह 36.77 प्रतिशत उछाल के साथ 350.15 रुपये पर बंद हुआ. कंपनी का बाजार मूल्यांकन 5,484.15 करोड़ रुपये रहा. दिन में कारोबार के दौरान बीएसई पर कंपनी के 25.42 लाख शेयरों और एनएसई पर 273 लाख शेयरों का कारोबार हुआ. बंसल वायर इंडस्ट्रीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 59.57 गुना अभिदान मिला था. आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 243-256 रुपये प्रति शेयर था. आईपीओ के तहत 745 करोड़ रुपये मूल्य नए शेयर जारी किए गए हैं. इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं थी.

जहाज ऑपरेट करने वाली कंपनियां शिपबिल्डिंग के लिए जगह तलाश रही हैं

अब जहाज निर्माण की तैयारी में जुटेंगे अडाणी

भाषा ।नयी दिल्ली

व्यापार में समय और मांग का काफी महत्व होता है. इसलिए बाजार में जिस चीज की मांग अधिक होती है कारोबारी वहीं पैसा लगाना चाहते हैं. इस मामले में भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडाणी भी पीछे नहीं हैं. इसलिए उनकी नजर अब जहाज निर्माण यानी शिपबिल्डिंग में उतरने की है. इसके लिए वे योजना भी बना रहे हैं. सूत्रों की मानें तो गुजरात के मुंद्रा में अडाणी ग्रुप के फ्लैगशिप पोर्ट पर जहाज बनाने का काम शुरू हो सकता है. इसकी वजह यह है कि चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में अधिकांश यार्ड 2028 तक पूरी तरह बुक हैं. वहीं दुनिया में जहाज ऑपरेट करने वाली बड़ी कंपनियां शिपबिल्डिंग के लिए वैकल्पिक जगहों की तलाश कर रहे हैं. इनमें भारत भी शामिल है. इस मौके का फायदा उठाने के लिए अडाणी ग्रुप शिपबिल्डिंग में उतरने पर गंभीरता से विचार कर रहा है. अडाणी ग्रुप देश का सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है.

मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 में भारत को शीर्ष 10 शिपबिल्डर बनाने और मैरीटाइम अमृत काल विजन में 2047 तक शीर्ष पांच में शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है. अडाणी ग्रुप का प्लान देश की इस योजना में फिट बैठता है. दुनिया में कमर्शियल शिपबिल्डिंग मार्केट में भारत की हिस्सेदारी महज 0.05% है. दुनिया में कमर्शियल जहाज बनाने वाले देशों की लिस्ट में भारत 20वें स्थान पर है. देश की कुल विदेशी माल-ढुलाई आवश्यकताओं में भारतीय स्वामित्व वाले और भारतीय झंडे वाले जहाजों का हिस्सा लगभग 5% है. अडानी की जहाज निर्माण योजना को मुंद्रा बंदरगाह के लिए 45,000 करोड़ रुपये की विस्तार योजना में शामिल कर लिया गया है. इस योजना को हाल में पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी मिली है.

अडाणी ग्रुप ऐसे समय जहाज निर्माण में उतरने की तैयारी कर रहा है जब ग्लोबल शिपिंग इंडस्ट्री डीकार्बनाइजेशन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए धीरे-धीरे ग्रीन शिप की ओर बढ़ रही है. एक अनुमान के अनुसार मौजूदा बेड़े को बदलने के लिए अगले 30 वर्षों में 50,000 से अधिक जहाजों का निर्माण किया जाना है. अडाणी ग्रुप ने इस बारे में भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया. केपीएमजी की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2047 तक भारत का कमर्शियल शिपबिल्डिंग मार्केट 62 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है. साथ ही इससे जुड़े सहायक उद्योग के 37 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है. इससे 1.2 करोड़ लोगों को नौकरी मिलने की उम्मीद है.

केपीएमजी के अनुसार मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और अमृत काल विजन लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए भारतीय शिपयार्ड्स के सालाना उत्पादन को 2030 तक 0.072 मिलियन ग्रॉस टन से बढ़ाकर 0.33 मिलियन ग्रॉस टन और 2047 तक 11.31 मिलियन ग्रॉस टन तक बढ़ाने की आवश्यकता है. साल 2047 तक घरेलू कार्गो क्षमता में वृद्धि के अलावा भारतीय विदेशी कार्गो की न्यूनतम 5% ढुलाई प्राप्त करने के लिए, अतिरिक्त बेड़े की क्षमता की आवश्यकता है. इसके परिणाम स्वरूप घरेलू जहाज निर्माण की मांग अगले 23 वर्षों में 59.74 मिलियन ग्रॉस टन होने का अनुमान है. इनमें पुराने जहाजों का रिप्लेसमेंट भी शामिल है. जानकारों का कहना है कि किसी नई कंपनी को इस सेक्टर में काफी समय लग सकता है लेकिन अडाणी ग्रुप के लिए परिस्थितियां आसान हैं. उसके पास इसके लिए जमीन और पर्यावरणीय मंजूरी है.

बनाएंगे जहाज

- चीन, जापान व दक्षिण कोरिया में यार्ड 2028 तक बुक हैं
- कमर्शियल शिपबिल्डिंग में भारत की हिस्सेदारी 0 .05%

भारतीय बाजार | स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को भारी बिकवाली का सिलसिला चला

सेंसेक्स 427 अंक टूटकर रिकॉर्ड स्तर से नीचे फिसला

▪ हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहे

एजेंसी ।मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को भारी बिकवाली का सिलसिला चला, जिससे बीएसई सेंसेक्स 426 अंक से अधिक टूटकर रिकॉर्ड स्तर से नीचे फिसल गया. हाल की तेजी के बाद बाजार में मुनाफावसूली देखने को मिली, जिससे धातु, वाहन और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे. कारोबारियों के अनुसार, अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती को लेकर अनिश्चितता से भी घरेलू बाजार प्रभावित हुआ. उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 426.87 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79,924.77 अंक पर बंद हुआ. शुरुआती कारोबार में यह 129.72 अंक की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 80,481.36 अंक पर पहुंच गया था. वहीं बाद में यह 915.88 अंक का गोता लगाकर 79,435.76 अंक पर आ गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 108.75 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,324.45 अंक पर बंद हुआ.

सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा छह प्रतिशत नीचे आ गया. कंपनी ने मांग को गति देने के लिए एसयूवी एक्सयूवी700 मॉडल के कुछ संस्करणों के दाम घटाये हैं. इसके अलावा टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे. वहीं लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, पावरग्रिड, अदाणी पोर्ट्स और भारती एयरटेल शामिल हैं. एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में रहे.

यूरोप के बाजारों में तेजी का रुख रहा. अमेरिकी बाजारों में मंगलवार को मिला-जुला रुख रहा. इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत चढ़कर 84.86 डॉलर प्रति बैरल रहा. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 314.46 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे. बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 391.26 अंक चढ़कर रिकॉर्ड 80,351.64 अंक पर और एनएसई निफ्टी 112.65 अंक की बढ़त के साथ 24,433.20 अंक के नये शिखर पर बंद हुआ था.

निफ्टी में भी 109 अंक की गिरावट

देश में बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ा

मार्च तक चार गुना से अधिक होकर 219 मेगावाट पर : रिपोर्ट

एजेंसी ।नयी दिल्ली

देश में बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता इस साल मार्च तक चार गुना से अधिक होकर 219 मेगावाट घंटा हो गई है. अमेरिकी की स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी शोध और परामर्श कंपनी मेरकॉम कैपिटल ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी. देश में बीते वर्ष मार्च तक कुल बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता 47.6 मेगावाट घंटा (एमडब्ल्यूएच) थी. रिपोर्ट के अनुसार, कुशल नवीकरणीय एकीकरण और ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए 'ग्रिड कनेक्टिविटी' नियमन जैसे नीतिगत कदम उठाये गये हैं. भारत में ऊर्जा भंडारण परिदृश्य शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि ये उपाय ऊर्जा भंडारण की मांग को बढ़ा रहे हैं. परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए वित्तपोषण (वीजीएफ) कार्यक्रम का लक्ष्य चार गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) स्थापित करना है. इसे 37.6 अरब रुपये (45.2 करोड़ डॉलर) के बजट के जरिये समर्थन दिया गया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर से मुलाकात कर द्विपक्षीय साझेदारी की पूरी क्षमता का दोहन करने के तरीकों पर की चर्चा

भारत-ऑस्ट्रिया दोस्ती मजबूत है और आनेवाले समय में यह और मजबूत होगी : मोदी

एजेंसी। वियना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर से मुलाकात की और द्विपक्षीय साझेदारी की पूरी क्षमता के दोहन के तरीकों पर चर्चा की. बैठक से पहले मोदी ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रिया दोस्ती मजबूत है और आने वाले समय में यह और मजबूत होगी. मोदी दो दिवसीय यात्रा पर मंगलवार शाम मास्को से यहां पहुंचे. विगत 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत और ऑस्ट्रिया द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय लिख रहे हैं. मोदी को यहां संघीय सचिवालय (फेडरल चांसलरी) में वार्ता से पहले 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया. उन्होंने अतिथि पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए. ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री एलेक्जेंडर शालेनबर्ग ने यहां पहुंचने पर हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया. ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने मंगलवार को एक निजी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी की. दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात है. इससे पहले नेहमर ने 'एक्स' पर अपनी और मोदी की एक तस्वीर पोस्ट की और कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विएना में स्वागत है! ऑस्ट्रिया में आपका स्वागत करना खुशी और सम्मान की बात है. ऑस्ट्रिया और भारत मित्र और साझेदार हैं. मैं आपकी यात्रा के दौरान राजनीतिक और आर्थिक चर्चाओं की प्रतीक्षा कर रहा हूं.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ के ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर. प्रेट्र

रूस ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी बताया

नयी दिल्ली। रूस के दूतावास प्रभारी रोमन बाबुश्किन ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को की दो दिवसीय यात्रा और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी शिखर वार्ता अशांत भूराजनीतिक माहौल को देखते हुए 'ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी' रही. उन्होंने मोदी और पुतिन की शिखर वार्ता के एक दिन बाद कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर थी जिससे यह स्पष्ट है कि यह यात्रा कितनी महत्वपूर्ण थी. रूसी राजनयिक ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत में भारत-रूस व्यापार और आर्थिक संबंधों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया. शिखर वार्ता की प्रमुख बातों पर प्रकाश डालते हुए बाबुश्किन ने कहा कि भारत और रूस ने राष्ट्रीय मुद्राओं का इस्तेमाल करने वाली द्विपक्षीय भुगतान प्रणाली को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है. रूसी सेना में काम कर रहे भारतीयों की वापसी की भारत की मांग पर उन्होंने कहा, 'हम इस मुद्दे पर भारत से सहमत हैं.' यह पूछे जाने पर कि भारतीय स्वदेश कब लौटेंगे, बाबुश्किन ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि इसे जल्द ही हल कर लिया जाएगा.'

अमेरिका ने कहा-रणनीतिक साझेदार बना रहेगा भारत

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने कहा है कि रूस के साथ संबंधों को लेकर चिंताओं के बावजूद भारत वाशिंगटन का रणनीतिक साझेदार बना रहेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22वीं भारत-रूस शिखर वार्ता के लिए मॉस्को के दो दिवसीय दौरे पर गए थे. यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत पर पश्चिमी देशों की करीबी नजर थी. मंगलवार को पुतिन से बातचीत में मोदी ने उनसे कहा कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान पर संभव नहीं है और शांति के प्रयास बम और बुलेट के बीच सफल नहीं होते हैं. अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन और विदेश विभाग के प्रवक्ताओं ने रूस के साथ भारत के रिश्तों और मोदी के मॉस्को दौरे से जुड़े सवालों पर मंगलवार को अलग-अलग प्रतिक्रिया दी. पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने वाशिंगटन में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, "भारत और रूस के बीच काफी लंबे समय से रिश्ते हैं. अमेरिका के नजरिये से, भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसके साथ हम रूस से उसके रिश्तों को लेकर पूर्ण और स्पष्ट बातचीत करना जारी रख रहे हैं." वहीं अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि अमेरिका "रूस से भारत के रिश्तों को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में" बिल्कुल स्पष्ट रहा है. हमने अपनी चिंताओं को निजी तौर पर सीधे भारत सरकार के समक्ष जाहिर किया है और हम ऐसा करना जारी रख रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

एनआईए ने 100 मामलों में साबित किया दोष

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने पिछले 18 माह में आतंकवाद और जाली भारतीय मुद्रा (एफआईसीएन) समेत अन्य मामलों में 100 से अधिक आरोपियों के खिलाफ दोष साबित करने में सफलता हासिल की है. एनआईए ने यह जानकारी दी. आतंकवाद रोधी एजेंसी ने 2023 में 27 मामलों में 79 आरोपियों के खिलाफ दोष साबित किया था. इसके बाद 2024 की पहली छमाही में एनआईए की विशेष अदालतों द्वारा छह मामलों में 26 लोगों को दोषी ठहराया गया.

जनगणना रिपोर्ट कैबिनेट के सामने रखेंगे : सीएम

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट राज्य मंत्रिमंडल के सामने रखी जाएगी. सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट इस साल फरवरी में राज्य सरकार को सौंपी गई थी, लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इसे सार्वजनिक नहीं किया गया. सिद्धरमैया ने कहा, "मैंने अभी तक रिपोर्ट नहीं देखी है. इसे मंत्रिमंडल के सामने रखना होगा, जो हम करेंगे." रिपोर्ट सौंपे जाने से पहले ही कुछ समुदायों के नेताओं ने दावा किया था कि यह दोषपूर्ण है क्योंकि घर-घर जाकर सर्वेक्षण नहीं किया गया था.

उत्तराखंड : केदारनाथ की विधायक का निधन

देहरादून। केदारनाथ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक शैला रानी रावत का मंगलवार देर रात यहां के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. वह 68 वर्ष की थीं. पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत कई नेताओं ने उनके निधन पर दुख प्रकट किया. रावत पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में वेंटिलेटर पर थीं. रीढ़ की हड्डी में चोट लगने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

छह माह में 557 किसानों ने की आत्महत्या : रिपोर्ट

अमरावती। महाराष्ट्र में अमरावती मंडल के अंतर्गत आने वाले पांच जिलों में इस साल जनवरी से जून के बीच 557 किसानों ने आत्महत्या की है. मंडल के अंतर्गत अमरावती, अकोला, बुलढ़ाना, वाशिम और यवतमाल जिले आते हैं. मंडल आयुक्तालय द्वारा तैयार रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से जून के बीच मंडल में कुल 557 किसानों ने आत्महत्या की. सबसे अधिक 170 किसानों ने अकेले अमरावती जिले में अपनी जान दे दी जबकि यवतमाल में 150, बुलढ़ाना में 111, अकोला में 92 और वाशिम में 34 किसानों ने आत्महत्या की.

दक्षिण गाजा में हवाई हमले में 25 की मौत

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। दक्षिण गाजा में शरण स्थल बने एक स्कूल पर मंगलवार को हुए इजराइली हवाई हमले में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, वहीं भारी बमबारी के कारण उत्तर में गाजा शहर की स्वास्थ्य सेवाएं बंद करनी पड़ी और हजारों लोग शरण की तलाश में भागते रहे. इजराइल का यह हमला गाजा के सबसे बड़े शहर में फिर से संगठित हो रहे चरमपंथियों के खिलाफ किया गया. खान यूनिस शहर के नासिर अस्पताल के प्रवक्ता वीम फेरेस ने कहा कि मृतकों में कम से कम सात महिलाएं और बच्चे शामिल हैं.

शराब घोटाला : ईडी ने केजरीवाल सहित 38 लोगों को बनाया आरोपी

ईडी ने दाखिल की चार्जशीट आप को भी बनाया आरोपी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार्जशीट दाखिल कर दी है. इस मामले में ईडी ने 38 लोगों को आरोपी बनाया है. साथ ही ईडी की चार्जशीट में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आरोपी नंबर 37 बनाया है. वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) आरोपी नंबर 38 है. चार्जशीट के मुताबिक अरविंद केजरीवाल किंगपिन हैं और साजिशकर्ता है. गोवा इलेक्शन रिश्वत के पैसे का इस्तेमाल की उन्हे जानकारी थी और वो इसमें शामिल थे. चार्जशीट में अरविंद केजरीवाल और आरोपी विनोद चौहान के वॉट्स एप चैट का डिटेल दिया गया. आरोप है कि के कविता के पीए ने विनोद के जरिए 25 .5 करोड़ रुपये गोवा चुनाव के जरिए आम आदमी पार्टी को पहुचाए थे. चैट से ये साफ है कि विनोद चौहान के केजरीवाल के साथ अच्छे रिश्ते थे.

चार्जशीट में प्रोसीड ऑफ क्राइम का जिक्र : चार्जशीट में ईडी ने प्रोसीड ऑफ क्राइम का भी जिक्र किया है, जिसमें बताया गया है कि आरोपी विनोद चौहान के मोबाइल से हवाला नोट नंबर के काफी स्क्रीन शॉट बरामद हुए है. इनकम टैक्स ने भी पहले बरामद किए थे. ये स्क्रीन शॉट दर्शाते हैं कि कैसे विनोद चौहान प्रोसीड ऑफ क्राइम यानी अपराध से अर्जित आए को दिल्ली से गोवा हवाला के जरिये ट्रांसफर कर रहा था. इस पैसे का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी द्वारा गोवा चुनाव में इस्तेमाल किया जाना था.

विनोद चौहान का बयान दर्ज : हवाला से गोवा पहुंचे पैसे को वहां मौजूद चनप्रीत सिंह मैनेज कर रहा था. हवाला के जरिये गोवा भेजे गए पैसे को लेकर विनोद चौहान और अभिषेक बॉन पिल्लई के बीच जो बातचीत हुई उसके सबूत भी ईडी के पास मौजूद है. अशोक कौशिक जिसने अभिषेक बॉन पिल्लई के कहने पर नोटों से भर दो बैग अलग-अलग दो अलग-अलग तारीख पर विनोद चौहान को पहुंचाएं. उसका बयान भी ईडी ने दर्ज किया है. ईडी का कहना है की ये मनी ट्रेन सीधे तौर पर साबित करता है कि कैसे अपराध से अर्जित पैसा जो की साउथ ग्रुप से बतौर रिश्वत दिया गया. आप ने गोवा इलेक्शन में इस्तेमाल किया. ईडी के पास हवाला मनी ट्रांसफर से जुड़े विनोद चौहान व अभिषेक बॉन पिल्लई के बीच की व्हाट्सएप चैट भी मौजूद है.

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामला क्या है?

दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर 2021 को नई शराब नीति लागू की थी. इसके लिए 32 जोन राजधानी में बनाए गए थे. हर एक जोर में 27 दुकानें खोली जानी थीं. कुल 849 दुकानें खोली जानी थीं. दिल्ली सरकार ने नई शराब नीति में सभी 100 परसेंट दुकानों को प्राइवेट कर दिया. सरकार का कहना था कि ऐसा करने से सरकार को 3500 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है. उन्होंने कहा कि एल-1 लाइसेंस के लिए ठेकेदार पहले 25 लाख रुपए चुकाते थे, लेकिन नई नीति में उनको 5 करोड़ रुपए देने पड़े. हालांकि इस नीति से सरकार और पब्लिक दोनों को ही नुकसान होने का आरोप लगाया गया.

38 के खिलाफ चार्जशीट

ईडी ने दिल्ली के आबकारी घोटाले में 38 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर कर दी है. इसमें केजरीवाल को आरोपी नंबर 37 बनाया है, जबकि उनकी पार्टी आप आरोपी नंबर 38 है. 232 पेज की चार्जशीट में ईडी ने केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं. यह भी कहा गया कि शराब कारोबारियों से सांठगांठ के जरिए नीति को उनके पक्ष में बनवाकर पार्टी के नेताओं को फायदा पहुंचाना था.

केजरीवाल की जमानत के खिलाफ ईडी की अर्जी पर सुनवाई 15 को

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका को 15 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचिबद्ध किया है. कोर्ट ने पहले निचली अदालत के 20 जून के आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत केजरीवाल को मामले में जमानत दी गई थी. कोर्ट को ईडी के वकील ने सूचित किया कि जांच एजेंसी को उसकी अर्जी पर केजरीवाल के जवाब की प्रति मंगलवार देर रात मिली और ईडी को प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए कुछ समय की जरूरत है.

आम सहमति वापस लेने के बावजूद सीबीआई जांच जारी रहने संबंधी वाद विचारणीय : कोर्ट

एजेंसी। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दायर उस वाद को विचारणीय माना जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य की ओर से 16 नवंबर 2018 को आम सहमति वापस लिए जाने के बावजूद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) विभिन्न मामलों में जांच जारी रखे हुए है.

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि राज्य के वाद पर कानून के अनुरूप और गुण-दोष के आधार पर कार्यवाही की जाएगी. पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 13 अगस्त की तारीख निर्धारित की. शीर्ष अदालत ने आठ मई को इस संबंध में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था कि राज्य द्वारा दायर वाद सुनवाई योग्य है अथवा नहीं. पश्चिम बंगाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि राज्य ने 16 नवंबर 2018 को अपनी सहमति वापस ले ली है तो ऐसे में केंद्र जांच एजेंसी को जांच के लिए राज्य में प्रवेश की अनुमति नहीं दे सकता. वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी थी कि केंद्र सरकार या उसके विभागों का सीबीआई की जांच पर कोई पर्यवेक्षी नियंत्रण नहीं है. केंद्र ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दायर वाद की विचारणीयता के बारे में प्रारंभिक आपत्तियां उठाई थीं और तर्क दिया था कि भारत संघ के खिलाफ कार्रवाई का कोई कारण नहीं है. पश्चिम बंगाल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत केंद्र के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में एक मूल वाद दायर किया जिसमें आरोप लगाया गया है कि सीबीआई प्राथमिकियां दर्ज कर रही है और जांच कर रही है, जबकि राज्य ने अपने अधिकार क्षेत्र में मामलों की जांच के लिए संघीय एजेंसी को दी गई सहमति वापस ले ली है.

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना समलैंगिक विवाह पर सुनवाई से हुए अलग

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार करने संबंधी शीर्ष अदालत के निर्णय की समीक्षा का अनुरोध करने वाली याचिकाओं की सुनवाई से बुधवार को खुद को अलग कर लिया. सूत्रों के अनुसार, न्यायमूर्ति खन्ना ने खुद को इससे अलग करने के लिए व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया. याचिकाओं पर विचार करने से न्यायमूर्ति खन्ना के खुद को अलग करने के बाद, पुनर्विचार याचिकाओं पर विचार करने के लिए अब प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ के पुनर्गठन की आवश्यकता होगी.

दिल्ली : अवमानना के दोषी व्यक्ति को अदालत की कार्यवाही समाप्त होने तक अदालत में बैठे रहने का आदेश

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक याचिकाकर्ता को अवमानना का दोषी पाते हुए सजा के तौर पर उसे अदालत की कार्यवाही समाप्त होने तक वहीं बैठे रहने का निर्देश दिया. याचिकाकर्ता ने अनधिकृत निर्माण का आरोप लगाते हुए एक याचिका दाखिल की थी, जिसे वापस लेने के लिए वह दूसरे पक्ष से रुपये लेने को तैयार हो गया था और इसलिए उसे अवमानना का दोषी पाया गया. न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 62 वर्षीय याचिकाकर्ता ने 'अपने निजी लाभ के लिए न्यायिक प्रणाली का फायदा उठाने की कोशिश' के रूप में अदालत का रुख किया. अदालत ने उसे दिल्ली उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के खाते में एक लाख रुपये जमा करने को भी कहा है.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और विधायकों के खिलाफ ठाकरे समूह की याचिका पर विचार करेगा उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के उस आदेश को चुनौती देने वाली उद्धव ठाकरे गुट की याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट को जून 2022 में विभाजन के बाद "असली राजनीतिक दल" घोषित करने का आदेश दिया गया था. प्रधान न्यायाधीश डीवाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष शिवसेना (यूबीटी) नेता सुनील प्रभु की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने आग्रह किया कि याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना आवश्यक है, क्योंकि विधानसभा का कार्यकाल भी समाप्त होने वाला है.

आप को झटका, विधायक और पूर्व मंत्री भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी। नयी दिल्ली

आम आदमी पार्टी के विधायक करतार सिंह तंवर और पूर्व विधायक राज कुमार आनंद ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है. पटेल नगर सीट से पूर्व विधायक आनंद के साथ उनकी पत्नी वीणा आनंद भी बीजेपी में शामिल हुईं हैं. वहीं दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पूर्व आप नेता राज कुमार आनंद दिल्ली सरकार में मंत्री थे. आबकारी मामले में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी. दिल्ली प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की मौजूदगी में इन नेताओं ने आप छोड़कर बीजेपी का दामन थामा.

लोकसभा चुनाव से पहले दिया था आप से इस्तीफा : राजकुमार आनंद दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके हैं. उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले ही दिल्ली सरकार को अनुसूचित जाति विरोधी करार देते हुए मंत्री पद के साथ ही आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद उन्होंने आज यानी बुधवार को बीजेपी में शामिल हो गये. बता दें, राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद बीएसपी में शामिल हुए थे. बसपा की ही टिकट पर उन्होंने लोकसभा का चुनाव लड़ा था.

आदेश : अपनी मांगों को लेकर 13 फरवरी से वहां डेरा डाले हुए हैं किसान

शंभू बॉर्डर पर लगाए गए अवरोधक सात दिन के भीतर हटाएं : अदालत

एजेंसी। चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा सरकार को अंबाला के निकट शंभू बॉर्डर पर लगाए गए अवरोधक एक सप्ताह के भीतर हटाने का बुधवार को आदेश दिया. किसान अपनी मांगों को लेकर 13 फरवरी से वहां डेरा डाले हुए हैं. दरअसल संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों के समर्थन में जब दिल्ली की ओर बढ़ने की घोषणा की थी तब हरियाणा सरकार ने फरवरी में अंबाला-नयी दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवरोधक लगा दिए थे. पंजाब और हरियाणा के बीच सीमा बंद करने के खिलाफ दायर याचिका पर ये निर्देश दिए गए. हरियाणा के अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक सभरवाल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अदालत ने हरियाणा सरकार को सात दिन के भीतर अवरोध हटाने के निर्देश दिए हैं. अदालत ने कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़ी स्थिति उत्पन्न होने पर वह कानून के अनुसार एहतियाती कार्रवाई कर सकती है. उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार से भी कहा गया है कि अगर उसकी तरफ कोई अवरोधक है तो उसे भी हटाया जाए.

भाजपा की शिक्षा विरोधी नीयत के कारण युवाओं का भविष्य अधर में

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के छात्रों के प्लेसमेंट और वार्षिक पैकेज में कथित तौर पर गिरावट को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा की शिक्षा विरोधी नीयत के कारण मेधावी युवाओं का भविष्य अधर में है. उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष अपनी पूरी शक्ति से युवाओं की आवाज निरंतर उठाता रहेगा और इस अन्याय पर सरकार को जवाबदेह बनाकर रहेगा. राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक खबर साझा करते हुए कहा, 'आर्थिक मंदी का दुष्प्रभाव अब देश के सबसे प्रतिष्ठित आईआईटी जैसे शीर्ष संस्थान भी झेल रहे हैं. आईआईटी में प्लेसमेंट और वार्षिक पैकेज में गिरावट, बेरोज़गारी का चरम झेल रहे युवाओं की स्थिति पर और गहरा आघात कर रहे हैं. 2022 में 19 प्रतिशत छात्रों को कैम्पस प्लेसमेंट नहीं मिल सका और इस वर्ष वही दर बढ़कर दोगुनी, यानी 38 प्रतिशत हो गयी.'

सहायता अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के लिए वायु-रक्षा उपकरण दान में देने की ऐतिहासिक घोषणा की

कोई गलती न करें, रूस युद्ध में विफल हो रहा है : बाइडन

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को यूक्रेन के लिए वायु-रक्षा उपकरण दान में देने की ऐतिहासिक घोषणा की और कहा कि रूस इस युद्ध में विफल हो रहा है. उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के लिए नाटो सदस्य देशों के नेताओं का स्वागत करते हुए बाइडन ने कहा कि अमेरिका, जर्मनी, नीदरलैंड, रोमानिया और इटली, यूक्रेन को पांच अतिरिक्त, सामरिक रूप से महत्वपूर्ण वायु-रक्षा प्रणाली उपलब्ध कराएंगे. राष्ट्रपति जो बाइडन ने बताया कि आगामी महीनों में अमेरिका और उसके साझेदारों की यूक्रेन को कई अतिरिक्त वायु-रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराने की योजना है.

उन्होंने बताया कि अमेरिका यह सुनिश्चित करेगा कि जब 'हम अहम वायु-रक्षा प्रणालियां भेजें तो यूक्रेन अग्रिम मोर्चे पर हो.' बाइडन ने कहा, 'कोई गलती न करें, रूस इस युद्ध में विफल हो रहा है. रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध का विकल्प चुने दो साल से ज्यादा का वक्त हो गया है, उनका नुकसान चौंका देने वाला है. रूस के 3,50,000 से अधिक सैनिक मारे जा चुके हैं या घायल हो गए हैं, करीब 10 लाख रूसी नागरिक, जिनमें से कई युवा लोग हैं, वे रूस छोड़कर जा चुके हैं क्योंकि उन्हें अपने देश में कोई भविष्य नहीं दिखता है.' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हम जानते हैं कि पुतिन यूक्रेन में रुकेंगे नहीं, लेकिन कोई गलती भी न करें, यूक्रेन पुतिन को रोक सकता है और रोकेगा.'

यूक्रेन में रूस की जीत अन्य निरंकुश नेताओं को बढ़ावा देगी : नाटो महासचिव

वहीं, नाटो महासचिव जेम्स स्टोल्टनबर्ग ने कहा कि ऐसा कोई विकल्प नहीं है जिसमें एक पड़ोसी के रूप में रूस से निपटने के लिए कोई कीमत न चुकानी पड़े. उन्होंने कहा, 'किसी युद्ध में कोई जोखिम मुक्त विकल्प नहीं होता. और याद रखिए- सबसे बड़ी कीमत और सबसे बड़ा खतरा तब होगा, यदि रूस यूक्रेन में जीत जाता है. हम ऐसा होने नहीं दे सकते. यह न केवल राष्ट्रपति पुतिन के हौसले बुलंद करेगा बल्कि यह ईरान, उत्तर कोरिया तथा चीन में अन्य निरंकुश नेताओं को भी बढ़ावा देगा.' बाइडन ने नाटो गठबंधन के शीर्ष पद पर रहते हुए स्टोल्टनबर्ग की एक दशक की सेवा के लिए उन्हें अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेजीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से सम्मानित किया.

महाराष्ट्र में 'हिट एंड रन' का एक और मामला

शराब के नशे में धुत तेज रफ्तार कार चालक ने महिला को कुचला

एजेंसी। नासिक (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र में 'हिट एंड रन' का एक नया मामला सामने आया है जिसमें नासिक शहर में एक तेज रफ्तार कार ने 31 वर्षीय एक महिला को कुचल दिया. पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह घटना मंगलवार शाम को हुई और 51 वर्षीय कार चालक घटनास्थल से फरार हो गया था लेकिन उसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया. घटना के समय वह नशे में था. गंगापुर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान ध्रुव नगर निवासी देवचंद रामभाऊ तिडमे के रूप में की गयी है. वह यहां सतपुर एमआईडीसी इलाके में एक कंपनी में काम करता है. उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान हनुमान नगर निवासी अर्चना किशोर शिंदे के रूप में की गयी है.

शिवसेना ने राजेश शाह को पार्टी के उपनेता पद से हटाया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने आलोचनाओं के बीच बीएमडब्ल्यू 'हिट-एंड-रन' मामले में आरोपी मिहिर शाह के पिता राजेश शाह को बुधवार को पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया. शिवसेना सचिव संजय मोरे द्वारा जारी एक पंक्ति वाले नोटिस में कहा गया कि राजेश शाह को पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया गया है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)